{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 28 दिसम्बर 2025
पौस शुक्ल 09 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 96
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

नया वेरिफिकेशन सिस्टम पेपर-बेस्ड आधार वेरिफिकेशन को खत्म करेगा

नई दिल्ली । यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) आधार कार्ड की सुरक्षा को और मजबूत करने तथा पेपर-बेस्ड आधार वेरिफिकेशन को खत्म करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। नए नियम लागू होने के बाद ओयो जैसे होटल चेन, इवेंट ऑर्गनाइजर और ऐसी सभी कंपनियां अब ग्राहकों के आधार कार्ड की फोटोकॉपी न तो ले सकेंगी और न ही उन्हें फिजिकल रूप में स्टोर कर पाएंगी, क्योंकि यह आधार एक्ट का उल्लंघन माना जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नए नियम को मंजूरी मिल गई है और जल्द ही इसे पब्लिश किया जाएगा।

नए साल में किसानों को मिल सकता है तोहफा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' की वार्षिक सहायता राशि बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर सभी समीकरण ठीक रहे, तो किसानों को मिलने वाली सालाना 6,000 रुपये की मदद बढ़कर 9,000 रुपये या उससे भी अधिक हो सकती है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट बनाने की प्रक्रिया अब तेज हो गई है। संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत तैयार होने वाला यह वार्षिक वित्तीय विवरण तय करता है कि सरकार आने वाले वर्ष में किस सेक्टर पर कितना खर्च करेगी। इस बार विस्तारित टाइमलाइन और व्यापक सलाह-मशविरे के चलते यह उम्मीद और मजबूत हो गई है कि कृषि क्षेत्र के लिए कुछ बड़े कदम उठाए जा सकते हैं।

31 दिसंबर को देशव्यापी हड़ताल से ठप हो सकती हैं डिलीवरी सेवाएं

नई दिल्ली। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले गिग वर्कर्स यानी डिलीवरी पार्टनर्स ने नए साल के जश्न के बीच अपनी मांगों को लेकर बड़े आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। अमेजन, जोमैटो, स्विगी और ब्लिंकिट जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स से जुड़े लाखों डिलीवरी पार्टनर्स ने 31 दिसंबर 2025 को देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। 25 दिसंबर को हुई सांकेतिक हड़ताल की सफलता के बाद तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन और इफैट ने इस विरोध प्रदर्शन को और व्यापक बनाने का निर्णय लिया है। यदि यह हड़ताल सफल रहती है, तो साल की आखिरी शाम मेट्रो और टियर-2 शहरों में फूड और ग्रॉसरी डिलीवरी सेवाएं पूरी तरह चरमरा सकती हैं। इस विरोध प्रदर्शन का मुख्य केंद्र एल्गोरिदम कंट्रोल और

कुछ ना कहना

स्पेशल रिपोर्ट : बालाघाट से मात्र 80 किलोमीटर दूर है न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट चुटका

चुटका परमाणु बिजली परियोजना के विकिरण खतरे के दायरे में बालाघाट जिला !!

नर्मदा के साथ भूकंपीय दृष्टि से भी खतरनाक है चुटका परमाणु बिजली परियोजना

एक्सप्रेस विशेष
पदमेश न्यूज़। बालाघाट

तत्कालीन सोवियत रूस का कुख्यात चेरनोबिल परमाणु दुर्घटना और जापान का फुकोशिमा परमाणु बिजलीघर दुर्घटना आज भी मानवता के लिए अभिशाप हैं.वहीं बालाघाट से महज 80 किलोमीटर दूर(हवाई दूरी) स्थित न्यूक्लियर पवार प्लांट चुटका एवं किंदरई परमाणु संयंत्र भौगोलिक रूप से भूकंपीय सोन- नर्मदा भ्रंश (फॉल्ट) क्षेत्रों में स्थित है। ये दोनों परियोजना बालाघाट सहित अन्य पड़ोसी जिलों के लिए भी चिंता के सबब बने हुए हैं. भले ही शासन, प्रशासन कितना भी भरोसा दिलाये. भूकंपीय दृष्टि से अत्यंत सक्रिय क्षेत्र में है और यह स्थल लगभग सीधे उसी भ्रंश क्षेत्र के ऊपर स्थित है, जहां 6 रेक्टर या उससे अधिक की तीव्रता वाले कई भूकंपों का केंद्र रहा है। ये बात गत दिनों नर्मदा बचाओ आंदोलन द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में भूगर्भीय एवं जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ सौम्या दत्ता ने कही। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इन परियोजनाओं के आसपास विकिरण स्तर वैश्विक सुरक्षा मानकों से कई गुना कम है। आज परमाणु रिएक्टर भारत की कुल बिजली उत्पादन का लगभग 3 प्रतिशत प्रदान करता है। भारत की कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति में इसका योगदान 1 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। इसलिए यदि परमाणु ऊर्जा को पूरी तरह छोड़ भी दिया जाए और इसे सुरक्षित व सस्ते विकल्पों से तेजी से स्थापित कर दिया जाए, तो भी देश की ऊर्जा सुरक्षा पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा। आज नवीकरणीय ऊर्जा कहीं अधिक तेजी से बढ़ रही है। यह कम पूंजी लागत पर साल भर में चालू किया जा सकता है जबकि परमाणु परियोजना बनने में 10 से 12 साल का समय लगेगा और यह महंगी भी है। इसका रेडियोधर्मी कण हवा और पानी की माध्यम से नर्मदा तथा आसपास के 3-4 जिलों को बुरी तरह से प्रभावित तो करेगा ही जल स्रोतों को अनंत समय के लिए प्रदुषित करेगा। जिसका असर नर्मदा तथा इसकी सहायक सभी नदियों, नालों किनारे बसे शहर, कस्बे और गांव के लोगों पर पड़ेगा।

न्यूक्लियर पावर प्लांट के ख़तरे

न्यूक्लियर पावर प्लांट के खतरों में सबसे बड़ा खतरा रेडियोधर्मी रिसाव है, जो दुर्घटना (जैसे चेरनोबिल, फुकुशिमा) या हमलों से हो सकता है, जिससे कैंसर और अन्य बीमारियाँ फैल सकती हैं, साथ ही परमाणु हथियारों के प्रसार का जोखिम, सुरक्षा उल्लंघनों, और पर्यावरणीय प्रभावों (जैसे पानी का प्रदूषण, सुनामी का खतरा) का खतरा भी होता है।

मुख्य खतरे (मैन थ्रेट्स)

1. विकिरण रिसाव (रेडिशन लीकेज)-

__तत्काल प्रभाव:__ साँस लेने या त्वचा के संपर्क में आने से विकिरण की घातक खुराक मिल सकती है, जिससे तुरंत स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं।

__दीर्घकालिक प्रभाव:__ आयोडीन-131, सीज़ियम-137 जैसे रेडियोधर्मी पदार्थ कैंसर (थायराइड, ल्यूकेमिया) और अन्य बीमारियों का कारण बन सकते हैं.जो आसपास की कई सौ किलोमीटर की परिधि को दायरे में ले सकता है।

__घटनाएँ-__ चेरनोबिल और फुकुशिमा जैसी बड़ी दुर्घटनाओं में यह खतरा सामने आया है।

2. आतंकवाद और सैन्य हमले

परमाणु संयंत्रों को आतंकवादी हमलों या सैन्य हवाई हमलों का निशाना बनाया जा सकता है, जिससे रेडियोधर्मी पदार्थ फैल सकते हैं। साइबर हमले भी एक बड़ा खतरा हैं।

3. परमाणु हथियारों का प्रसार (नुक्लियर प्रॉलीफेरेशन)-

परमाणु ऊर्जा तकनीक का उपयोग परमाणु हथियार बनाने के लिए किया जा सकता है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा होता है।

4. पर्यावरणीय जोखिम (इन्वायरोमेन्टल रिस्क्स)

जल निकायों के पास होने के कारण पानी के संदूषण (जैसे ट्रिटियम रिसाव) और पानी के तापमान में वृद्धि का खतरा रहता है।

सुनामी, भूकंप और चरम मौसम की घटनाओं से भी संयंत्रों को खतरा होता है।

5. सुरक्षा चूक (सिक्योरिटी लैपसेस)-

मानवीय त्रुटि, सुरक्षा गार्डों की लापरवाही, या महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन न करना, जैसे कि ड्यूटी पर सोना, जोखिम को बढ़ाता है।

गौरतलब है कि बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ के राज कुमार सिन्हा ने कहा कि परमाणु परियोजना दुर्घटना आदिवासी क्षेत्रों में आपदा लेकर आएगी। आज भी प्रदेश के जेहन में भोपाल गैस त्रासदी की घटना अंदर तक बैठी है। आज तक फुकुशिमा दुर्घटना की लागत 186 अरब अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 16,74,000 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। भारत को इन आपदाओं से सबक लेना चाहिए।

नितिन नबीन 20 को बनेंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष!

नई दिल्ली। नितिन नबीन भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार उनकी नियुक्ति का ऐलान 20 जनवरी को किया जा सकता है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 18 से 20 जनवरी के बीच पूरी होने की संभावना है। नितिन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाता है तो वे इस पद पर पहुंचने वाले सबसे युवा होंगे। नबीन का कार्यकाल जनवरी 2026 से जनवरी 2029 तक रहेगा। 2029 में लोकसभा चुनाव प्रस्तावित होने के कारण उनका कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। पार्टी देशभर के प्रदेश अध्यक्षों को 15 जनवरी के बाद दिल्ली बुलाने की तैयारी में है।

संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया पार्टी शासित आधे से ज्यादा राज्यों में पूरी हो चुकी है। 37 में से 29 राज्यों में आंतरिक चुनावों को अंतिम रूप दे दिया गया है। इन राज्यों के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन के समर्थन में नामांकन पत्रों का एक सेट जमा करेंगे। इसके अलावा भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य भी नितिन नबीन के पक्ष में एक अलग सेट में नामांकन दाखिल करेंगे। सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन के समर्थन में दाखिल नामांकन पत्रों पर पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दस्तखत भी होंगे। चूंकि नितिन नबीन ही एकमात्र उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करने वाले हैं, इसलिए भाजपा के मुख्य चुनाव अधिकारी के. लक्ष्मण नामांकन पत्रों की जांच के बाद उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। इस मौके पर भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और प्रदेश अध्यक्षों को दिल्ली में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं।

मनरेगा पर घमासान

कांग्रेस पांच जनवरी से शुरू करेगी मनरेगा बचाओ अभियान, कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में बनी रणनीति, राहुल गांधी बोले

वन मैन शो...3 उद्योगपतियों को फायदा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने फैसला किया है कि वह पांच जनवरी से मनरेगा बचाओ अभियान की शुरुआत करेगी और विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम को वापस करने के लिए लड़ाई लड़ेगी। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की शनिवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने पत्रकारों से कहा कि बैठक में यह शपथ ली गई कि मनरेगा योजना को प्रमुख बिंदु बनाकर सारे देश में एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मोदी को गांधी सरनेम से दिक्कत है, इसलिए मनरेगा का नाम बदला गया। वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि मनरेगा का नाम बदलने का फैसला कैबिनेट और राज्यों से बिना पूछे ही ये फैसला लिया गया है। मोदी वन मैन शो चल रहे है, मोदी जी जो करना चाहते हैं करते हैं। इसका पूरा फायदा 2-3 अरबतियों को मिल रहा है। इसका नुकसान ग्रामीण इलाकों को हो रहा है।

राहुल ने कहा कि मनरेगा सिर्फ योजना नहीं थी। मनरेगा राइट बेस्ड कॉन्सेप्ट था। यानी

इससे देश के करोड़ों लोगों को मिनिमम वेज (न्यूनतम आय) मिलती थी। मनरेगा बंद करना डायरेक्ट राइट बेस्ड के कॉन्सेप्ट पर आक्रमण है। ये जो पैसा लिया जा रहा है, वो राज्यों से छीनकर केंद्र सरकार ले रहा है। ये पावर और फाइनेंस का कान्ट्रैक्शन है। ये फैसला सीधे पीएम हाउस से लिया गया है। खडगे ने कहा कि कांग्रेस पांच जनवरी से मनरेगा बचाओ अभियान की शुरूआत करेगी। सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस नेताओं ने शपथ ली कि हर हाल में मनरेगा की रक्षा की जाएगी। कांग्रेस ने कहा है कि मनरेगा कोई योजना नहीं, भारत के संविधान से मिला काम का अधिकार है।

मोदी को गांधी सरनेम से दिक्कत

मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम को निरस्त किए जाने के खिलाफ देशव्यापी अभियान की जरूरत है। दिल्ली में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में खडगे ने यह भी कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया लोकतांत्रिक अधिकारों को कम करने की सुनियोजित साजिश है। घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करें कि गरीब, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदाय के वोटर्स के नाम वोटर लिस्ट न हटें। खडगे ने कहा कि मनरेगा यूपीए सरकार की एक दूरदर्शी योजना थी, जिसकी सराहना पूरी दुनिया में हुई। इस योजना के प्रभाव के कारण ही इसका नाम महात्मा गांधी के नाम पर रखा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने बिना किसी अध्ययन, मूल्यांकन या राज्यों और राजनीतिक दलों से परामर्श किए इस कानून को निरस्त कर दिया।

इंडिगो संकट पर जांच रिपोर्ट

क्रू की कमी नहीं, रोस्टरिंग बनी बड़ी वजह

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में दिसंबर की शुरुआत में हुए बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन के मामले में जांच पैनल ने 22 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए को सौंप दी है। यह पैनल 5 दिसंबर को गठित हुआ था और अब इसकी रिपोर्ट जमा की गई। हालांकि, केंद्र सरकार ने इस रिपोर्ट को फिलहाल गोपनीय रखा है, इसलिए इसके निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इंडिगो में पायलटों की कमी नहीं थी, बल्कि फ्लाइट कैंसिलेशन की असली वजह पायलटों की शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग में गड़बड़ी थी। नवंबर महीने में इंडिगो ने अपने 307 एयरबस विमानों के संचालन के लिए कुल 4,575 पायलट नियुक्त किए थे, जबकि ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिस के अनुसार केवल 3,684 पायलटों की जरूरत थी। यानी इंडिगो के पास आवश्यक संख्या से 891 पायलट ज्यादा थे।

रिपोर्ट में बताया गया कि सामान्य परिस्थितियों में ऑपरेशन, ट्रेनिंग, छुट्टी और इमरजेंसी जरूरतों को ध्यान में रखबर हर विमान के लिए छह क्रू सेट रखे जाते हैं। डीजीसीए के न्यूनतम मानकों के अनुसार, नवंबर में इंडिगो की पूरी फ्लीट के लिए केवल 3 क्रू सेट या करीब 1,842 पायलट ही पर्याप्त थे, जो एयरलाइन में मौजूद पायलटों की संख्या के आधे से भी कम है। इसके बावजूद उड़ानों का रद्द होना यह संकेत देता है कि मानव संसाधनों का सही तरीके से उपयोग नहीं किया गया। रिपोर्ट में सामने आया हैं कि इंडिगो के क्रू का मासिक उपयोग रेगुलेशन के तहत अनुमानित 100 घंटों की तुलना में केवल 55 प्रतिशत था। इसका मतलब यह हुआ कि उपलब्ध पायलटों का पूरा इस्तेमाल नहीं किया गया, जिससे ऑपरेशनल अव्यवस्था पैदा हुई।

देशवासियों को पीएम मोदी ने किया आश्वस्त...

आने वाले समय में सरकार और अधिक ऊर्जा के साथ सुधारों को आगे बढ़ाएगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नए साल 2026 से पहले देशवासियों को आश्वस्त किया है कि उनकी सरकार लोगों के जीवन को आसान बनने 'ईज ऑफ लिविंग' के लक्ष्य पर लगातार काम करती रहेगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में केंद्र ने टैक्स कानूनों को सरल किया, विवाद निपटान की प्रक्रिया तेज की, श्रमिकों के लिए नए नियम बनाए और अनुपालन को आसान बनाया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आने वाले समय में सरकार और अधिक ऊर्जा के साथ सुधारों को आगे बढ़ाएगी। पीएम मोदी के अनुसार, सुधारों की असली परीक्षा यह है कि वे लोगों का तनाव कितना कम करते हैं। इस वर्ष शासन प्रणाली में बड़ा बदलाव देखने को मिला, जहाँ नीतियों का फोकस कठिन प्रक्रियाओं के बजाय सकारात्मक परिणामों पर रहा। आसान टैक्स कानून, तेज विवाद समाधान, आधुनिक श्रम संहिताएं और गैर-आपराधिक अनुपालन से नागरिकों और कारोबार दोनों को राहत मिली है। इन सुधारों का उद्देश्य भरोसा बढ़ाना, स्थिरता लाना और दीर्घकालिक विकास को प्रोत्साहित करना है। केंद्र सरकार ने करदाताओं को बड़ी राहत देकर 12 लाख रुपये तक की आय को टैक्स फ्री कर दिया है, जिससे मध्यम वर्ग को बचत, खर्च और निवेश की अधिक स्वतंत्रता मिली है। आयकर अधिनियम, 2025 के तहत कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और करदाता-अनुकूल बनाया गया है। इतना ही एमएसएमई क्षेत्र के लिए निवेश और टर्नओवर की सीमा बढ़ाई गई है, इससे छोटे कारोबारी बिना लाभ खोने के डर के विस्तार कर सकते हैं और रोजगार के नए अवसर पैदा होने वाले है। साथ ही, ग्रामीण रोजगार योजनाओं के विस्तार से गांवों में बुनियादी ढांचे का विकास हो रहा है। श्रमिकों के लिए 29 श्रम कानूनों को चार सरल संहिताओं में समेटा गया है, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है।

खाप पंचायत का फरमान, किशोरों को स्मार्टफोन और युवक-युवतियों के हाफ-पैंट पहनने पर बैन

बागपत। यूपी के बागपत जिले की खाप पंचायत ने किशोरों के लिए स्मार्टफोन और लड़कों-लड़कियों दोनों के लिए हाफ-पैंट पर पाबंदी लगाने का फैसला किया है। पंचायत ने शादियों के लिए भी नई गाइडलाइन लागू की है। पंचायत की गाइडलाइन के मुताबिक विवाह समारोह केवल गांव या घर में आयोजित होंगे, मैरिज हॉल में नहीं। इसके अलावा अतिथि सूची सीमित होगी और खर्च नियंत्रित रखा जाएगा। अब शादी के निमंत्रण व्हाट्सएप के जरिए भेजे जाएंगे। वहीं 18 से 20 साल से कम उम्र के किशोरों के लिए स्मार्टफोन का इस्तेमाल प्रतिबंधित रहेगा। लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए हाफ-पैंट पर रोक होगी। पंचायत का कहना है कि यह कदम पारंपरिक मूल्यों को बढ़ावा देने और अवांछित प्रथाओं को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खाप सदस्य चौधरी ब्रजपाल सिंह ने कहा कि समाज का निर्णय सर्वोपरि है। राजस्थान में लिए गए फैसले की हम भी सराहना करते हैं। बच्चों को परिवार और बुजुर्गों के साथ बैठकर उचित शिक्षा और सामाजिक मार्गदर्शन मिलना चाहिए। 18-20 साल के लड़कों को फोन की ज़रूरत नहीं है। इस फैसले को बढ़ावा देने गांवों में जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। वहीं, दगड़ खाप के चौधरी ओमपाल सिंह ने कहा कि लड़कियों को मोबाइल देने से गलत आदतें पड़ सकती हैं। यही नियम लड़कों पर भी लागू होगा। फोन केवल घर में ही रखा जाना चाहिए। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है। स्कूल में मोबाइल अलग है, घर पर इसे नियंत्रित करना जरूरी है। यह फैसला समय पर और उचित है। पंचायत ने यह फैसला पूरे यूपी में लागू करने और अन्य खापों के साथ समन्वय कर राज्यव्यापी अभियान चलाने का भी फैसला किया है। इस कदम से पंचायत पारंपरिक मूल्यों और सामाजिक अनुशासन को बढ़ावा देने की योजना बना रही है।

कटंगी की ग्राम पंचायतों में फर्जी बिलों के जरिए हो रहा भुगतान

पद्मेश न्यूज। कटंगी। बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायतों में फर्जी बिलों के जरिए हजारों से लेकर लाखों रुपए के भुगतान हो रहे है। ग्राम पंचायत तिरोड़ी में हुई जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ है। जिसके बाद हमने पड़ताल की तो पता चला कि केवल तिरोड़ी ही नहीं बल्कि तमाम ग्राम पंचायतों में फर्जी स्टेशनरी बिल और वास्तविक मूल्य से अधिक के बिल लगाकर राशि प्रदान की जा रही है। ग्राम पंचायतों में सरकारी राशि के दुरुपयोग के गंभीर मामले सामने आ रहा है। आरोप है कि पंचायतों में स्टेशनरी सामग्री की खरीदी के नाम पर फर्जी बिल लगाए जा रहे हैं और वास्तविक मूल्य से कई गुना अधिक राशि का भुगतान दिखाकर सरकारी खज़ाने को नुकसान पहुँचाया जा रहा है। तमाम ग्राम पंचायतों में कार्यालयों में रजिस्टर, फाइल, पेन, कागज, प्रिंटर कार्ट्रिज जैसी स्टेशनरी सामग्री की खरीदी दर्शाई गई है, लेकिन जमीनी स्तर पर न तो इतनी सामग्री मौजूद है और न ही उपयोग के कोई ठोस प्रमाण। कई पंचायतों में एक ही प्रकार की सामग्री के लिए बार-बार बिल लगाए गए है।

वास्तविक कीमत से कई गुना अधिक भुगतान

बाजार में कम दाम पर उपलब्ध स्टेशनरी सामग्री के लिए पंचायत रिकॉर्ड में कई गुना अधिक राशि दर्शाई गई है। उदाहरण के तौर पर, जो सामग्री सामान्य बाजार में कुछ सौ रुपये में मिल जाती है, उसके बिल हजारों रुपये के दिखाए गए हैं। इससे यह संदेह और गहरा गया है कि यह सब सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है। कुछ चुनिंदा दुकानों या फर्मों के ही बिल बार-बार लगाए गए हैं। कई बिलों में हस्ताक्षर और लेखन शैली एक समान है। जिससे फर्जीवाड़े की आशंका और मजबूत होती है। यह भी आरोप है कि बिना सामग्री आपूर्ति के ही भुगतान कर दिया गया।

पंचायत दर्पण से भुगतान विवरण ने खोली पोल

पंचायत दर्पण पोर्टल पर उपलब्ध भुगतान विवरण देखने से कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। रिकॉर्ड के अनुसार एक ही फर्म को एक ही प्रकार की स्टेशनरी सामग्री के लिए बार-बार भुगतान किया गया है। कुछ मामलों में एक ही मद के लिए अलग-अलग तिथियों में लगातार भुगतान दर्ज पाए गए, जबकि वास्तविक आवश्यकता और सामग्री की उपलब्धता पर सवाल खड़े होते हैं। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि

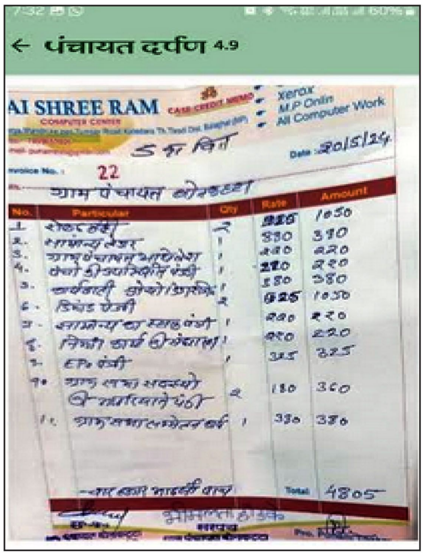

कागजों में बिल बनाकर राशि आहरित की गई। पंचायत दर्पण पोर्टल से प्राप्त भुगतान विवरण के स्क्रीनशॉट जब सार्वजनिक होने लगे, तो संबंधित बिलों और दस्तावेजों को जानबूझकर धुंधला (ब्लर) कर प्रस्तुत किया गया, ताकि फर्म का नाम, बिल नंबर और भुगतान की वास्तविक जानकारी स्पष्ट न हो सके। कुछ मामलों में बाद में अपलोड किए गए दस्तावेजों की गुणवत्ता जानबूझकर कम रखी गई। जिससे जानकारी पढ़ना मुश्किल हो जाए। इसे साक्ष्यों को कमजोर करने और मामले को दबाने का प्रयास माना जा रहा है।

जिम्मेदारों की भूमिका संदिग्ध

इस पूरे मामले में पंचायत सचिवों, सरपंचों और संबंधित कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। नियमों के अनुसार, किसी भी खरीदी से पहले प्रस्ताव, अनुमोदन और सामग्री की वास्तविक आपूर्ति का सत्यापन आवश्यक होता है, लेकिन इन प्रक्रियाओं को दरकिनार किया गया। पंचायतों में चल रहे फर्जी बिलों की पड़ताल से ऑडिट अधिकारी और एजेंसी पर भी सवालों के घेरे में है। इतने स्पष्ट वित्तीय अनियमितताओं के बावजूद यदि भुगतान और बिल ऑडिट में पास हो रहे है तो यह ऑडिट करने वाले अधिकारियों और संबंधित ऑडिट एजेंसी की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। नियमों के अनुसार ऑडिट के दौरान बिलों की वैधता, सामग्री की आवश्यकता, दरों की तुलना और मौके पर सत्यापन किया जाना चाहिए। ऐसे में फर्जी या बार-बार किए गए भुगतान ऑडिट में कैसे नजरअंदाज हो गए, यह जांच का विषय है।

बिलों में हस्ताक्षर, पद मुद्रा और तारीख तक नहीं

यह भी सामने आया है कि कई भुगतान बिलों में सरपंच और पंचायत सचिव के हस्ताक्षर तथा पदमुद्रा ही मौजूद नहीं हैं। वहीं कुछ बिलों में भुगतान की स्पष्ट तारीख तक अंकित नहीं की गई है। नियमों के अनुसार बिना हस्ताक्षर, पद मुद्रा और तिथि वाले बिल अमान्य माने जाते हैं और उन पर भुगतान नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद ऐसे बिलों के आधार पर राशि का आहरण किया जाना गंभीर लापरवाही या जानबूझकर की गई अनदेखी की ओर इशारा करता है। कई बिलों में राशि, मात्रा और कुल योग (टोटल) में स्पष्ट ओवरराइटिंग देखी गई है। कुछ मामलों में पहले लिखी गई रकम को काटकर दूसरी राशि जोड़ी गई, जबकि टोटल जोड़ में वास्तविक गणना से अंतर पाया गया। जानबूझकर टोटल बढ़ाने के लिए अंकों में हेरफेर की गई। वित्तीय नियमों के अनुसार ओवरराइटिंग वाले बिल संदिग्ध माने जाते हैं और ऐसे दस्तावेजों पर भुगतान प्रतिबंधित होता है, इसके बावजूद इन बिलों के आधार पर भुगतान होना गंभीर वित्तीय अनियमितता को दर्शाता है।

एक ही सामग्री दो फर्मों के बिल, तारीख एक

यह भी तथ्य सामने आया है कि एक ही प्रकार की स्टेशनरी सामग्री के लिए दो अलग-अलग फर्मों के बिल एक ही तारीख में लगाए गए हैं। सामान्य प्रक्रिया में एक ही दिन में एक ही सामग्री की दो अलग-अलग फर्मों से खरीदी असामान्य मानी जाती है, जब तक कि इसकी ठोस आवश्यकता और स्वीकृति दर्ज न हो। लेकिन इन मामलों में न तो अतिरिक्त आवश्यकता का उल्लेख है और न ही किसी आपात खरीदी का प्रस्ताव। इससे यह संदेह और गहराता है कि एक ही भुगतान मद के जरिए अलग-अलग फर्मों को लाभ पहुंचाने के लिए बिल लगाए गए।

सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता 'जज़्बा' का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल, लालबर्रा रोड गर्रा बालाघाट में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी तीन दिवसीय शालेय वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता 'जज़्बा' का आयोजन आज 27 दिसंबर 2025 को हुआ। इस तीन दिवसीय वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता के आयोजन में विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी। जिसमें खो-खो, कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिंटन, 25मी. से 100 मी. रेस, 400मी. रिले रेस, टग ऑफ वार, सहित विभिन्न प्रकार की खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के प्रथम दिवस 27 दिसंबर को इस प्रतियोगिता का शुभारंभ शाला के मुख्य अतिथि श्री आलोक कुमार मिश्रा एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पोलिस 36 बटालियन कनकी, बालाघाट, तपेश असाटी योगा एवं आयोग प्रसिडेंट, संस्था के डायरेक्टर्स संजीव मिश्रा, अंशुल जैसवाल, मुक्तानंद गौतम, नरेश धुवारे, श्री लाकेश बिसेन, सतपुड़ा बी.टेक एण्ड पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य अशोक कुमार गुप्ता, मितेश शुक्ला, सतपुड़ा डी.एड एण्ड बी.एड के प्राचार्य देवेन्द्र रहांगडाले, सतपुड़ा आईटीआई प्राचार्य कमल ब्रम्हे सर सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल की प्राचार्या कु. पूर्णिमा देशमुख सहित शाला के समस्त स्टॉफ की मौजूदगी में किया गया। शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ तत्पश्चात छात्रों द्वारा मार्च पास्ट कर मुख्य अतिथियों को सलामी दी, उसके उपरांत मशाल जलाकर इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। यह वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 27 से 29 दिसंबर 2025 तक आयोजित की जा रही है। जिसे चार हाउस में विभाजित किया गया है, प्रथम हाउस रेड हाउस (ए.पी.जे अब्दूल कलाम हाउस), द्वितीय हाउस ब्लू (रामानुजन हाउस), तृतीय हाउस ग्रीन (चंद्रगुप्त मौर्य हाउस) तथा चतुर्थ हाउस येलो हाउस (शिवाजी हाउस) में विभाजित किया गया है। इन चारों हाउसों के द्वारा विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं खेली जायेगी, जिसमें जो हाउस ज्यादा पाइंट हासिल करेगी उसे इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का विजेता घोषित कर ट्राफी प्रदान की जायेगी।

उमरिया, इंदौर, सिवनी और गुना ने जीते मैच, आज होंगे तीन मैच

इंटर स्टेट मेन्स हॉकी टूर्नामेंट का क्वाटर फाइनल कल से, 30 को सेमी फाइनल ,तो 31 को फाइनल मैच के साथ होगा प्रतियोगिता का समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ मैदान में 24 दिसंबर से आयोजित इंटर स्टेट मेन्स हॉकी टूर्नामेंट अब समापन की ओर है।जिसका क्वार्टर फाइनल मैच सोमवार से खेला जाएगा, तो वही 30 दिसंबर को सेमीफाइनल के बाद 31 दिसंबर को फाइनल मैच के साथ प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा। स्वर्गीय रमणिक लाल त्रिवेदी की स्मृति में जिला हॉकी संघ व प्रशासन के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता के चौथे दिन 27 सितंबर को 4 मैच खेले गए।इसमें उमरिया, इंदौर, सिवनी और गुना की टीम ने जीत दर्ज कर अगले चक्र में प्रवेश किया।बताया गया कि टूर्नामेंट का क्वाटर फाइनल मैच 29 दिसम्बर से खेला जाएंगा।ज्ञात हो कि इस टूर्नामेंट में करीब 30 टीमों ने हिस्सा लिया है।वही टूर्नामेंट के 5 वें दिन रविवार को तीन मैच खेले जाएगे। मैच सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। जिले के खेल प्रेमी मैच देखने काफी संख्या में पहुंच रहे है। इस टूर्नामेंट के बाद इसी मैदान में इंटर स्टेट महिला हॉकी टूर्नामेंट व 11 जनवरी से ऑल इण्डिया स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है।

इनके बीच हुआ मैच

टूर्नामेंट के चौथे दिन पहला मैच सुबह 9 बजे से उमरिया व मंडला के बीच खेला गया। जिसमें उमरिया के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये 8-1 गोल से एकतरफा जीत प्राप्त की। दूसरा मैच इंदौर व हरदा के बीच खेला गया। इसमें इंदौर टीम के खिलाडियों ने शुरू से ही बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुये हरदा को 10-0 गोल से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। वहीं तीसरा मैच सिवनी व श्योपुर के मध्य खेला गया। इसमें सिवनी 5-0 गोल से विजयी हुई। चौथा मैच गुना बनाम बालाघाट के मध्य खेला गया। इसमें गुना के खिलाडियों ने मध्यांतर तक 3-0 गोल से बढ़त बनाई व मध्यांतर के बाद 3 गोल दागकर 6-0 गोल से बालाघाट को पराजित किया।

आज इन टीमो के बीच होंगी भिड़ंत

टूर्नामेंट के 5 वें दिन रविवार को 3 मैच खेले जाएंगे। इनमें पहला मैच सुबह 11 बजे से इंदौर व भोपाल के बीच खेला जाएगा। वहीं दूसरा मैच दोपहर 1.30 बजे उमरिया व गुना के मध्य होंगा तो वही दिन का तीसरा व अंतिम मैच 3 बजे से नरसिंहपुर बनाम सिवनी के बीच के बीच खेला जाएगा। उक्ताशय की जानकारी वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी राजकुमार शांडिल्य व राजेश सेवईवार द्वारा दी गई। इस टूर्नामेंट में खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने की है।

अहीर यादव समाज का प्रतिभामान सम्मान और मिलन समारोह संपन्न

प्रतिभाओं के सम्मान में तीन राज्यों से एकजुटे हुए यदुवंशी, समाज की प्रतिमभाओं को नकद राशि व शील्ड देकर किया सम्मानीत, यादव कुल के बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोहामन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अहीर यादव समाज ब्लॉक लांजी बापड़ी में सातवां प्रतिभा सम्मान और मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे शामिल हुए। इनके अलावा मप्र, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ राज्य के जिलों से भी बड़ी संख्या में यदुवंशी एकजुट हुए। कार्यक्रम में समाज के उन विद्यार्थियों को सम्मानीत किया गया, जिन्होंने कक्षा 10 वीं व 12वीं में 70 या इससे अधिक प्रतिशत अंक अर्जित किए हैं।कार्यक्रम में पधारे अतिथियों को बाजे गाजे व भव्य पुष्पवर्षा के साथ कार्यक्रम स्थल पर लाया गया। भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना की गई। अतिथियों का स्वागत सत्कार के बाद समाज के बच्चों ने एक से बढकर एक रंगारंग प्रस्तुतियां दी, जो मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।

विभिन्न वक्ताओं ने सामाजिक उत्थान पर रख विचार

मंचीय कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष गुलाब यादव ने लांजी में समाज की बैठक व्यवस्था के लिए भवन एवं बच्चों की शिक्षा हेतु लाइब्रेरी की कमी को लेकर संबोधित किया। बैहर के नगर अध्यक्ष सुरेश यादव ने सामाजिक गतिविधियों से अवगत कराया। बिरसा की राधा ठाकुर यादव ने शिक्षा के महत्व और नारी शक्ति पर बल दिया। इसी तरह मनोज यादव, परमानंद यादव, गोंदिया अध्यक्ष देवकीशन यादव आदि ने भी संबोधित किया। मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि संपूर्ण मप्र में यादव समाज राजनीती परिदृश्य को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। यादव हर क्षेत्र में नजर आते हैं। वैसे ही अपने क्षेत्र के यादवों को भी मेहनत और लगन से अपने उद्देश्य को पुरा करना होगा।

इनका किया गया सम्मान

बोर्ड की कक्षा 10वीं से शीतल खुमराज राऊत 95 प्रतिशत, रोशनी श्रावण करसायल 91 प्रतिशत, हेमंत नरेश 82 प्रतिशत, सिमरन महेश करसायल 81 प्रतिशत, रोहन डूडेश्वर 81 प्रतिशत, सरगम नंदकिशोर करसायल 78 प्रतिशत, जानवी धरमचंद नागे 74 प्रतिशत, नितिन नंदकिशोर 73 प्रतिशत, अंबिका रमेश रक्शे 72 प्रतिशत, कक्षा 12वीं से वैशाली नरेश बघाड़े 82 प्रतिशत, सिमरन नंदकिशोर करसायाले 74 प्रतिशत को प्रशस्ति पत्र, मेडल और एक हजार रुपए की राशि प्रदान की गई। यह राशि दिलीप यादव, चंचलेश यादव, रवि पांचे की ओर से सम्मानीत किया गया।

इनका रहा सहयोग

घनश्याम यादव, संतोष बैस, गणेश यादव, मिथिलेश यादव, ईश्वर बघाड़े, ब्लॉक अध्यक्ष रोशन यादव, हिमांशु भास्कर, सूजल, धर्मेंद्र, देवेंद्र, सुनील, राम, सुजीत सहारे, मीना सोनवाने, अनुशया यादव, लक्ष्मी, कुसुम, सुमित्रा यादव, रीना यादव, अनुशया, कनकलता, सुनीता, मतेश यादव, मनोहर, राकेश, संगीता यादव, हरिराम यदु, रामजीवन, राज गौकरण, देवकीशन यादव, लता बघाड़े, जामबती, दुलीचंद यादव, गोपाल नेवारे, पंडाबाबा यादव, लक्ष्मी यादव, चमरुलाल यादव, सोमिक यादव, जितेन्द्र, कृष्णा लहरे, देबुक लहरे, रामाधीन यादव, रमेश यादव आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

गुरुद्वारे में गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के लालबर्रा रोड़ स्थित गुरुद्वारे में पूज्य संधि पंचायत के तत्वाधान में २७ दिसंबर को सिख धर्म के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रकाश पर्व का प्रारंभ २२ दिसंबर से २७ दिसंबर को समापन किया गया। इसमें प्रतिदिन गुरुद्वारे में सुबह ५ से ७ बजे तक सुखमणि पाठ कर प्रसाद वितरण किया गया। इसमें तीन दिवस का अखंड पाठ साहब किया गया और अंतिम दिवस २७ दिसंबर को सुखमणि पाठ कीर्तन कर भोग साहब उपरांत महाप्रसादी का वितरण किया गया। विदित हैं की सिख धर्म के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह की जयंती हर साल पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाती है। इस बार यह पावन पर्व २७ दिसंबर को मनाया गया यह दिन सिर्फ एक धार्मिक अवसर नहीं बल्कि साहस बलिदान और धर्म की रक्षा के संकल्प का प्रतीक है। गुरु गोविंद सिंह ने अपना पूरा जीवन समाज मानवता और धर्म की सेवा में समर्पित कर दिया। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना कर अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने का संदेश दिया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सत्य निडरता और सेवा के रास्ते पर चलना ही सच्चा धर्म है। अध्यक्ष अमृत वेला परिवार विजय माधवानी ने बताया की पूज्य सिंधी पंचायत के द्वारा गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व का आयोजन किया गया है। जिसमें २२ दिसंबर से पाठ किया जा रहा है २७ तारीख को प्रकाश पर्व का समापन भोग साहब और महाप्रसादी वितरण के साथ किया गया है। यही पूरा सप्ताह था जब गुरु गोविंद सिंह के चारों सहजादों ने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण त्याग दिए। गुरु गोविंद सिंह ने हिन्दू धर्म को बचाने के लिए लड़ाई लड़ी। इस अवसर पर सिंधी समाज एवं सिख समाज के गणमान्य नागरिक बड़ी

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क अवसंरचना योजना से बदली तस्वीर

कटोरी-भुतहा टोला मार्ग बना विकास की नई राह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क अवसंरचना योजना के अंतर्गत बालाघाट जिले के किरनापुर विकासखंड में विकास की एक नई इबारत लिखी गई है। कटोरी से भुतहा टोला तक 1.50 करोड़ रुपये की लागत से 3 किलोमीटर 200 मीटर लंबी बीटी सड़क का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को वर्षों से चली आ रही आवागमन की समस्या से राहत मिली है।

अब तक कच्चे और दुर्गम मार्ग के कारण ग्रामीणों को दैनिक आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बरसात के दिनों में तो यह रास्ता लगभग बंद हो जाता था, जिससे बच्चों की पढ़ाई, मरीजों का इलाज और किसानों की उपज का बाजार तक पहुंचना कठिन हो जाता था। लेकिन अब इस पक्की सड़क के निर्माण से दोनों गांवों की तस्वीर ही बदल गई है।

यह सड़क केवल दो गांवों को जोड़ने वाला मार्ग नहीं, बल्कि विकास और खुशहाली का सेतु बन गई है। किसानों के लिए अब अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाना आसान हो गया है, जिससे उन्हें बेहतर दाम मिल रहे हैं। गांव के बच्चों को स्कूल आने-जाने में सुविधा हो रही है और व्यापारियों की पहुंच गांव तक आसान हो गई है। वहीं गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए अस्पताल तक समय पर पहुंचाने में जननी एक्सप्रेस जैसी आपातकालीन सेवाएं भी बिना किसी बाधा के गांव तक पहुंच सकेंगी।

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग क्रमांक 02 के कार्यपालन यंत्री श्री मनोज कुमार धुर्वे ने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिले, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिला। निर्माण कार्य में स्थानीय श्रमिकों की भागीदारी ने योजना को जनसहभागिता का स्वरूप दिया।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क अवसंरचना योजना के तहत हुए इस विकास कार्य के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सड़क उनके जीवन में स्थायी बदलाव लेकर आई है। अब कटोरी और भुतहा टोला के बीच दूरी केवल किलोमीटरों की नहीं रही, बल्कि विकास और खुशहाली की राह बन गई है।

ट्रेनों में मोबाइल,टेबलेट चुराने वाला रेलवे पुलिस के हाथों धराया

बिरसोला स्टेशन पर पकड़ाया, जरेरा जागपुर का आरोपी, गोंदिया रेलवे पुलिस ने प्रकरण तैयार कर शुरू की जांच

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

रेलवे विस्तारीकरण के साथ-साथ जैसे जैसे बालाघाट जिला ,रीवा ,जबलपुर, गोंदिया, रायपुर, और नागपुर जैसे महानगरों के संपर्क में आ रहा है वैसे-वैसे ट्रेनों में चोरी की वारदात भी काफी बढ़ गई है। जहां चोर अक्सर ट्रेनों में भारी भीड़ और यात्रियों की नींद का फायदा उठाकर चोरी की वारदात को अंजाम देने में लगे हैं।पिछले कुछ दिनों से लगातार घट रही इन घटनाओं और यात्रियों से लगातार मिल रही चोरी की शिकायतो का संज्ञान लेते हुए ,वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन पर चलाए गए सर्चिंग अभियान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, सुरक्षा बल नागपुर मंडल की टास्क टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है।जहां इस टीम ने चोरी के टैबलेट्स(मोबाइल) के साथ बिरसोला रेलवे स्टेशन में बालाघाट जिले के एक आरोपी को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपी का नाम थाना भरवेली ग्राम जरेरा जागपुर वार्ड नं 6 निवासी 24 वर्षीय विजय उर्फ लाला सोनेलाल यादव बताया गया है।जिसके पास से टीम ने सैमसंग कंपनी का चोरी का एक टैबलेट बरामद किया है। जिससे कि गई गहन पूछताछ में आरोपी ने 25 दिसंबर को गाड़ी संख्या 68818 गढ़ा-गोंदिया मेमो लोकल में एक यात्री का टैबलेट चोरी करना स्वीकार किया।

जिस पर संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर रेलवे पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

गोंदिया जीआरपी कर रही मामले की जांच

बताया गया कि रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल द्वारा रेल यात्रियों की सुरक्षा एवं उनके सामान की चोरी की रोकथाम हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंडल टास्क टीम द्वारा भरवेली के ग्राम जरेरा जागपुर निवासी विजय उर्फ लाला सोनेलाल यादव को चोरी के टैबलेट के साथ बिरसौला स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। जिससे की गई पूछताछ में आरोपी ने चोरी के राज उगल दिए।जिसके पास से चोरी का सैमसंग गैलेक्सी टैबलेट (अनुमानित कीमत 20,000 बरामद कर, आरोपी के खिलाफ सम्बधित धाराओं के तहत प्रकरण तैयार किया गया है। तो को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए आरोपी को जीआरपी गोंदिया के सुपुर्द किया गया।

चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने तैयार की गई विशेष टीम

रेलवे अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक यह कार्रवाई दीप चंद्र आर्य, मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, नागपुर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में की गई। यात्रियों की सुरक्षा, संरक्षा तथा चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से मंडल स्तर पर विशेष टास्क टीम गठित कर निरंतर अभियान चलाया जा रहा है।बताया गया कि निरीक्षक प्रभारी, रेलवे सुरक्षा बल, गोंदिया के नेतृत्व में मंडल टास्क टीम के प्रधान आरक्षक राहुल सिंह, प्रधान आरक्षक आर.सी. कटरे तथा सीआईबी गोंदिया के सहायक उप निरीक्षक आर.एस. बागडेरिया एवं सहायक उप निरीक्षक नासिर खान द्वारा संयुक्त रूप से बिरसौला स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर पूछताछ की गई। आरोपी द्वारा अपना जुर्म कबूल करने पर चोरी हुआ टेबलेट मोबाइल जप्त कर, आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 108/2025, धारा 305(सी), बीएनएस, के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। मामले में अगर आगामी जांच जीआरपी गोंदिया द्वारा की जा रही है।

बैंक मित्रों ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

सरकार पर लगाया वादा खिलाफी का आरोप, वर्षो से लंबित मांगों को पूरा किए जाने की लगाई गुहार , एक माह का दिया अल्टीमेटम, मांग पूरी ना होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासन द्वारा बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देने और प्रत्येक गांव को बैंक से जोड़ने के लिए जगह-जगह कियोस्क बैंक सेवा शुरू की गई है। जहां विभिन्न बैंकों द्वारा बैंक मित्रों की नियुक्ति कर आम लोगों को बैंकिंग सेवाओं का लाभ दिया जाना सुनिश्चित किया गया है।लेकिन शासन द्वारा वर्ष 2014 में बैंक मित्रों से किए गए वादों और उनकी वर्षों से लंबित मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसके चलते बैंक मित्र प्रदेश सरकार से खासा नाराज है ।जिन्होंने अब प्रदेश सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगातर हुए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।जिन्होंने वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए एक महा का अल्टीमेटम दिया है जिन्होंने मांग पूरी ना होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल कर ,भोपाल में आंदोलन किए जाने की रणनीति बनाई है।जिसकी तमाम जानकारी शनिवार को नगर के कमला नेहरू हॉल में आयोजित बैंक मित्र संगठन के वार्षिक सम्मेलन में संगठन के पदाधिकारी द्वारा दी गई।

आर्थिक संकट से जूझ रहे बैंक मित्र, की जा रही उपेक्षा

नगर के कमला नेहरू सभागार में आज मध्य प्रदेश बैंक मित्र संगठन, बालाघाट द्वारा भव्य वार्षिक महासम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जिले भर से आए बैंक मित्र बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ।इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेडे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। संगठन के पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।सम्मेलन को संबोधित करते हुए संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि बैंक मित्र ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, खाता खोलना, जमा-निकासी, पासबुक प्रिंटिंग, बीमा जैसी सेवाएं घर-घर पहुंचा रहे हैं,बावजूद इसके न तो उन्हें स्थायी आय है और न ही सामाजिक सुरक्षा।उन्होंने बताया किबैंक मित्र देश की वित्तीय समावेशन नीति की रीढ़ हैं, लेकिन आज वही बैंक मित्र गंभीर आर्थिक संकट, अस्थिर आय और शोषणकारी व्यवस्था से जूझ रहे हैं।बैंक मित्रों ने बताया कि बार-बार आरबीआई भोपाल कार्यालय को पत्र व ई-मेल भेजने के बावजूद उनकी समस्याओं पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे उन्हें शांतिपूर्ण आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

वादा था मानदेय बढ़ाने का, कमीशन में भी कर रहे कटौती

बैंक मित्रों ने बताया कि म.प्र. की सभी बैंकों में 2008 से ग्रामीण क्षेत्रों एवं शहरी क्षेत्रों में कार्य कर रहे है लगभग एक बैंक मित्र 4 से 5 पंचायतों के सभी हितग्राही के घर-घर जाकर एवं गाव में बैठकर पेंशनरों, मनरेगा हितग्राही, सम्मान निधि धारकों एवं लाड़ली बहनों को राशि का भुगतान कर रहे है।साथ ही ग्रामीण जनता की सेवा एवं सरकार की योजनाओं की जानकरी दे रहे हैं शासन की योजनाओं को साकार कराने में मदद कर रहे है। सन 2008 में कांग्रेस पार्टी के शासन के समय से बैंक मित्रों को रखा गया है।जिन्हें 3500/- रूपये का मानदेय और अतिरिक्त कमीशन दोनो दिया जाता था।2014 में आई बीजेपी सरकार के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के लाल किले से यह घोषणा की थी कि देश एवं प्रदेश के सभी बैंक मित्रों को 5000/- रूपये की राशी का मानदेय एवं अतिरिक्त कमीशन हर माह दिया जाएगा।उनका वादा आज तक पूरा नही किया गया और कमीशन की राशि में भी कटौती की जा रही हैं।

इन 16 सूत्रीय मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

सम्मेलन में पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य को बैंक मित्रों की 16 प्रमुख मांगों का ज्ञापन सौंपा गया, जिनमें उन्होंने ठेकेदारी प्रथा समाप्त कर उन्हें सीधे बैंक से जोड़ने,न्यूनतम फिक्स वेतन एवं कमीशन बढ़ाकर देने, 500 प्रति लाख,10 लाख का समूह बीमा,बीमा बिक्री का दबाव समाप्त करने, जीएसटी-टीडीएस से छूट एवं पीएफ सुविधा देने, कियोस्क संचालन खर्च की प्रतिपूर्ति करने,बंद आईडी का पुनर्स्थापन करने,10 वर्ष से अधिक कार्यरत बैंक मित्रों को बैंक भर्ती में आरक्षण देने,आरबीआई द्वारा स्थायी समिति का गठन करने, प्राइवेट कंपनियों की आईडी बिक्री पर रोक लगाने, निश्चित कार्य घंटे व अतिरिक्त कार्य का भुगतान करने, सर्वर डाउनटाइम का मुआवजा देने सभी सीएसपीएस के लिए ओडी खाते की सुविधा करने, एक क्षेत्र एक कियोस्क नीति बनाने, दोहरे बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की बाध्यता समाप्त करने, औसत बैलेंस कमीशन व रिकवरी की वार्षिक व्यवस्था करने, की मांग की तो वही मुख्य अतिथि श्रीमती मौसम हरिनखेडे ने बैंक मित्रों की समस्याओं को गंभीर बताते हुए उनकी इन मांगों को संबंधित मंचों तक पहुंचाकर त्वरित समाधान का प्रयास करने का आश्वासन दिया है।

तो संपूर्ण मध्य प्रदेश में काम बंद कर भोपाल में करेंगे आंदोलन- सरफराज

मध्य प्रदेश ऑल बैंक मित्र यूनियन प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष सरफराज हुसैन ने बताया कि आज जिला इकाई द्वारा वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। हमने मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े को बैंक मित्रों की समस्याओं से अवगत कराया है कि बैंक मित्र कितने परेशान हैं ,बैंकों के माध्यम से हमारे साथ कैसा धोखा किया जा रहा है, कमीशन की सबसे बड़ी समस्या है बैंक बोलती है कि 20त्न कमीशन हमारा है जबकि 40त्न कमीशन काटा जा रहा है। हमें बीमा एजेंट के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि बैंक मित्रों की बदौलत ही भारत देश में बालाघाट जिला विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में अग्रणी जिला बन गया है लेकिन हम बैंक मित्रों को ना तो बैंक पूछ रही है, और ना ही कंपनी। बैंक और कंपनी के बीच आपसी क्या अनुबंध है इसकी जानकारी भी नहीं दी जा रही है। हमारी आर्थिक व मानसिक स्थिति खराब हो चुकी है कई बैंक मित्र तो आत्महत्या भी कर चुके हैं। इसीलिए आज हमने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा है इसके पूर्व हमने आरबीआई भोपाल में ज्ञापन देकर उन्हें 1 माह का अल्टीमेटम दिया था। इसके उपरांत भी यदि मांगे पूरी नहीं होती तो मध्य प्रदेश के सभी कियोस्क बैंकों को बंद कर भोपाल जाकर आंदोलन किया जाएगा।

सागर में 6 से 9 जनवरी तक आयोजित होगी राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता कराकर खिलाड़ियों का किया गया चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश अंतर जोन जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोज, सागर जिले में 06 से 9 जनवरी तक किया गया है।उसमें बालाघाट जोन की टीम भी शामिल होंगी।आयोजित उक्त प्रतियोगिता के लिए जिले की टीम बनाने और बेहतर खिलाड़ियों का चयन करने के लिए शनिवार को नगर के मुलना स्टेडियम के कराते हाल में जिला स्तरीय जूनियर बालक चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले भर से करीब 45 से 50 खिलाड़ी शामिल हुए, जहां उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर अंडर 22 के लिए खिलाडियों का चयन कर,दो टीम बनाई गई है। बताया गया कि यह दोनों टीम आगामी 5 जनवरी को बालाघाट में आयोजित जिला स्तरीय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल होगी। जहां इस प्रतियोगिता में उनका मुकाबला बैतूल ,छिंदवाड़ा और सिवनी जिले के खिलाड़ियों के साथ होगा।5 जनवरी को आयोजित प्रतियोगिता में इन चारों जिलों की टीमों के खिलाडियों में से उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन सागर में 6 से 9 जनवरी तक आयोजित राज्य स्तरीय बालक कबड्डी प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। जहां पर पुन: मध्य प्रदेश की एक टीम का चयन होगा और वह टीम आगामी समय में हैदराबाद में आयोजित होने वाली नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेगी। शनिवार को आयोजित इस जिला स्तरीय चयन कबड्डी प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी कमलजीत छाबड़ा एवं रिटायर्ड इनकम टैक्स ऑफिसर श्री गुप्ता शामिल रहे, तो वही जिला कबड्डी संघ सचिव रामकिशोर रहांगडाले, महासचिव रमेश दीक्षित ,सहसचिव उमेश सपाटे, खेमलाल वरकडे और भीमराज ठाकरे की प्रमुख उपस्थिति में अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन कर, पृथक से खिलाडय़िों की टीम बनाई गई है।

हमें उम्मीद है नेशनल प्रतियोगिता में खेलेंगे बालाघाट के खिलाड़ी- दीक्षित

आयोजित प्रतियोगिता को लेकर की गई चर्चा के दौरान जिला कबड्डी संघ महासचिव रमेश दीक्षित ने बताया कि आगामी समय में हैदराबाद में नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है वही सतना में 6 जनवरी से 9 जनवरी तक राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन होना है। इन दोनों ही प्रतियोगिताओं के पूर्व 5 जनवरी को बालाघाट में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसमें खिलाड़ियों को शामिल करने के लिए आज जिला स्तरीय चयन जूनियर बालक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।जिसमें जिले भर से आए खिलाडय़िों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर खिलाडय़िों का चयन कर ,दो टीमें बनाई गई है यह टीमें 5 जनवरी को आयोजित जिला स्तरीय कबडडी प्रतियोगिता में भाग लेंगी। वहां पुन: दो टीमों का चयन किया जाएगा जिन्हें सागर में आयोजित प्रतियोगिता में भेजा जाएगा और वहां पर एक टीम का गठन कर हैदराबाद में आयोजित नेशनल कबडडी प्रतियोगिता में टीम को शामिल किया जाएगा।हमें उम्मीद है कि बालाघाट जिले से करीब 2 से 3 खिलाड़ियों का चयन नेशनल प्रतियोगिता में हो सकता है।

अंगीठी के ऊपर गिरकर आग से झुलसे व्यक्ति की मौत

ग्राम रैयतवाड़ी में अंगीठी में आग तापते समय हुई घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अंगीठी में आग तापते समय अंगीठी में गिरने से आग से झुलसे एक व्यक्ति की जिला अस्पताल बालाघाट लाते समय मौत हो गई। मृतक व्यक्ति सरोज पिता चैनसिह अड़मे 40 वर्ष ग्राम रैयतवाड़ी थाना लामता निवासी है जिला अस्पताल पुलिस में इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सरोज अड़मे अपने परिवार के साथ खेती मजबूरी करता था। जिसके परिवार में पत्नी सुनीता अड़मे दो बच्चे विशाल 15 वर्ष, और विशाखा 5 वर्ष के अलावा पिता चैनसिंह है। 26 दिसंबर की शाम सरोज अड़मे घर के सामने अंगेठी में आग ताप रहा था। उसकी पत्नी सुनीता दोनों बच्चे और ससुर को खाना खिलाने के बाद पति सरोज अड़मे को खाना खाने बुलाने गई थी किंतु सरोज अड़मे ने थोड़ी देर से खाना खाएंगे बोलकर ,वह अंगीठी में आग तपने लगा था। पत्नी सुनीता घर के अंदर आकर सरोज के आने का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान उसका बेटा विशाल टॉयलेट से आने के बाद वह घर के सामने अंगीठी में आग तपने गया था। तभी उसने अपने पिता सरोज अड़मे को अंगीठी के ऊपर गिरा हुआ देखा। जिसके चिल्लाने पर सुनीता दौड़ी और वह रोने लगी थी ।सरोज अड़मे अंगीठी के उपर गिरा हुआ था और वह झुलस गया। सुनीता के रोने की आवाज सुनकर पास पड़ोस के लोग दौड़े और सरोज अड़मे को उठाएं जो बहुत ही झुलझ गया था। सरोज अड़मे को तुरंत ही 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाये जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिए। सरोज अड़मे की जिला अस्पताल लाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी।रात्रि में सरोज अड़मे का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर रख दी गई थी ।27 दिसंबर को सुबह जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक सूर्यकांत मरकाम ने सरोज अड़मे का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना लामता भिजवा दी है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता शिविर आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम के तहत शुक्रवार, 27 दिसंबर 2025 को जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर श्री मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के निर्देशन तथा प्रशासक रचना चौधरी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अभियान के अंतर्गत ि दव्य मेमोरियल कॉन्वेंट हाई स्कूल बालाघाट एवं होली होम इंग्लिश हाई स्कूल बालाघाट (विकासखंड बालाघाट) में कार्यशालाएं आयोजित की गईं। कार्यशालाओं में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बाल विवाह की परिभाषा एवं उससे जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका अथवा 21 वर्ष से कम आयु के बालक का विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है, जो कानूनन दंडनीय अपराध है। कार्यक्रम में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के प्रावधानों पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि बाल विवाह कराने, इसमें सहयोग करने अथवा प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध जुर्माना एवं कारावास का प्रावधान है। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि पीडति बालक-बालिका अथवा उनके अभिभावक विधिक सहायता के माध्यम से बाल विवाह को निरस्त करा सकते हैं। शिविर के दौरान किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा शंका की स्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 112 अथवा महिला एवं बाल विकास विभाग को सूचना देने की अपील की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सूचना देने वाले की पहचान पूर्णत: गोपनीय रखी जाती है। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बाल विवाह न करने एवं न होने देने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के सफल संचालन में वन स्टॉप सेंटर बालाघाट की श्रीमती गायत्री स्वामी (केस वर्कर), रेहाना खान (विशेष किशोर इकाई) एवं श्रीमती सीता उइके (साइबर सेल) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आस-पास की खबरे

महाविद्यालय में "वीर बाल दिवस" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के तत्वाधान में शुक्रवार को वीर बाल दिवस कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के

प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वीर बाल दिवस के उपलक्ष्य में गुरू गोविंद सिंह के दोनों बेटे जोरावरसिंह और फतेह सिंह के अदम्य साहस और बलिदान की वीरगाथा पर प्रकाश डाला। प्रभारी प्राचार्य डॉ. संगीता मेश्राम ने अपने व्याख्यान में भारत के गौरवशाली इतिहास पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. कामाक्षा बिसेन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्राध्यापक डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत, डॉ. देवराज चौरे, नितेश कुमार, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागड़े, डॉ. आशा कारे, दीपक अहिरवार, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेड़े एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

गर्राटोला में क्रिकेट स्पर्धा आज से

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जनपद पंचायत वारासिवनी की ग्राम पंचायत गर्रा अंतर्गत गर्राटोला में शासकीय माध्यमिक स्कूल के सामने रविवार 28 दिसंबर से ग्रामीण स्तरीय टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता (जीपीएल) का आयोजन स्व. भोजराज राहंगडाले की स्मृति एवं नववर्ष के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। क्रिकेट स्पर्धा के संबंध में संगीत राऊत, चंद्रपाल मड़ावी, मोहित सहारे, सत्यम पटले, आदित्य बघेले ने बताया कि प्रतियोगिता का शुभारंभ रूपेंद्र सोनवाने सरपंच ग्राम पंचायत गर्रा के मुख्य आतिथ्य में होगा और अध्यक्षता भूतपूर्व सरपंच सुरेश पटले करेंगे। विशेष अतिथि चित्रसेन बिसेन जपं सदस्य, समीर बिसेन समाजसेवी, दिलीप राहंगडाले, हुकूमचंद राहंगडाले, नरेंद्र सहारे, पंच संजय सोनवाने, नरेश नगपुरे, उमेश उरकुड़े, यशवंत राहंगडाले, भीष्म कुमार राहंगडाले, विनोद राहंगडाले, राधेश्याम शेंडे, संजय राहंगडाले सहित अन्य लोग मौजूद रहेंगे। स्पर्धा में पहला पुरस्कार 21000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 11000 रुपये रखा गया है।आयोजको द्वारा उक्त प्रतियोगिता में अधिक से अधिक टीमों के शामिल होने और खेल प्रेमी जनता दशकों से उपस्थित की अपील की गई है।

बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर वन्यप्राणी जो गांव के नजदीक पहुंच रहे है उस पर रोक लगाने की उठी मांग

वन सुरक्षा समिति की बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों पर भड़के सभापति

वन्यप्राणियों के रिहायशी इलाकों में आने से दहशत, वनग्रामों के विकास की अनदेखी पर जताई नाराजगी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित दक्षिण सामान्य वन परिक्षेत्र लालबर्रा कार्यालय में शुक्रवार को वन सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। यह बैठक वन समिति सभापति धनेन्द्र भलावी, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल और रेंजर सीता भलावे सहित कई जनप्रतिनिधि व विभागीय कर्मचारी-अधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में वन विभाग के माध्यम से संचालित योजनाओं एवं क्षेत्र में कौन-कौन से कार्य किये जा रहे है उसके बारे में उपस्थित जनप्रतिनिधियों को अवगत करवाया गया और विकास कार्यों पर चर्चा की गई। वहीं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि वन्यप्राणी बाघ सहित तेंदुए गांव के नजदीक पहुंचकर गत दिवस बरघाट बोरी, कामथी, धरपीवाड़ा में मवेशी का शिकार कर चुके है एवं बार-बार उनकी दस्तक होने से ग्रामीणजन दहशत में है। लेकिन वन विभाग के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही लालबर्रा वन क्षेत्र में बांस, सागौन, तेंदुपत्ता के माध्यम से सरकार को करोड़ों रूपये का राजस्व मिल रहा है। लेकिन क्षेत्र में विकास कार्य नही हो रहे है जिस पर नाराजगी जताई गई। वहीं बैठक के दौरान वन सभापति धनेन्द्र भलावी ने लालबर्रा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वन अधिकारियों और कर्मचारियों की अनुपस्थिति पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि इतनी महत्वपूर्ण बैठक में संबंधित स्टाफ का न होना उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाता है। सभापति ने अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों को गैर-जिम्मेदार बताते हुए उनके खिलाफ सख्त प्रशासनिक कार्यवाही करने की मांग की है।

राजस्व का बड़ा स्त्रोत, फिर भी विकास शून्य

बैठक में सभापति धनेंद्र भलावी ने कहा कि लालबर्रा क्षेत्र पेंच और कान्हा नेशनल पार्क के बीच एक महत्वपूर्ण 'कॉरिडोर' है। यहां से शासन को सागौन, बांस और तेंदूपत्ता के माध्यम से करोड़ों का राजस्व प्राप्त होता है, लेकिन विडंबना यह है कि स्थानीय विकास के मामले में यह क्षेत्र आज भी उपेक्षित है। जबकि वन क्षेत्र से शासन को राजस्व प्राप्त हो रहा है तो वन राजस्व ग्रामों में अनेकों विकास कार्य होना चाहिए, लेकिन नही हो रहे है जो सोचनीय विषय है। इस तरह से लालबर्रा वन क्षेत्र राजस्व का बड़ा स्त्रोत है फिर भी विकास शून्य है। साथ ही अन्य जनप्रतिनिधियों ने बैठक में वन्यप्राणियों के रिहायशी इलाकों के समीप पहुंचने का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि गत दिवस बरघाट बोरी, कामथी और धरपीवाड़ा के रहवासी क्षेत्र में पहुंचकर बाघ व तेंदुएं ने मवेशियों का शिकार किया है और बार-बार वन्यप्राणियों की दस्तक से ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद वन विभाग के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। इस तरह से वन विभाग की उदासीनता के चलते वन्यप्राणी बाघ, तेंदुए किसी भी समय बड़े हादसे को अंजाम दे सकते है। आगे यह भी कहा कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग के निर्माण होने पर बरघाट एवं कंजई के बीच में कॉरिडोर का निर्माण किया जाना है। लेकिन किस स्थान से उक्त कार्य होना है यह स्पष्ट नही हो पाया है। जबकि वन विभाग को जानकारी से अवगत करवाना चाहिए ताकि वन्यक्षेत्र के वन्यप्राणी सुरक्षित स्थान पर रह सके। साथ ही यह भी कहा कि जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारियों की बैठक से दूरी यह दर्शाती है कि उन्हें जनसमस्याओं से सरोकार नहीं है। अनुपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों की उ'चाधिकारियों से शिकायत कर कार्यवाही करने की मांग की जायेगी। वहीं रेंजर श्रीमती सीता भलावे ने वन सभापति एवं जनप्रतिनिधियों को वन विभाग के माध्यम से किये जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए वन्यजीव प्रबंधन पर चर्चा की। साथ ही यह भी बताया कि क्षेत्र में वन्यजीवों की सक्रियता को देखते हुए विभाग का अमला दिन-रात गश्त कर रहा है और ग्रामीणों को सतर्क रहने और शाम के बाद जंगल की ओर न जाने की सलाह दी गई है। बैठक में वन समिति के सदस्यगण एवं वन विभाग के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

करोड़ों राजस्व देने के बाद भी विकास से कोसो दुर वनग्राम -धनेन्द्र

वन सुरक्षा समिति सभापति धनेन्द्र भलावी ने बताया कि लालबर्रा वन क्षेत्र जो पेंच और कान्हा नेशनल पार्क के बीच 'कॉरिडोर' के रूप में जाना जाता है और वन क्षेत्र से सरकार को प्रतिवर्ष करोड़ों का राजस्व प्राप्त होता है, फिर भी स्थानीय विकास के मामले में यह क्षेत्र उपेक्षित है। बालाघाट जिले के इस क्षेत्र से बड़ी मात्रा में सागौन, बांस और तेंदूपत्ता का संग्रहण होता है, जिससे शासन को भारी मुनाफा होता है उसके बाद भी वनग्राम विकास से कोसो दूर है। श्री भलावी ने बताया कि सिवनी-बालाघाट रोड का निर्माण होना है और मार्ग के बीच में जिस स्थान पर वनक्षेत्र आते है वहां कॉरिडोर बनाना जरूरी है इसलिए सरकार को ऐसी योजनाएं बननी चाहिए जिनसे वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ-साथ मानव जीवन भी सुरक्षित रह सके। साथ ही यह भी बताया कि लालबर्रा वन परिक्षेत्र अंतर्गत आने वाले वन परिक्षेत्र के बहुत से अधिकारी-कर्मचारी बैठक में अनुपस्थित रहे, जिसके कारण उनके क्षेत्र की गतिविधियों की जानकारी नही मिल पाई है। यदि जिम्मेदार अधिकारी विकास कार्यों में रूचि नहीं लेते हैं, तो उनके विरूध्द कार्यवाही की मांग उ'चाधिकारियों से की जायेगी। और मुख्यमंत्री व वन मंत्री को ज्ञापन सौंपकर वनग्रामों का विकास करने की मांग की जायेगी।

वन्यजीवों की सक्रियता और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये है - सीता

रेंजर सीता भलावे ने बताया कि वन क्षेत्र में कुछ कार्य प्रगति पर हैं, जबकि कुछ में आ रही बाधाओं को दूर कर जल्द शुरू करने के निर्देश दिये गये। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समिति सदस्यों ने अपने क्षेत्रों से संबंधित नये प्रस्ताव भी प्रस्तुत किये। साथ ही यह भी बताया कि क्षेत्र में वन्यजीवों की सक्रियता और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये है और वन अमले के द्वारा गश्त भी की जाती है एवं वन्यजीवों को आबादी क्षेत्र से दूर रखने के लिए पटाखे फोड़ने और आग जलाने जैसे उपायों का भी उपयोग किया जा रहा है। आगे रेंजर भलावे ने बताया कि तीन वनग्रामों के विस्थापन की प्रक्रिया प्रगति पर है। कई परिवारों को मुआवजे की पहली किस्त मिल चुकी है और शेष किस्तों के भुगतान के बाद जल्द ही उन्हें पुनर्वासित किया जायेगा एवं कुछ अधिकारी व्यस्तता के चलते बैठक में नहीं आ पाये, भविष्य में समन्वय बनाकर सभी वन अधिकारियों को बैठक में उपस्थित होने सुनिश्चित किया जायेगा।

सेन (नाई) समाज की बैठक में संगठन की मजबूती और जनहित के मुद्दों पर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग मजार के समीप स्थित काम्पलेक्स में शनिवार को सेन (नाई) समाज ब्लॉक लालबर्रा की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। यह बैठक सेन (नाई) समाज ब्लॉक अध्यक्ष दिलीप सेन एवं अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने संत शिरोमणि सेन महाराज के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित बैठक में सेलून का काम करने वालों के लिए नये वर्ष पर नई रेट दर तैयार करने, सामाजिक भवन का निर्माण, समाजोत्थान के लिए जनसहयोग करने, एक दिन दुकाने बंद रखने, समाजोत्थान, समाज के संगठन को सशक्त बनाने और आगामी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए वर्ष 2026 से सेलून दुकानों के लिए एक नई रेट लिस्ट लागू की जायेगी। साथ ही संगठन का नया पंजीयन करवाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया है और संगठन के संचालन के लिए प्रत्येक सदस्य से प्रतिमाह 100 रूपये की राशि जमा करने का निर्णय लिया गया है। वहीं बैठक संपन्न होने के बाद सभी सामाजिक बंधु प्रस्तावित सेन समाज मंगल भवन स्थल पहुंचकर निरीक्षण किया और जल्द ही भवन निर्माण करवाने की बात कही है। सेन (नाई) समाज लालबर्रा अध्यक्ष दिलीप सेन ने बताया कि सेन (नाई) समाज की ब्लॉक स्तरीय बैठक में समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और सभी की सहमति से यह निर्णय लिया गया है कि माह के अंतिम शनिवार को सभी दुकानदार भाई अपने प्रतिष्ठान बंद रखेगें। इसके साथ ही बढ़ती महंगाई को देखते हुए वर्ष 2026 से सेलून दुकानों के लिए एक नई रेट लिस्ट लागू की जायेगी, जिसे सभी दुकानों पर चस्पा करना अनिवार्य होगा। साथ ही यह भी बताया कि सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम करने की बात कही गई है। वहीं बैठक का सफल संचालन सचिव आदित्य भारद्वाज के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सेन (नाई) समाज लालबर्रा सचिव आदित्य भारद्वाज, कोषाध्यक्ष चैनलाल श्रीवास, सहसचिव संदीप सेन, नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास, उपाध्यक्ष अतुल सराठे, सचिव अवधेश मानेश्वर, कोषाध्यक्ष गोविंद मानेश्वर, फूलचंद भारद्वाज, बेनीप्रसाद श्रीवास, राजू श्रीवास, संतोष श्रीवास, संजय उरकुडे, श्री फूलबांधे, राकेश श्रीवास, अभिषेक सेन, अधिवक्ता नितेश श्रीवास सहित समाज के अन्य पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खोंगाटोला में सफाई अभियान चलाकर दिया गया स्वच्छता का संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के अंतर्गत आने वाले ग्राम खोंगाटोला में ग्राम में समग्र स्वच्छता अभियान की शुरूआत करने वाले स्व. झनकारसिंह नगपुरे (लोधी) की पुण्यतिथि के अवसर पर गत दिवस स्व'छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम ग्राम स्थित सभामंच में ग्रामीणजनों ने पूर्व जनपद सदस्य स्व. झनकारसिंह नगपुरे के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर श्रध्दांजली अर्पित की गई। तत्पश्चात चौक-चौराहों की साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। आपकों बता दे कि पूर्व जनपद सदस्य एवं ग्राम में समग्र स्व'छता अभियान की शुरूआत कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने वाले स्व. झनकारसिंह नगपुरे 15 वर्ष पूर्व निधन हो गया है। जिनके द्वारा जनपद सदस्य रहते हुए लालबर्रा जनपद पंचायत कार्यालय में गंदगी दिखाई देने पर स्वयं ही हाथ में फावड़ा एवं झाड़ू उठाकर सफाई कर दिया जाता था एवं गांव में भी कही भी गंदगी दिखाई देने पर स्वयं ही फावड़ा पकड़कर सफाई कर देते थे। इस तरह से स्व. झनकारसिंह नगपुरे के द्वारा उनके जीवन काल में स्वच्छता, गरीबों की सहायता एवं शासकीय योजनाओं को गरीबों तक सुगमता से पहुंचाने में मदद को यादगार बनाने हेतु कार्य किया गया है। जिनकी पुण्यतिथि पर गत दिवस खोंगाटोला के ग्रामीण एवं युवाओं ने स्वच्छता अभियान चलाकर चौक-चौराहों की साफ-सफाई कर ग्राम में स्व'छता एवं शिक्षा को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्व. झनकारसिंह नगपुरे की पत्नि श्रीमती महेश्वरी नगपुरे, वीरांगना रानी अवंती बाई समिति के अध्यक्ष घनश्याम बरैया, तिलकराम नगपुरे, बेनीराम बसेने, झाडूलाल नगपुरे, मंजन बसेने, पूर्व पंच भागीरथी नगपुरे, अशोक बसेने, प्रकाश नगपुरे, मंशाराम दशरिये, चैनलाल दशरिये, संतोष नगपुरे, मोहित दमाहे, ज्ञानीराम नगपुरे, अनिल नगपुरे, मंजू बसेने, जयसिंह नगपुरे, सुबेलाल नगपुरे, घनश्याम बसेने, विपुल बनोटे, थानू डहारे सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

खेल मैदान का सरपंच सहित वरिष्ठजनों ने किया निरीक्षण

न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट की तैयारी अंतिम चरण में

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार खेल मैदान में फिजिकल क्लब के तत्वाधान में आगामी 3 जनवरी से दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी तैयारी एपीसी ग्राउंड में जारी है जो अंतिम चरण में है। न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए तैयारियां युध्द स्तर पर की जा रही है। बीते एक सप्ताह से आयोजन स्थल एपीसी ग्राउंड में सुधार कार्य निरंतर जारी है, जिसके अंतर्गत मैदान का समतलीकरण एवं साफ-सफाई करवाई जा रही है। मैदान में पहले से एक व्हॉलीबॉल कोर्ट उपलब्ध है, किंतु पुरूषों के साथ-साथ महिला टीमों के मैच भी आयोजित किये जाने हैं। अत: सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए एक अतिरिक्त कोर्ट का निर्माण करवाया जा रहा है। शनिवार को सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन पंचायत के पंचों एवं ग्राम के वरिष्ठजनों के साथ खेल मैदान का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सरपंच एवं वरिष्ठ नागरिकों ने टूर्नामेंट की रूपरेखा, आयोजन प्रक्रिया, पार्किंग व्यवस्था, खिलाड़ियों के आवास एवं भोजन की व्यवस्था को लेकर अपनी जिज्ञासाएं प्रकट की। इस पर एपीसी चेयरमैन ओमप्रकाश बिसेन ने सभी बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं निरीक्षण के दौरान आयोजन से पूर्व की जाने वाली तैयारियों, दायित्वों के वितरण तथा व्यवस्था संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा भी की गई। औल्याकन्हार फिजिकल क्लब के चेयरमैन ओपी बिसेन ने बताया कि औल्याकन्हार में पहली बार इतने व्यापक स्तर पर व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। टूर्नामेंट को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए लगातार कार्य किये जा रहे है और 3 जनवरी से दो दिवसीय न्यूट्रिक प्रो व्हॉलीवॉल टुर्नामेंट प्रारंभ हो जायेगा। श्री बिसेन ने बताया कि शनिवार को सरपंच महोदया ने ग्रामीणों के साथ खेल मैदान का निरीक्षण किया है। इस निरीक्षण के दौरान टूर्नामेंट से जुड़े सभी पहलुओं पर गहन चर्चा की गई है तथा समस्त कार्यों के लिए दायित्वों का विभाजन भी कर दिया गया है। यह आयोजन लालबर्रा के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक अध्याय सिध्द होगा। विकासखंड खेल समन्वयक लव पटेल नगपुरे ने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी न्यूट्रिक प्रो टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। औल्याकन्हार में वृहद स्तर पर आयोजित होने वाले इस व्हॉलीवॉल टूर्नामेंट को देखने के लिए जिले भर के वरिष्ठ खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी दर्शक औल्याकन्हार पहुंचेंगे। एपीसी चेयरमैन ओपी बिसेन के नेतृत्व में मैदान निर्माण एवं व्यवस्था सुधार का कार्य लगातार जारी है। आयोजक समिति इस टूर्नामेंट को एक नये स्तर पर ले जाने के लिए सतत प्रयासरत है। खेल मैदान के निरीक्षण के दौरान सरपंच श्रीमती प्रेमलता बिसेन, एपीसी चेयरमेन ओमप्रकाश बिसेन, विकासखंड खेल समन्वयक लव पटेल नगपुरे, शीतल प्रसाद हरिद्वाज, परमानंद नागेश्वर पूर्व उपसरपंच, नीलकंठ नागेश्वर, सुरेश बोपचे, महेंद्र चौहान, नगारची नागेश्वर, हरिलाल मराठा, लक्ष्मण सोनवाने, सुरेश यादव, श्रीमती सरला यादव पंच, श्रीमती रविता पांडे पंच, श्रीमती राजकुमारी ब्रम्हे, श्रीमती रीना नागेश्वर, श्रीमती छाया कावरे, श्रीमती राजवंती नागेश्वर, श्रीमती कलावंती कावरे, श्रीमती भूमेश्वरी नागेश्वर, श्रीमती रज्जू नागेश्वर, श्रीमती जया कावरे, श्रीमती मुन्नीबाई यादव, सुश्री पूर्णिमा यादव, श्रीमती भागरती यादव, श्रीमती कारंता बोपचे, श्रीमती सीमा मराठा, श्रीमती प्रेमलता मराठा, श्रीमती ज्योति यादव, श्रीमती प्रीति यादव, श्रीमती प्रियंका नागेश्वर, श्रीमती रीता नागेश्वर, श्रीमती प्रभा नागेश्वर, सुश्री संजना यादव, श्रीमती विनीता नागेश्वर, श्रीमती स्मिता रंगारे सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

धान की चोरी कर रहे दो व्यक्तियों को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को सौंपा

मामले मे पुलिस ने अपराध दर्ज कर न्यायालय में किया पेश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम नेवरगांव हाई स्कूल ग्राउंड में २६ दिसंबर की दरमियानी रात ग्रामीणों के द्वारा दो धान चोरों को रंगेहाथ पकड कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। उक्त व्यक्तियों के द्वारा ग्रामीण कंचन पारधी के मकान के सामने ट्रैक्टर में भरी धान की बोरी अपनी पिकअप में भरी जा रही थी। तभी दो व्यक्तियों को ग्रामीणों के द्वारा पकड़ कर पुलिस के सुपुर्द किया गया। मामले में पुलिस के द्वारा चोरी का अपराध दर्ज कर आरोपी रामप्रसाद राय ,सुनील राय चीखला बदलापार जिला सिवनी निवासी को गिरफ्तार कर २७ दिसंबर को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

वारासिवनी मार्ग पर चोरों को ग्रामीणों ने पकड़ा

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कंचन पारधी पिता स्व.गोसाराम पारधी उम्र ३५ साल निवासी नेवरगाँव ने थाना वारासिवनी में शिकायत दर्ज करवायी की मैं खेती किसानी का काम करता हूँ। ३० दिसंबर को कोपे धान खरीदी केन्द्र में स्लाड बुक कराया हैं। इस कारण से धान की फसल को खेत से प्लास्टिक की बोरी में भरकर टेक्टर ट्राली में रखकर घर लाया। जहाँ घर के सामने नेवरगाँव शासकीय हाई स्कूल ग्राउंड में ट्रेक्टर ट्राली को खडा कर दिया। ट्रेक्टर में १२० कट्टी धान की बोरी भरी थी प्रत्येक बोरी में ४० से ४५ किलो धान भरी थी। रात्री करीबन २ बजे मैं उठा तो टेक्टर ट्राली तरफ आवाज सुनाई दी तब ट्राली के पास जाकर देखा तो दो अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा एक पिकअप में मेरी ट्राली से धान की कट्टी निकालकर भर रहे थे। मुझे देख वह दोनो व्यक्ति पिकअप लेकर भागने लगे तो मैंने मोहल्ले के लोगो को आवाज लगाया तो मोहल्ले के लोगो ने पिकअप का पीछा कर वारासिवनी रोड़ में पिकअप को रोके। जहाँ उनसे नाम पता पूछे तो एक व्यक्ति ने अपना नाम रामप्रसाद पिता लिख्खीराम राय और दुसरे व्यक्ति ने अपना नाम सुनील पिता लिख्खीराम राय दोनों निवासी चिखला बादलपार जिला सिवनी का होना बताये। फिर मैंने अपनी ट्राली को चैक किया तो करीबन ५० कट्टी धान नही थी। जिसकी कुल कीमती करीबन ४५००० रुपये की है। जिसमें पुलिस के द्वारा प्रार्थी कंचन पारधी की रिपोर्ट पर आरोपी रामप्रसाद राय और सुनील राय के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०३ २ के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया गया। वहीं आरोपी रामप्रसाद पिता रिख्खीराम राय और सुनील पिता रिख्खीराम राय दोनो निवासी चिखला बादलपार जिला सिवनी को गिरफ्तार कर न्यायलय के समक्ष पेश किया गया।

ट्रैक्टर ट्राली मेरे घर के सामने खड़ा था मुझे देख दोनों लोग भागने लगे-कचंन

कंचन पारधी ने बताया कि रात १.३० बजे मैं दुकान बंद कर घर आया था और सो गया फिर उठा और बाहर निकाला तो देखा कि ट्रैक्टर ट्राली के पास कुछ हलचल हो रही थी। वहां जाकर देखा दोनों व्यक्ति मेरे ट्रैक्टर पर चढ़कर धान की बोरियां निकल रहे थे और उसे पिकअप में भर रहे थे। यह ट्रैक्टर ट्राली धान मेरा है और मेरे घर के सामने खड़ा था मुझे देख दोनों भागने लगे। तो चिल्लाकर आसपास के लोगों को बुलाया पिकअप पर में लटका तो मुझे २० मीटर तक यह खींचकर ले गए और दरवाजे से एक व्यक्ति को खींचकर बाहर निकला। जिसे ग्रामीणों ने पकड़ लिया फिर गाड़ी के स्विच को बंद किया और दौड़कर दूसरे व्यक्ति को पकड़ा। इनके द्वारा करीब ५० कट्टी धान मेरी चोरी की गई थी यह सिवनी के रहने वाले बता रहे हैं। हम ग्रामीणों ने इन दोनों को पकड़ा और फिर ११२ डायल कर पुलिस को सूचना दी इसके बाद इन पर कार्यवाही हो रही है।

इनका कहना हैं

मौखिक चर्चा में बताया कि रात्रि में धान चोरी करने वाले दो व्यक्तियों को ग्रामीणों ने पकड़ कर पुलिस को दिया। जिन्हे थाने में लाया गया था यह डायरी मुझे सुबह प्राप्त हुई जिस पर विवेचना की जा रही है। वहीं दो आरोपी जो पकड़े गए थे उन्हें न्यायालय पेश किया है।

मानिक पटले
उपनिरीक्षक पुलिस थाना वारासिवनी

खैरलाँजी पुलिस की पकड़ से दूर किन्ही फार्म का धान चोर

मामला दुकान से २५ क्विंटल धान चोरी का

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी थाना अंतर्गत ग्राम किन्ही फार्म स्थित लिल्हारे कृषि केंद्र से ८ दिसंबर को धन चोरी हुई थी। जिसमें सुभाष लिल्हारे के द्वारा खैरलांजी थाने में शिकायत भी की गई थी। परंतु वर्तमान तक पुलिस के द्वारा मामले में आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है और ना ही चोरों का पता लगाया जा सका है। जिसको लेकर किसान काफी परेशान है ऐसे में उनके द्वारा लगातार थाना खैरलांजी के चक्कर लगाये जा रहे हैं। परंतु कार्यवाही में कोई प्रगति प्राप्त नहीं हो पा रही है जिसको लेकर वह काफी निराश है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुभाष पिता झाड़ूलाल लिल्हारे टेमनी टोला ग्राम टेमनी के रहने वाले हैं जो किन्ही फार्म में लिल्हारे कृषि केंद्र संचालित करते हैं। जहां पर उनके ७ कमरों का परिसर बना हुआ है जहां कुछ कमरा खाली रहते हैं जिसमें लंबे समय से उनके द्वारा खेतों से फसल काटकर उक्त स्थान पर लाकर रख दी जाती है। ताकि समय पर मुख्य मार्ग से फसल को उठाकर बिक्री किया जा सके। ऐसे ही इस बार भी उनके द्वारा लवीना ब्रांड को २५ क्विंटल बारीक धान एवं ५ क्विंटल मोटा धान लाकर रखा गया था जहां पर शटर नहीं लगा हुआ है। ऐसे में ८ दिसंबर को किसान सुभाष लिल्हारे अपना कृषि केंद्र बंद कर घर चले गए थे जो ९ दिसंबर को वापस आए तो देखा कि कमरा खाली पड़े हुए हैं। वहां रखी धान अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा चोरी कर ली गई है जिसकी तत्काल सूचना उनके द्वारा थाना खैरलांजी को दी गई। जिसमें पुलिस के द्वारा मौका निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की गई है। परंतु चोरी के २० दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के द्वारा कोई सुराग या आरोपियों का पता नहीं लगाया जा सका है। ऐसे में किसान अपने नुकसान को लेकर परेशान है जिनके द्वारा करीब १ लाख रुपए के नुकसान की बात कही जा रही है। किसान परिवार के द्वारा पुलिस से मामले में उचित कार्यवाही कर न्याय दिलाने की मांग की गई है। किसान सुभाष लिल्हारे ने बताया कि प्रतिदिन की तरह मैं ८ दिसंबर की रात करीब १० बजे दुकान बंद कर घर चला गया था। फिर दूसरे दिन अपनी दुकान आया तो देखा

की दुकान के सामने का जो लाइट था वह निकला हुआ था। यह देख मेरे द्वारा बाजू के कमरों में देखा गया तो वहां जो २५ क्विंटल लवीना धान और ५ क्विंटल मोटा धान रखा गया था वह रात में किसी व्यक्ति के द्वारा चोरी कर लिया गया था। सुबह हमें इस बात की जानकारी लगी थी तो खैरलांजी थाने में हमने इसकी शिकायत की है। लगातार थाने के चक्कर लगाकर बात की जा रही है तो पुलिस अधिकारी जानकारी नहीं मिलने की बात बोल रहे हैं। मेरा कृषि केंद्र का काम है जहां खाद और दवा बेचता हूं टेमनी टोले में रहना होता है हमारा घर अंदर है रोड़ पर दुकान सहित सात कमरे की चाल है। तो यहीं पर हम अपनी उपज को रखते थे कि बेचने के लिए रोड़ से उठाने में कोई दिक्कत नहीं जाती है। उन कमरों में शटर नहीं था इस चोरी में करीब १ लाख रुपए की नुकसानी हुई है। पुलिस से यही मांग है कि वह जल्द चोरों को गिरफ्तार कर हमें हमारी धान वापस दिलवाये।

महाविद्यालय में दो दिवसीय बैडमिंटन खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एस एस पी महाविद्यालय में दो दिवसीय बॉल बैडमिंटन खेल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है । ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी इस वर्ष खेल कैलेंडर में एक नवीन खेल बालबैडमिंटन को जोड़ा गया है और महाविद्यालय के द्वारा इस खेल की संभाग स्तरीय अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के सभी महाविद्यालय आमंत्रित रहेंगे । इसी परिपेक्ष में महाविद्यालय की एक अच्छी टीम के निर्माण हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कैंप का आयोजन २७ दिसम्बर को किया गया। इस दौरान प्रभात सेठ अंतर्राष्ट्रीय बाल बैडमिंटन खिलाड़ी छत्तीसगढ़ , ओमप्रकाश ध्रुव ऑल इंडिया बॉल बैडमिंटन खिलाडी उपस्थित हुए है। महाविद्यालय के १००से अधिक खिलाड़ी इस प्रशिक्षण कैम्प मे हिस्सा ले रहे है। इस प्रशिक्षण कैंप के पश्चात महाविद्यालय स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन ३० दिसम्बर को किया जायेगा। चयनित खिलाड़ी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता एवं अखिल भारतीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिता हेतु किया जायेगा। इस प्रशिक्षण में उपस्थित होकर होकर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एस एस गेड़ाम ने बेहतर प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन हेतु सभी को प्रोत्साहित किया।

खनिज विभाग ने अवैध रेत उत्खनन पर की कार्यवाही

एक ट्रैक्टर ट्राली जप्त कर वारासिवनी थाने में किया खड़ा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जिला प्रशासन बालाघाट के निर्देश पर जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दिनांक 27 दिसंबर को तहसील मुख्यालय वारासिवनी के अंतर्गत चंदन नदी में रेत के अवैध खनन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर जब्त किया गया। उपसंचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि खनिज विभाग की टीम द्वारा की गई छापामार कार्रवाई के दौरान वारासिवनी चंदन नदी में रेत का अवैध उत्खनन करते हुए एक ट्रैक्टर पकड़ा गया है। मौके पर वाहन चालक अमित आमाडरे, पिता गनपत आमाडरे, निवासी ग्राम डोंगरगांव, थाना वारासिवनी को अवैध रूप से रेत उत्खनन करते हुए पाया गया। जब्त ट्रैक्टर को थाना वारासिवनी की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया है। मामले में संबंधित वाहन मालिक एवं चालक के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन गतिविधियों पर किसी भी स्तर पर सख्ती बरती जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

वारासिवनी पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय खनन शाखा के द्वारा २७ दिसंबर को औचक निरीक्षण कर रेत से भरी ट्रैक्टर ट्राली पर कार्यवाही की गई। जिसमें अवैध उत्खनन अधिनियम के तहत प्रकरण तैयार कर ट्रैक्टर ट्राली को जप्त कर वारासिवनी थाने में सुरक्षित खड़ा कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में चल रहे अवैध उत्खनन को रोकने के लिए जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय खनिज शाखा के द्वारा लगातार क्षेत्र में गश्ती की जा रही है। क्योंकि क्षेत्र की नदियों से मनमर्जी रूप से अंधाधुन अवैध उत्खनन कर रेत चोरी की जा रही है ,जिससे शासन को राजस्व का एक बड़ा नुकसान हो रहा है। इसी कड़ी में वारासिवनी क्षेत्र में भी अवैध उत्खनन की सुचना पर खनिज विभाग के द्वारा वारासिवनी थाना क्षेत्र में भ्रमण किया जा रहा था। जहां उन्हें नदी के अंदर एक ट्रैक्टर ट्राली खड़ी नजर आई जिसके द्वारा पावड़े घमेले से रेत खनन कर ट्रैक्टर ट्रॉली भरने का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान खनिज विभाग मौके पर पहुंचा जहां कार्य कर रहे लोग तो फरार हो गये। परंतु ट्रैक्टर ट्राली और ड्राइवर पकड़ में आए मौके पर ड्राइवर से पूछताछ की गई। जिसे अपना नाम अमित पिता गणपतलाल अमाड़ारे निवासी ग्राम डोंगरगांव उम्र २० वर्ष बताया गया। खनिज विभाग के द्वारा ड्राइवर से नदी में रेत का अवैध उत्खनन कर ट्रैक्टर ट्रॉली भरने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए जो मौके पर वह उपलब्ध नहीं करा पाया। जिस पर खनिज विभाग के अधिकारी निरीक्षक सुरेश कुलस्ते के द्वारा मौके पर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही करने के उपरांत स्वराज कंपनी के पुराने ट्रैक्टर ट्राली को रेत पावड़े घमेले सहित जप्त कर वारासिवनी थाने में लाया गया। जहां सुपुर्द नामा देकर सुरक्षित खड़ा करवा दिया गया। वहीं तैयार प्रकरण जिला कलेक्टर कार्यालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

डोंगरमाली विद्युत वितरण केंद्र में १० एम वी ए पावर ट्रांसफार्मर का विधायक के हस्ते हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सुधार के लिए ग्राम डोंगरमाली वितरण केंद्र में ५ एमवीए से बढ़ाकर १० एमवीए पावर ट्रांसफार्मर उर्जीकृत किया गया। पुराने कम क्षमता वाले ट्रांसफार्मर के ओवरलोड होने पर यह अपग्रेड राहत देता है और स्थिर बिजली सुनिश्चित करता है। ट्रांसफार्मर लगने के बाद डोंगरमाली के सैकड़ों गांवों को इसका लाभ मिलेगा । शुक्रवार को विधायक विवेक पटेल के द्वारा पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया गया। इस दौरान कार्यपालन अभियंता बी एल भैना,कार्यपालन अभियंता एसटीसी.एसटीएम बालाघाट चंद्रहास चंद्राकर, सहायक अभियंता राहुल तुरकर, शैलेश पटले,राजीव रंजन, कनिष्ठ अभियंता डोंगरमाली मनोज ठाकरे, जितेंद्र राणा, तेजराम नगपुरे, गोकुलप्रसाद गौतम,महादेव ठाकरे,मानिक भगत,अनिल उइके सहित विद्युत विभाग के कर्मचारीगण मौजूद रहे। विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि लगातार डोंगरमाली क्षेत्र से विद्युत आपूर्ति की समस्याएँ आ रही थीं। अब यह कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्रवासियों के द्वारा अत्यधिक खुशी व्यक्त की गई और यह समस्या अब हल हो गई है। भीषण गर्मी और बारिश के समय परेशान कई उपभोक्ताओं को अब विद्युत की अनियमित आपूर्ति की समस्या से निजात मिल जाएगी । यह एक विकास परियोजना है जो बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करती है और स्थानीय निवासियों के लिए जीवन को आसान बनाती है। आने वाले समय में किसान रबी की खेती करेगा जिन्हें सिंचाई के लिए बिजली की अत्यंत आवश्यकता होती है। लंबे समय से चली आ रही बिजली की समस्याओं से अब ग्रामीण क्षेत्रों को परेशान नहीं होना पड़ेगा। लो.वोल्टेज व बार बार बिजली कटौती की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के जिस वॉर्ड में जर्जर या झूलते हुए बिजली के तार होंगे उन्हें भी विभाग द्वारा बदला जा रहा है।

मालवीय और बाचपेयी का जन्म दिवस प्रकृति एवं संस्कारों के बीच मनाया गया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्ण सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक वातावरण में भारत के दो महापुरूषों पं.मदन मोहन मालवीय एवं अटल बिहारी बाजपेयी का जन्म दिवस भारत के महाराष्ट्र राज्य में स्थित भगवान श्रीराम की पावन धरा रामटेक में राम जानकी के दर्शन कर विश्व शांति की प्रार्थना करते हुए मनाया गया । जिसमें लगभग १५० सदस्यों ने भाग लिया जिसमें प्राकृतिक वन्य जीवों जैसे बदख सफेद मोर अजगर तथा रंगबिरंगे दुलर्भ प्रजाती के संरक्षित पंक्षियों के जीवन को समझा। भगवान राम और भगवान कृष्ण के सम्पूर्ण जीवन वृत्त १२ ज्योर्तिलिंगों के दर्शन सम्पूर्ण भारत में स्थित भगवानगणेश के प्रतिरूपों तथा बाबा बर्फानी के प्रतिरूपों का दर्शन लाभ रामधाम में विद्यालय के छात्र छात्राओं ने समझा और भारतीय परंपरा और संस्कारों को समझा। विलक्षण प्रतिभा जलपरी शो ने सभी प्रतिभागियों का मन मोह लिया वहीं दूसरी ओर विज्ञान के विभिन्न आश्चर्य जनक मॉडलों पर आधारित झलों का भी लुफ्त छात्र छात्राओं ने उठाया और आधुनिक विज्ञान को समझा जीरो ग्रेविटी बेलेंस जम्पिंग आदि । संस्कार भारती के छात्र छात्राओं के द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी संक्षिप्त आयोजन किया गया। पंचम हनवत ने जानकारी देते हुए कहा की इस प्रकार प्रत्येक वर्ष किसी ना किसी महापुरूष के जन्म दिवस पर प्रत्येक वर्ष इस प्रकार की गतिविधियों का संचालन करते रहते है। जिससे भारत की युवा पीढी को संस्कारों और देश के लिए किये गये कार्यों को याद किया जा सकें । इस अवसर पर विद्यार्थियों संस्कार भारती परिवार एवं पतंजलि योग परिवार के सदस्यों ने रामटेक मनसर स्थित लाइट हाउस राम.धाम में एडवेंचर गतिविधियों से परिपूर्ण आकर्षक अद्भुत एवं अनोखे वाटर पार्क का आनंद लेकर कीर्तिमान स्थापित किया। इस दौरान भेजेंद्र चौधरी,पंचम हनवत,हरिओम दुबे,राम चौहान, नीलेश नेमा, राजकुमार टेंभरे, अर्जुन आंबेकर, सुरेश चिमनानी, दुलीचंद कावडे, श्रीमती सुनीता हनवत, निर्मला चौधरी, योगेश कटारे, श्रीमती राखी कटारे, सुरेंद्र बिसेन, शेखर रूसिया, श्रीमती कुमुदिनी पवार, श्रीमती आशालता शेंडे, श्रीमती सरिता गुप्ता, अभिजीत ठाकुर, श्रीमती दीपिका उइके, श्रीमती सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में
केबल में कार्य हेतु
लड़कों की
आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेण्ड, वारासिवनी

जन शिक्षा केंद्र बुदबुदा में शैक्षिक संवाद आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विकासखंड वारासिवनी अंतर्गत जन शिक्षा केंद्र बुदबुदा में माह दिसंबर का शैक्षिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कक्षा ६ वीं से ८ वीं में अध्यापन कराने वाले शिक्षक शामिल हुए। दिसंबर माह के शैक्षिक संवाद का विषय पुनरावलोकन एवं समेकन था। संवाद की शुरुआत एंट्री रूटीन के तहत हुई जिसमें सहजकर्ता धन्नालाल बिसेन के द्वारा प्रतिभागी शिक्षकों से एक प्रश्न यदि आज आपका मूड एक मौसम होता तो वह कौन सा मौसम होता के जवाब से हुई। सहजकर्ता द्वारा शैक्षिक संवाद की शुरुआत करते हुए संवाद में उपस्थित प्रतिभागियों को १० सेकंड एक चित्र दिखाकर ड्राइंग करने हेतु निर्देशित किया गया। इस गतिविधि के माध्यम से पुनरावलोकन की आवश्यकता को समझा गया। इसके पश्चात शिक्षण योजना के घटकों को कोल्ड कॉलिंग के माध्यम से पुनरावलोकन किया गया। संवाद के अगले चरण में पिछले संवाद से सीख अंतर्गत प्रभावी गृहकार्य पर चर्चा करते हुए प्रतिभागियों से उनके कक्षागत अनुभवों को जाना गया। इसके पश्चात पुनरावलोकन एवं समेकन क्यों आवश्यक है और प्रभावी पुनरावलोकन एवं समेकन कैसे किया जाए इस विषय पर चर्चा कर सहजकर्ता द्वारा समेकन किया गया । संवाद के अंतिम सत्र में बेस्ट प्रेक्टिस पोस्ट वर्क पर चर्चा कर आज के संवाद पर फीडबैक लिया गया। संवाद में सहजकर्ता के रूप में जन शिक्षा केंद्र बुदबुदा के जन शिक्षक रोशनलाल नगपुरे ,शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी से माध्यमिक शिक्षक धन्नालाल बिसेन उपस्थित रहे। सहजकर्ता धन्नालाल बिसेन के द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए संवाद की सीख को कक्षा में लागू करने बेस्ट प्रेक्टिस ग्रुप में साझा करने हेतु प्रेरित किया गया। इस प्रकार जन शिक्षा केंद्र बुदबुदा में शैक्षिक संवाद कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

इंडिगो ने अकेले एक दिन में पूरे देश को घुटनों पर ला दिया। उसके पास घरेलू विमानन बाजार का करीब 65 प्रतिशत हिस्सा है, इसलिए पूरा एविएशन सेक्टर बैठ गया। जहाज जमीन पर थे, मगर हवाई किराये आसमान छूने लगे। इसी तरह अमेरिकी दूरसंचार क्षेत्र में एटीएंडटी का एकाधिकार था, जिसके टूटने के बाद न केवल कॉल दरें सस्ती हुई, बल्कि नवाचार को भी पंख मिले।

एक्सप्रेस खास -

एकाधिकार के जख्म

वर्ष 1994 में भारत ने एविएशन सेक्टर में सरकारी एकाधिकार खत्म किया था। फिर निजी एयरलाइंस आई। तब से आज तक कई एयरलाइंस आई, उड़ीं और डूबी, मगर इस दिसंबर जैसा हाल कभी नहीं हुआ। इंडिगों ने अकेले एक दिन में पूरे देश को घुटनों पर ला दिया। इंडिगो के पास घरेलू विमानन बाजार का करीब 65 प्रतिशत हिस्सा है, इसलिए पूरा एविएशन सेक्टर बैठ गया। जहाज जमीन पर थे, मगर हवाई किराये आसमान छूने लगे।

भारत ने पहली बार देखा और झेला कि एकाधिकार कितने निर्मम होते हैं। इंडिगो के प्रकरण से सरकार ने क्या समझा या सीखा, यह तो पता नहीं। मगर हम आपको ले चलते हैं एक ऐसे सफर पर, जहां दिखेगा कि बाजार में जब कोई एक कंपनी बला की ताकतवर हो जाती है, तो फिर जो संकट आता है, वह उस कंपनी का नहीं रहता-वह आम आदमी की जिंदगी को जकड़ लेता है। ऐसी हालत में सरकारों को क्या करना पड़ता है, इसे जानने के लिए, टाइम मशीन में पकड़िए अपनी सीट।

यह वर्ष 1872 है। टाइम मशीन पहुंच गई है क्लीवलैंड, ओहायो। सर्दी की हवा, बर्फीली सड़कें, घोड़ागाड़ियां और कच्चे तेल की तेज गंध तो आप भी महसूस कर रहे होंगे। उधर देखिए, शांत चेहरा, ठंडी आंखें और शानदार सूट पहने जो आदमी अपने ऑफिस से निकल रहा है, उसका नाम है जॉन डी रॉकफेलर, उम्र महज 32 साल। दो साल पहले उसने स्टैंडर्ड ऑयल कंपनी शुरू की थी। छोटा-सा प्लांट। वह अपने एक सहयोगी को बता रहा है कि कॉम्पिटिशन अराजकता लाता है, जबकि कंसोलिडेशन व्यवस्था। आगे आपको पता चलेगा कि रॉकफेलर ने ऐसा क्यों कहा है।

ओहायों के कारोबारी गलियारों से आ रही खबरों की सुनिए। रॉकफेलर ने रेल कंपनियों से गुप्त डील की है, उन्हें सीक्रेट छूट दी गई है। उसने कारोबार कब्जाने का एक अनोखा मॉडल बनाया है। स्टैंडर्ड ऑयल का तेल सस्ते में बाजार पहुंचता है, बाकी सब का महंगा। यदि तेल की दर 1.50 डॉलर प्रति बैरल है, स्टैंडर्ड को रेल कंपनी 0.50 डॉलर तक छूट देती, मानी उसे सिर्फ एक डॉलर देना पड़ता। लेकिन टाइम मशीन अतीत से सुनें वर्तमान की धड़कन हर पखवाड़े इडा टारबेल ने रॉकफेलर के एकाधिकार के बखिये खोल दिए हैं। मैकनर्स मैगजीन में 19 लेख छपे। फिर टारबेल की किताब आई, जो इतनी प्रभावशाली है कि इसे 20वीं सदी के टॉप 100 जर्नलिज्म लेखन में पांचवां स्थान मिला। पहली बार लोगों ने समझा कि दुनिया की सबसे दक्ष और सक्षम कंपनी स्टैंडर्ड ऑयल, दूसरों की गर्दन पर पैर रखकर इतनी बड़ी बनी थी.

असली खेल %ड्रॉबेक% में था जब कोई प्रतिद्वंद्वी

अपना तेल उसी रेल से भेजता, तो उसकी पूरी फ्रेट (1.50 डॉलर) में से 25-50 सेंट स्टैंडर्ड ऑयल को वापस मिल जाता। मतलब, प्रतिद्वंद्वी जितना ज्यादा तेल भेजता, स्टैंडर्ड को उतना ही मुफ्त पैसा। नतीजा यह कि रॉकफेलर के प्रतिस्पर्धियों का तेल महंगा होता गया है। कुछ ही महीनों में छोटी रिफाइनरी बिक गई या बंद हो गई। यह डील एक किस्म की रिश्वत है। देखते-देखते स्टैंडर्ड ऑयल का बाजार हिस्सा 90 फीसदी पर पहुंच गया है। यह बिजनेस नहीं, रणनीतिक कब्जा है। 1872 की शुरुआत में क्लीवलैंड में 26 रिफाइनरियां थीं। महज छह हफ्तों में 22 स्टैंडर्ड ऑयल की हो गई। इतिहास इसे क्लीवलैंड मैसाकर के नाम से दर्ज करेगा।

अब आगे बढ़ते हैं, मिलते हैं एक पत्रकार इडा टारबेल से। साल है 1900 का। उनके पिता भी छोटे तेल व्यापारी थे, जिनका कारोबार स्टैंडर्ड ऑयल ने डुबो दिया। वर्षों बाद टारबेल अब अपनी कलम से जवाब दे रही हैं। रॉकफेलर की स्टैंडर्ड ऑयल को लेकर टारवेल की खबरों से अमेरिका के उद्योग जगत में सनसनी फैल गई है। इडा ने 1900 से 1902 तक के हजारों दस्तावेज खंगाले और कई दस्तावेज पड़े। रॉकफेलर के पार्टनर हेनरी फ्लैगलर ने उसे इंटरव्यू दिया, यह सोचकर कि तारीफ लिखेगी। पर टारबेल ने लिखा कि स्टैंडर्ड ऑयल कॉम्पिटिशन नहीं, उद्योग का कैरेक्टर खत्म कर रही है। टारबेल का खुलासा बड़े मौके पर आया है। 19वीं सदी के मध्य से अमेरिका में रेलरोड्स और स्टील जैसे उद्योगों में विशाल एकाधिकार बनने लगे थे, जो कीमतें तय करते थे, छोटे कारोबारियों को कुचलते थे और आम आदमी की जेब पर बोझ डालते थे। इन विशाल कंपनियों या ट्रस्ट

जॉन डी रॉकफेला और स्टैंडई ऑयल कंपनी

को %रॉबर बैरंस% कहा जाने लगा है। दो जुलाई, 1890 को राष्ट्रपति बेंजामिन हैरिसन ने शर्मन एंटी ट्रस्ट एक्ट पर हस्ताक्षर किए। यह अमेरिका का पहला संघीय कानून है, जो एकाधिकार को अवैध घोषित करता है।

इडा टारबेल ने रॉकफेलर के एकाधिकार के बखिये खोल दिए हैं। मैक्लर्स मैगजीन में 19 लेख छपे। फिर टारबेल की किताब आई, जो इतनी प्रभावशाली है कि इसे 20वीं सदी के टॉप 100 जर्नलिज्म लेखन में पांचवां स्थान मिला। पहली बार लोगों ने समझा कि दुनिया की सबसे दक्ष और सक्षम कंपनी स्टैंडर्ड ऑयल, दरअसल दूसरों की गर्दन पर पैर रखकर इतनी बड़ी बनी थी। रॉकफेलर टारबेल को %पॉइजनस वुमन% कह रहे हैं, लेकिन टारबेल ने अमेरिका के इस सुपर रिच को अदालत पहुंचा दिया है। जनता चेहद गुस्से में है। 1906 में थियोडोर रूजवेल्ट की सरकार ने शर्मन एंटी ट्रस्ट एक्ट के तहत स्टैंडर्ड ऑयल पर मुकदमा दायर किया है। आरोप है-बाजार को जबरन कब्जाने के लिए रिश्वत, प्राइस व प्रतिद्वंद्वियों को कुचलना।

फिक्सिंग यह 15 मई, 1911 है। सुप्रीम कोर्ट ने 9-0 से फैसला दिया कि रॉकफेलर की स्टैंडर्ड ऑयल एक अवैध मोनोपॉली है। स्टैंडर्ड ऑयल को 34 अलग कंपनियों में तोड़ा गया। एक्जॉन, मोबिल, शेवरॉन कोनाको इसी से निकलीं। मगर आपको पता है कि मोनोपॉली टूटने से रॉकफेलर और ज्यादा अमीर हो जाएंगे।

टाइम मशीन आगे बढ़ती है। हम 1913 में हैं और अमेरिका में हैं। टेलीफोन का जमाना है। थियोडोर वेल ने एटीएंडटी की कमान संभालते ही सरकार से कहा है कि इतनी सारी टेलीकॉम कंपनियां किस काम की। यूनिफाइड सिस्टम जरूरी है। सरकार मान गई है। एटीएंडटी को कानूनी मोनोपॉली मिल गई है।

टाइम मशीन 1940 की तरफ बढ़ रही है। इस मोनोपॉली की शुरुआत अच्छी रही। 1920 से 1940 तक फोन गांवों तक पहुंचे, कनेक्शन तेज हुए। लेकिन अब अमेरिका को लग रहा है मोनोपॉली का पेट बड़ा होता जा रहा है, नवाचार की भूख छोटी। 70 साल बीत गए हैं, एक ही ब्लैक रोटरी फोन है। अमेरिकी लोगों को फोन भी एटीएंडटी की सब्सिडियरी वेस्टर्न इलेक्ट्रिक से खरीदना पड़ता है और वह भी महंगी कीमत पर। रॉकफेलर को तरह वेल ने भी %वन सिस्टम, बन पॉलिसी, यूनिवर्सल सर्विस% का नारा दिया।

टाइम मशीन 1980 के दशक में है। अमेरिका के अखबार एटीएंडटी पर एंटी ट्रस्ट कार्रवाई का इशारा कर रहे हैं। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट 1956 से ही एटीएंडटी की मोनोपॉली पर नजर रख रहा था। असली ट्रिगर 1974 में आया नया मुकदमा दायर हुआ। आरोप यह था कि एटीएंडटी ने नई कंपनियों को अपने नेटवर्क से ब्लॉक किया, उपकरणों की आपूर्ति रोकी और कॉम्पिटिशन को खत्म कर दिया। मुकदमे की कमान जज हैरॉल्ड ग्रीन को मिली है। सुनवाई आठ साल चली। एटीएंडटी को तोड़ने का आदेश हो गया। यह एक जनवरी, 1984 की आधी रात है। दुनिया की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी टूट रही है। एटीएंडटी से %बेबी बेल्स% बेल अटलांटिक, साउथवेस्टर्न बेल, नैनेक्स जैसी सात कंपनियां बनीं। एक झटके में 143 अरब डॉलर की मोनोपॉली खत्म।

अब शुरू हो रहा है इतिहास का सबसे तेज तकनीकी विकास। कॉल्स सस्ती हो जाएंगी। फैक्स पॉपुलर होंगे। मोडेम आएंगे। घर-घर इंटरनेट कंपनियां जन्मेंगी। सिस्को, स्प्रिंट, एमसीआई जैसी कंपनियां बढ़ेंगी। फिर आ जाएंगे मोबाइल फोन। मानो 70 साल की मोनोपॉली ने इनोवेशन को कैद रखा था, जो अब आजाद होने वाली है।

टाइम मशीन मुंबई के हवाई अड्डे पर उतर रही है। मोनोपॉली हमेशा यह कहती है कि मैं जरूरी हूं। इतिहास हमेशा यह जवाब देता है कि एकाधिकार कभी जरूरी नहीं होता, प्रतिस्पर्धा जरूरी होती है। सनद रहे कि मोनोपॉली खुद नहीं टूटती, उसे तोड़ना पड़ता है। भारतीय एविएशन पर इंडिगो के एकाधिकार से देश सकते में है। क्या भारतीय नियामकों को पर्याप्त नसीहत मिल गई है या वक्त फिर खुद को दोहराएगा किसी और क्षेत्र में?

फिर मिलते हैं अगले सफर पर...

अंशुमान तिवारी,वरिष्ठ फाकार

इस बार मां को याद करते हुए

मां के निधन के बाद मुझे फिर से यह अहसास हुआ कि पढ़ाना और खासकर स्कूलों में, शायद सबसे सम्मानजनक पेशा है। शिक्षक जिस तरह अपने आप को दूसरों में बांटते और साझा करते हैं, वह अन्य पेशों में नहीं देखा जाता।

इस कॉलम में मैं अपने परिवार के बारे में लिखने से बचता हूं, लेकिन मुझे लिखना पड़ रहा है। इसकी वजह यह है कि पिछले सप्ताह मेरी मां का देहांत हो गया। पिता का निधन 12 वर्ष पहले हुआ था। हालांकि मेरे अभिभावक प्रसिद्ध नहीं रहे, लेकिन वे एक आदर्श माता-पिता जरूर थे। इसके अलावा भी कुछ अन्य बातें हैं, जिनकी वजह से उन्हें याद रखा जा सकता है।

मेरे माता-पिता उस पीढ़ी से थे, जो देशभक्ति के दावों की जगह शांति के साथ काम करने में विश्वास करते थे। मैं उनकी जिन बातों के बारे में लिख रहा हूं, उनमें पाठक अपने परिचितों, माता-पिता, चाचा-चाची, शिक्षक या डॉक्टर की झलक देख सकते हैं। वह शालीनता और नैतिक सदाचार की कसौटी पर खरे उतरते थे, जिसका आजकल अभाव दिखाई पड़ता है।

मेरे पिता सुब्रमण्यम रामदास गुहा का जन्म 1924 में ऊटकमंड नामक एक पहाड़ी नगर में हुआ था। 23 साल बाद वह विशालाक्षी नारायणमूर्ति नाम की एक युवती से मिले और उन्हें प्यार हो गया। उस वक्त वह भारतीय विज्ञान संस्थान में पीएचडी कर रहे थे। उनके सहपाठी महान भौतिक विज्ञानी जीएन रामचंद्रन थे। विदेश में पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप उन्हें मिल सकती थी, लेकिन उन्होंने अपने दिल की सुनी और वह विशालाक्षी के पिता के साथ देहरादून के फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआई) में नौकरी कर ली। तीन साल बाद 1948 में उन्होंने मेरी मां से विवाह कर लिया। रिटायर होने तक उन्होंने वहीं काम किया। पिता सार्वजनिक सेवा करने वाले परिवार से आते थे। भाई वायुसेना में और बहन सेना की नर्सिंग सेवा में थीं। उनके एक चाचा और एक बहनोई भी उनकी तरह वैज्ञानिक थे, जो अपना शोध जनहित को ध्यान में रखकर करते थे। पिता %भारत सरकार% शब्द का प्रयोग गहरे सम्मान के साथ करते थे। उनका मानना था कि राज्य की संपत्ति का कभी भी, किसी भी परिस्थिति में निजी उपयोग नहीं करना चाहिए। वह सरकारी गाड़ी के उपयोग को गलत मानते थे और रोज साइकिल से लैब आते-जाते थे।

सरकारी नौकरी के प्रति समर्पित होने के अलावा मेरे माता-पिता सामाजिक बुराई और पूर्वाग्रहों के खिलाफ रहे। उनके समय में एफआरआई के वैज्ञानिकों में ब्राह्मणों का प्रभुत्व होता था। वैज्ञानिकों के पुत्र अपने वंश पर गर्व किया करते। उनके पिता और वे हर साल अपना जनेऊ बदलते थे, लेकिन मेरे पिता ने उच्च जाति का प्रतीक माने जाने वाले पवित्र धागे को पहनने से मना कर दिया और कभी मुझसे भी पहनने को नहीं कहा। पिता का जाति की मानसिकता को बढ़ावा न देने का मां और पिताजी के साथ की एक पुरानी तस्वीर कारण उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि रही। उनके पिता के भाई आर गोपालस्वामी अय्यर (1878-1943) एक अग्रणी सामाजिक सुधारक थे। उन्होंने मैसूर राज्य में अछूतों की मुक्ति के आंदोलन का नेतृत्व किया था। जब पिता बंगलूरू के चामराजपेट इलाके में अपने संयुक्त परिवार के साथ रहते थे, तो वह देखते थे कि उनके चाचा सुबह-सुबह साइकिल पर सवार होकर बंगलूरू शहर और उसके आसपास दलित बच्चों के उन छात्रावासों का दौरा करते, जिन्हें वह चलाते थे।

मां परंपरावादी ब्राह्मण परिवार से थीं, लेकिन मद्रास और दिल्ली में पढ़ाई तथा देहरादून के एक विद्यालय में अध्यापिका की नौकरी के दौरान उन्होंने किसी का मूल्यांकन उसकी आय और सामाजिक हैसियत के आधार पर नहीं किया। मेरे पिता खुशमिजाज थे। उनके 30 पीएचडी छात्रों में से एक का नाम वीएन मुखर्जी था। जिस दिन आगरा विश्वविद्यालय से यह सूचना मिली कि वीएन मुखर्जी ने वाइवा पास कर लिया है, तो पिता ने

उन्हें अगले दिन काम पर जाने से पहले सुबह घर आने को कहा। मुखर्जी ने जब घर की घंटी बजाई तो मैं और मेरी बहन वाणी (उस वक्त 10 और 12 वर्ष के थे) ने दरवाजा खोला। पिता के निर्देशानुसार हमने उनका स्वागत %गुड मॉर्निंग, डॉ. मुखर्जी!% कहकर किया, जबकि पिछली शाम तक वह बस %मिस्टर मुखर्जी% थे। उनका चेहरा आनंद और उल्लास से चमक गया।

टीचर होने की वजह से मां ने पिता की तुलना में अधिक लोगों के जीवन को छुआ। दो दशकों से अधिक समय तक उन्होंने देहरादून छावनी स्थित %कैम्ब्रियन हॉल% नामक स्कूल में हिंदी, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र और भूगोल पढ़ाया। वह अपने विद्यार्थियों के साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करती थीं। उनके छात्र उन्हें प्यार करते और मैट्रिक करने के सालों बाद भी शिक्षक दिवस पर दिन भर

फोन आते। उम्र का अर्द्धशतक पूरा कर चुके कई पूर्व छात्र उनसे मिलने आते और अपनी %गुहा मैम% के लिए फूलों का गुलदस्ता लाते।

2001 में मैं श्रीलंका की यात्रा पर गया था। मेरी मुलाकात भारत उच्चायोग में प्रतिनियुक्ति पर तैनात एक पुलिस अधिकारी से हुई। मेरे बारे में जानने के बाद उन्होंने कहा, 卐मैं गुहा मैम का पसंदीदा छात्र था।卐

करीब 15 साल पहले मैं दिल्ली के एक रेस्त्रां में एक संपादक के साथ खाना खा रहा था। वेटर ने एक कागज दिया और कहा, दूसरी मेज पर बैठे युवक ने दिया है। संपादक ने टोका, %यह आपके किसी प्रशंसक का होगा%। नोट में लिखा था कि उस युवक की मां, जो पुणे में रहती हैं, को उनकी मां ने पढ़ाया था। वे उन्हें सम्मान के साथ याद करती हैं।

मां के निधन के बाद मुझे फिर से यह अहसास हुआ कि पढ़ाना और खासकर स्कूलों में, शायद सबसे सम्मानजनक पेशा है। शिक्षक जिस तरह अपने आपको दूसरों में बांटते और साझा करते हैं, वह अन्य पेशों में नहीं देखा जाता। मां को रिटायर हुए 41 साल हो गए थे। मुझे बहुत सारे संदेश मिल रहे हैं, जिनको मां ने पढ़ाया था और वह आगे चलकर सफल अध्यापक, अभिनेता, सैन्य अधिकारी, लड़ाकू पायलट, लेखक, डॉक्टर और कॉरपोरेट अधिकारी बने।

मेरे पिता का निधन 25 दिसंबर, 2012 को, 88 वर्ष की आयु में हुआ था। अंतिम दिनों में उन्हें अस्पताल लेकर जो दो पड़ोसी गए थे, उनका नाम अब्बास और राधाकृष्णन था। उनके बाद मां बारी-बारी से मेरी बहन और मेरे साथ रहने लगीं। बुजुर्ग अवस्था में वे परिवार, मित्रों और पूर्व छात्रों के साथ रहकर खुश थीं। देहरादून में उनकी दो सहकर्मी थीं, जिनकी सलाह उनके लिए अहमियत रखती थी, वे डेजी बटलर व्हाइट और निगहत रहमान थीं। बंगलूरू आवास के दौरान उनके प्रिय मित्रों में से एक दंपति लईक और जफर फुतहेली थे।

मेरा जन्म कई विशेष अधिकारों के साथ हुआ। हिंदू के रूप में, एक ब्राह्मण के रूप में, ऐसी संस्कृति में जो जातिगत भावना से ग्रस्त है, एक पुरुष के रूप में, ऐसे समाज में जिसे पितृसत्ता ने गहराई से जकड़ रखा है और एक अंग्रेजी में निपुण व्यक्ति के रूप में, ऐसे देश में जहां, यह भाषा अनेक द्वार खोलती है। इन सुविधाओं ने मेरे जीवन की यात्रा को कहीं अधिक आसान बना दिया। फिर भी, मेरे माता-पिता की मिसाल ने मुझे यह समझने में मदद की कि अधिकांश अन्य भारतीय कितने कम विशेषाधिकारों के साथ जीवन जीते हैं। अपने माता-पिता के जीवन को मुड़कर देखता हूं तो मुझे साफ नजर आता है कि उन्होंने कैसे शांति, बिना दिखावे और भेदभाव के जीवन जीया।

- लेखक जाने-माने इतिहासकार हैं।

रामचंद्र गुहा

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर माँग के बीच शनिवार को किराना बाजार में खसखस सुस्त नज़र आयी। शक्कर व नारियल में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बना रहा। दलहनों में व्यापार सामान्य रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार कैलेंडर वर्ष की समाप्ति के मद्देनजर शनिवार को किराना सहित प्रमुख बाजारों में ग्राहकी ठहरी-ठहरी नज़र आयी। खसखस में कमजोर उठाव से बाजार नरमी के नज़र आये। शक्कर व नारियल में कमोवेश टिकाव रहा। खाद्य तेलों में भी बाजार बने रहे। दलहनों में चना 5750-5800 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 3950-4030, खोपरा गोला 320-370, खोपरा बूरा 4100-6500 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 1000-1300, क्लीन 1400-1650, दालचीनी 220-240, जायफल 815-870, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1675-2150, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 700-750, बेस्ट 780-800, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2750-2900, मीडियम 2950-3150, बेस्ट 3200-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3400-3500, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 565-585, काजू (240) 925-960, काजू (320) 850-860, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2250-2300, (160) 2250-2300, (200) 2300-2350, (250) 2500-2550

तेल- सींगदाना 1550-1570, मुम्बई 1580, राजकोट तेलिया 2460, सोया साल्वेंट 1190-1200, सोया रिफाइंड 1250-1260, कपास्या 1200-1210, धूलिया 1220, कड़ी 1220,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1525-1530, मुम्बई पाम 1245-1250, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2075, देवास-उज्जैन 2075, खंडवा-बुरहानपुर 2050, अकोला 3250 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4600-4650, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5550-5600, डंकी चना 5000 से 5200, विशाल 5600-5625, काबूली डॉलर 8200-8500, मसूर बेस्ट 5650-5700, एवरेज 5400-5500, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6700-6900, एवरेज 6400-6500, हल्की 6200-6300, तुअर महाराष्ट्र 6900-7000, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर।एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में कीमतें रिकार्ड स्तर को छू गयी। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 250000, चॉंदी (99) 249000, टंच 248500, सिक्का 2500, सोना 10 ग्राम 142000,

एसआईपी निवेश 2025 में पहली बार 3 लाख करोड़ के पार

मुंबई।एजेंसी। साल 2025 में म्युचुअल फंड योजनाओं के तहत सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश ने पहली बार किसी ?वित्तीय वर्ष में 3 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार किया। नवंबर 2025 तक निवेशकों ने एसआईपी के जरिए कुल 3.04 लाख करोड़ निवेश किए, जबकि साल 2024 में यह राशि 2.69 लाख करोड़ थी। साल 2025 में एक्टिव इक्विटी योजनाओं में एसआईपी निवेश 2.3 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा, जो पिछले साल से 3 फीसदी ज्यादा है। कुल एसआईपी निवेश में 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी योजनाओं का था। एसआईपी का कुल निवेश में योगदान 37 फीसदी रहा, जो 2024 में 27 फीसदी था।

कमजोर धारणा के बीच शेयर बाजार ने दिखाए मिश्रित संकेत

मुंबई।एजेंसी। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव भरे कारोबारी सत्र का सामना किया। क्रिसमस (25 दिसंबर) के अवसर पर बाजार बंद रहने के कारण सप्ताह में केवल चार दिन का कारोबार हुआ। विशेषज्ञों ने कहा कि विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दबाव और घरेलू सकारात्मक संकेतों की कमी के चलते बाजार में कमजोरी देखने को मिली। कम ट्रेडिंग वॉल्यूम और अनिश्चित बाजार धारणा ने निवेशकों की सतर्कता बढ़ा दी। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को आशावादी रुख के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 482.7 अंक बढ़कर 85,412.06 पर पहुंच गया, वहीं एनएसई निफ्टी 160.2 अंक बढ़कर 26,126.60 पर कारोबार कर रहा था। दिन के अंत तक सेंसेक्स 638.12 अंक की बढ़त के साथ 85,567.48 पर बंद हुआ और निफ्टी 206 अंक बढ़कर 26,172.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार में हल्की गिरावट और मुनाफावसूली देखने को मिली। सेंसेक्स 42.64 अंक की गिरावट के साथ 85,524.84 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी मामूली बढ़त के साथ 26,177.15 पर बंद हुआ। आईटी और फार्मा शेयरों में बिकवाली और मिले-जुले

वैश्विक संकेत अस्थिरता के मुख्य कारण रहे। बुधवार को वैश्विक सकारात्मक रुझानों और घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी के बावजूद बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 116.14 अंक गिरकर 85,408.70 और निफ्टी 35.05 अंक गिरकर 26,142.10 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 183.42 अंक गिरकर 85,225.28 और निफ्टी 46.45 अंक गिरकर 26,095.65 पर पहुंच गया। अंत में सेंसेक्स 367.25 अंक की गिरावट के साथ 85,041.45 और निफ्टी 99.80 अंक गिरकर 26,042.30 पर बंद हुआ। जानकारों ने कहा ?कि बाजार विदेशी बिकवाली और घरेलू कमजोरी के दबाव में कमजोर रहा।

नीदरलैंड्स में टाटा स्टील पर 13,000 करोड़ का मुकदमा

- कंपनी ने आरोपों को बिल्कुल निराधार बताया

नई दिल्ली।एजेंसी। नीदरलैंड्स की संस्था एसएफडब्ल्यू ने टाटा स्टील की दो डच सहायक कंपनियों के खिलाफ 1.6 अरब डॉलर (करीब 13,000 करोड़ रुपये) का मुकदमा दायर किया है। एनजीओ का दावा है कि कंपनी के यहां स्थापित प्लांट से निकलने वाले जहरीले और हानिकारक उत्सर्जन ने आसपास रहने वाले लोगों की सेहत पर गंभीर असर डाला है। इसके साथ ही प्रदूषण की वजह

से वहां की प्रॉपर्टी की कीमतें भी अन्य क्षेत्रों की तुलना में कम हो गई हैं। कंपनी ने आरोपों को बिल्कुल निराधार बताया है। टाटा स्टील का कहना है कि एनजीओ ने अपने दावों के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया। कंपनी ने कहा कि उनके पास मजबूत कानूनी आधार हैं और वह इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ने को तैयार है। टाटा स्टील ने ग्रीन स्टील प्लान के तहत उत्सर्जन कम करने के लिए निवेश किया है। इस साल, डच सरकार के सहयोग से डीकार्बोनाइजेशन और स्वास्थ्य से जुड़े 7 अरब डॉलर के प्रोजेक्ट की भी शुरुआत की गई है। कंपनी का दावा है कि वह सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर पर्यावरणीय सुधारों पर काम कर रही है।

18 एफटीए के बावजूद भारत के निर्यात की रफ्तार सुस्त

- नए समझौतों से ज़्यादा मौजूदा एफटीए से ठोस लाभ पर फोकस की जरूरत

नई दिल्ली।एजेंसी। भारत ने अब तक एक के बाद एक 18 मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन इसके बावजूद देश के निर्यात में अपेक्षित तेजी देखने को नहीं मिल रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को अब नए एफटीए करने के बजाय मौजूदा समझौतों से वास्तविक और ठोस निर्यात लाभ सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में भारत का कुल निर्यात 825 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था। वहीं वित्त वर्ष 2026 में इसके करीब 850 अरब डॉलर तक ही रहने का अनुमान है। यह बढ़त अपेक्षा से कम है, जिसका एक बड़ा कारण अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ और कमजोर वैश्विक मांग को माना जा रहा है। कमजोर अंतरराष्ट्रीय मांग और बढ़ते संरक्षणवादी कदमों के चलते माल निर्यात में बड़ी छलांग की उम्मीद नहीं है। हालांकि, सेवा क्षेत्र का निर्यात 400 अरब डॉलर से अधिक रहने की संभावना है, जो भारत के समग्र व्यापार प्रदर्शन को सहारा दे सकता है। अमेरिका भारत के लिए सबसे बड़ा दबाव बनकर उभरा है। मई से नवंबर 2025 के बीच 50 प्रतिशत तक के टैरिफ के चलते भारत का अमेरिका को निर्यात लगभग 21 प्रतिशत घट गया। इसके अलावा रूस से तेल खरीद को लेकर लगाए गए अतिरिक्त दंडात्मक टैरिफ से स्थिति और बिगड़ सकती है। वहीं यूरोपीय संघ 1 जनवरी 2026 से कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म लागू करने जा रहा है, जिसके कारण भारत के इस्पात निर्यात में पहले ही 24 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। इन चुनौतियों के बावजूद, अमेरिका के अलावा अन्य वैश्विक बाजारों में भारत के निर्यात में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

मेष- आज का दिन आपके लिए थोड़ा कमजोर रहने वाला है। परिवार में सदस्यों में मनमुटाव की स्थिति उत्पन्न हो, तो आपको थोड़ा समझदारी दिखाने की आवश्यकता है। धन को लेकर आप किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। प्रॉपर्टी को लेकर यदि कोई डील अटकी हुई थी, तो उसे आप फाइनल करने की कोशिश करेंगे, लेकिन माता जी की सेहत में गिरावट आ सकती हैं। आप अपनी महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने में समय बिताएंगे।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए धन के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको यदि किसी काम की उम्मीद थी, तो उसमें भी आपको धन की प्राप्ति हो सकती है। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे, लेकिन आप अपने किसी कानूनी मामले को लेकर लापरवाही ना करें, नहीं तो इससे आपकी बाद में मुश्किल बढ़ सकती हैं। बिजनेस में यदि कुछ उतार-चढ़ाव चल रहे थे, तो वह भी आपको बेहतर लाभ देंगे।

मिथुन- आज आपका दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको लोगों को पहचान कर चलने की आवश्यकता है, क्योंकि आपके कुछ गलत लोगों से दोस्ती हो सकती है, जो आपकी राह में रोड़ा अटकाने का काम करेंगे। आपको किसी विपरीत परिस्थिति में आपको धैर्य बनाए रखें। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों पर भरोसा सोच समझकर चलना होगा। एक साथ कई काम हाथ चलने की आवश्यकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए अप्रत्याशित लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। कार्यक्षेत्र में आप किसी से कोई ऐसी बात ना बोले, जो कि उन्हें बुरी लगे, नहीं तो आपको अपने बॉस से डांट खानी पड़ सकती हैं। बिजनेस में आपकी रूकी हुई योजनाएं आपको बेहतर लाभ देगी। विद्यार्थी किसी परीक्षा की तैयारी में पूरी मेहनत से जुटेंगे, जिससे उसमें उन्हें सफलता अवश्य मिलेगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए कुछ नये संपर्कों से लाभ लेकर आने वाला है। आपको भागदौड़ में पड़ने से बचना होगा। आपने यदि किसी काम को लेकर लापरवाही दिखायी दे, जिससे आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जीवनसाथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। भाई व बहनों को आपको बुरा सपोर्ट मिलेगा और आप किसी नए काम की शुरुआत करने की भी योजना बना सकते हैं। किसी राजनीतिक आयोजन में आपको सम्मिलित होने का मौका मिलेगा और कार्यक्षेत्र में आपको कोई जिम्मेदारी भरा काम मिल सकता है।

कन्या- आज आपके दिन की शुरुआत कमजोर रहेगी। आप अपने अधूरे पड़े कामों को समय से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आपकी काम को लेकर अपने बॉस से कहासुनी होने की संभावना है। आपको अपने किसी पुराने लिए गए निर्णय को लेकर पछतावा हो सकता है। यदि आपकी कोई दांतों से संबंधित समस्या है, तो उसके लिए आप डॉक्टर से परामर्श ले सकते हैं।

तुला- आज आपको अपने कामों में आलस्य को दूर करके आगे बढ़ने की आवश्यकता है। परोपकार के कार्यों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपकी किसी बात को लेकर पिताजी नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए नुकसानदायक रहने वाला है। आपको अपनी जीवनसाथी से कोई बातों को इग्नोर करने से बचना होगा। आपका कोई वाद-विवाद खडा हो सकता है। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाने की कोशिश करेंगे। मित्रों के साथ आप किसी पार्टी यादव करने की योजना बना सकते हैं, लेकिन आप किसी काम के समय से पूरा न होने के कारण आपको कोई नुकसान हो सकता है। आपको वाहन सावधानी से चलाने होंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी कोई लेनदेन से संबंधित कोई समस्या थी, तो वह भी दूर होगी। आपको अपनी काम को लेकर कार्यक्षेत्र में अपने जूनियर्स की मदद लेनी पड़ सकती है।

मकर- आज आपको बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने होंगे। आपको खर्चों के साथ-साथ बचत पर भी बड़ा ध्यान देना होगा। परोपकार के कार्यों में आप बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे और आपके घर किसी मेहमान का आगमन हो सकता है। आप अपनी जीवन साथी से चल रहे वाद विवाद को भी दूर करने के पूरी कोशिश करेंगे। परिवार में आनंदमय में समय व्यतीत होगा।

कुंभ- आज का दिन की शुरुआत थोड़ी कमजोर रहेगी, क्योंकि आपको काम को लेकर कुछ मुश्किले आएंगी। आप कहीं बाहर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं, लेकिन आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण आप किसी काम में बिना सोचे समझे हाथ न बढ़ाएंगे, जिससे आपको किसी नुकसान के साथ-साथ अपमान भी सहना पड़ सकता है।

मीन- आज आपको अपनी सेहत के प्रति लापरवाही करने से बचना होगा और परिवार में पैतृक संपत्ति को लेकर यदि कुछ वाद विवाद चल रहा था, तो वह भी दूर होंगे। यदि आप परिवार में किसी सदस्य से कोई वादा करें, तो उसे समय रहते पूरा करने की कोशिश करें। राजनीति में कार्यरत लोगों को कुछ बड़े नेताओं से मिलने का मौका मिलेगा, जिससे आपकी छवि और निखरेगी और आप अपने घर किसी पूजा पाठ का आयोजन भी कर सकते हैं।

शब्दजाल - 8123

शब्दजाल में दस सफल अभिनेत्रियों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

जी	न	त	अ	मा	न	र	तू	ग	झ	डिं
ज	प्री	ल	म	आ	ज	या	भा	दु	ड़ी	प
अं	ती	नु	दि	ल	दा	ल	व	र	ला	ल
ज	जिं	का	जो	ल	ला	क	ही	रि	श	क
स	व	श	दे	रा	खी	स	दा	ग	वी	पा
री	रं	ल	चु	व	लि	र्त	र	ती	प	ड़ि
रा	गा	ल	के	गा	प	म	ह	कौ	या	या
नी	बा	रे	खा	त	क	छ	मा	ग	श	थ
मु	स	मि	न	व	न	ज	न	शा	जू	द
ख	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
र्जी	ऐ	श्व	र्या	रा	य	य	या	दु	र	क

जीनत अमान, वहीदा रहमान, रेखा, जया भादुड़ी, राखी, प्रीती जिंटा, रानी मुखर्जी, काजोल, डिंपल कपाड़िया, ऐश्वर्या राय

शब्दजाल - 8122 का हल

दि	हु	मे	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न	वि
ली	ख	शा	ह	रु	ख	खा	न	या	ड़	नो
प	पी	अ	हे	र	ग	बा	द	ह	प	द
कु	ग	ए	ज	जा	बा	बू	ल	ह	लि	ख
मा	र	रा	जा	य	ह	ला	कि	यो	रि	न्ना
र	इ	वि	मो	ग	दे	वा	शी	स	ति	श
न	रा	ल	रा	व	म	व	न	ल	क	क्ति
क	र	ज	र	य	र	ह	ग	मा	रो	रे
र	या	बा	कु	आ	मि	र	खा	न	श	ड्डी
र	ग	ल	न	मा	व	शि	का	री	न	ल
रा	जें	द्र	कु	मा	र	ले	स	सु	रा	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7067

1		2		3	■	4		5	
	■		■	6	7		■		■
8			9	■	10		11		12
	■	■	13		■	■		■	
■	14	15		■	16	17		■	
18	■		■	19			■	20	■
21			■		■	22		■	23
	■	24	25	■	26		■	27	
■	28	■	29			■	30	■	
31				■	32				33

बायें से दायें:-

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7066

क्या	क	ह	ना	■	जं	ग	■	मि	■
■	सू	■	श	जा	जी	■	हे	ल	न
अ	र	बा	ज	■	र	ह	मा	न	■
भि	■	गी	■	अ	■	व	■	■	चा
मा	ला	■	दे	व	■	स	सु	श	ल
न	■	डॉ	■	ता	ल	■	हा	■	बा
■	जा	न	व	र	■	र	ग	बा	ज
दि	ल	■	र	■	गैं	ग	■	जी	■
ल	■	अं	दा	ज	■	■	सं	ग	म
गी	त	■	न	■	कां	टे	■	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	धनु में	मकर	07.56 बजे से
चंद्र	मीन में	कुंभ	09.42 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	11.15 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मेष	12.45 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	14.25 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.24 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.37 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.53 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	23.05 बजे से
		तुला	01.16 बजे से
		वृश्चिक	03.31 ब.से
		धनु	05.47 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 362 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** अष्टमी 12.00 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 08.44 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 10.14 बजे को समाप्त। **करण** बव 12.00 बजे तदनन्तर बालव 23.11 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 07.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 17' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872572 **जूलियन दिन** 2461037.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रज्जब **तारीख** 07 **विशेष** मासिक दुर्गाष्टमी, शाकम्भरी उत्सवारम्भ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः मनुष्य की पहचान

एक दिन पंडित ताराचरण शास्त्रार्थ करने के लिए स्वामी दयानंद के पास पहुंचे। उस समय दयानंद जमीन पर एक आसन पर बैठकर कुछ लिख रहे थे। उन्होंने ताराचरण को अपने पास के एक आसन पर बैठने को कहा। ताराचरण विद्वान थे किंतु उन्हें इस बात का बेहद अभिमान था। वह स्वामी दयानंद को अपने से निम्न मानते थे। स्वामी दयानंद ने जब उन्हें जमीन पर रखे आसन पर बैठने को कहा, तो उन्होंने इसे अपना अपमान समझा। उन्हें लगा कि वह तो सर्वश्रेष्ठ हैं इसलिए उन्हें हर लिहाज से स्वामी दयानंद से ऊंचा आसन मिलना चाहिए। वह भला नीचे के आसन पर बैठ कर अपना स्तर कम कैसे कर सकते हैं? वह खड़े रहे। स्वामी दयानंद पंडित ताराचरण के मनोभाव को समझ गए। उन्होंने कहा, 'पंडित जी, मात्र ऊंचे आसन पर बैठने से कोई महान नहीं होता। यदि ऐसा होता तो सामने ऊंचे वृक्ष पर बैठा कौवा सबसे अधिक पूज्य व महान होता।' संयोगवश उस समय सामने के वृक्ष पर एक कौवा बैठा भी हुआ था। कौवे की ओर इशारा करके स्वामी दयानंद फिर बोले, 'महानता तो त्याग, परोपकार, विनम्रता जैसे गुणों से तय होती है। व्यक्ति गुणों से महान समझा जाता है उच्च स्थान पर बैठने से नहीं। यदि हमारे अंदर गुण हैं तो हम नीचे बैठने पर भी उतने ही विद्वान रहेंगे और यदि हमारे अंदर बुराइयां हैं तो हम उच्च स्थान पर बैठकर भी बुरे समझे जाएंगे।' स्वामी दयानंद की यह बात सुनकर पंडित ताराचरण लज्जित हो गए और उनके बगल वाले आसन पर बैठ गए।

सूडोकु नवताल- 7376

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7375 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 8591

■	1	2		■	■	3	■	4
5	■		■	6			■	
7					■	8	9	
■	■		■	10	11	■		■
12	13		14	■	15	16		
■		■	17	18	■		■	■
19		20	■	21				22
	■	23			■		■	
	■		■	■	24			■

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली -8590 का हल

■	बे	बा	रा	■	जी	व	न	■
कि	ला	■	ई	■	न	■	भ	ला
ता	■	क	स	र	त	■	■	य
ब	द	ला	■	थ	■	ह	ल	क
■	■	का	बु	■	म	नु	■	■
म	का	र	■	रा	■	मा	म	ला
ही	■	■	अ	न	ब	न	■	न
ना	ग	■	द	■	हा	■	भा	त
■	म	ल	ना	■	व	च	न	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

शिव ही सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का मूल आधार हैं

बोलेगांव में बह रही श्री शिव महापुराण कथा की गंगा

पद्मेश न्यूज। लांजी।

क्षेत्र के ग्राम बोलेगाँव में श्री शिव महापुराण आयोजन समिति, बोलेगाँव के तत्वावधान में 24 दिसंबर से 1 जनवरी तक भव्य एवं दिव्य श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया। इस पावन धार्मिक आयोजन में परम पूज्य रश्मि मिश्रा, श्री धाम वृंदावन (उत्तर प्रदेश) के मुखारविंद से श्री शिव महापुराण कथा वाचन किया जा रहा है। कथा के दौरान रश्मि मिश्रा जी ने अपने ओजस्वी, सरल एवं भावपूर्ण प्रवचनों के माध्यम से भगवान शिव की महिमा, सृष्टि की उत्पत्ति, शिव-पार्वती विवाह, भक्तों पर शिव कृपा तथा शिव तत्व के रहस्यों का अत्यंत मार्मिक वर्णन किया। कथा श्रवण हेतु ग्राम बोले सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन उपस्थित रहे। पूरा कथा पंडाल 卐हर-हर महादेव卐 के जयघोष से भक्तिमय बना रहा। आयोजन समिति द्वारा कथा स्थल को भव्य रूप से सजाया गया था। प्रतिदिन रुद्राभिषेक, आरती, भजन-कीर्तन एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बैठने, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाएँ उत्कृष्ट रहीं। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। सभी ने श्री शिव महापुराण आयोजन समिति, बोलेगाँव के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र में धार्मिक चेतना एवं सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने वाला आयोजन बताया। कथा के दौरान रश्मि मिश्रा जी ने अपनी श्रीवाणी से बताया कि भगवान शिव अनादि, अनंत और अविनाशी हैं, जो सृष्टि के सृजन, पालन और संहार के मूल आधार हैं। उन्होंने शिवलिंग की उत्पत्ति की कथा सुनाते हुए कहा कि ब्रह्मा और विष्णु के मध्य श्रेष्ठता के विवाद को समाप्त करने के लिए शिव स्वयं ज्योतिर्लिंग रूप में प्रकट हुए, जिससे यह संदेश मिलता है कि अहंकार त्याग कर सत्य की उपासना ही श्रेष्ठ मार्ग है। कथा में शिव-पार्वती विवाह का भावपूर्ण प्रसंग आज सुनाया जाएगा , जिसमें बताया गया कि माता पार्वती की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें अर्धांगिनी रूप में स्वीकार किया। यह कथा नारी शक्ति, तप, त्याग और श्रद्धा का प्रतीक है। इसके साथ ही समुद्र मंथन की कथा का वर्णन करते हुए कथा वाचक ने बताया कि सृष्टि की रक्षा हेतु भगवान शिव ने विषपान कर नीलकंठ स्वरूप धारण किया। यह प्रसंग त्याग, करुणा और लोक कल्याण की भावना को दर्शाता है। कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण को शिवमय कर दिया। कथा के दौरान भक्तों पर शिव कृपा से जुड़ी अनेक प्रेरक कथाएँ भी सुनाई गईं, जिनमें यह संदेश दिया गया कि भोलेनाथ सच्ची श्रद्धा से शीघ्र प्रसन्न होने वाले हैं और अपने भक्तों के कष्ट अवश्य हरते हैं। कथा समापन के पाश्चात् भजन कीर्तन मे जमकर भक्त गण झूमते भक्ति के आंनद मे लीन नज़र आए। रोजना भव्य आरती के बाद प्रसाद वितरण समिति के द्वारा किया जाता है साथ ही आगंतुकों का स्वागत सत्कार भी मंच से समिति के द्वारा श्रद्धा भाव के साथ किया जा रहा है।

विद्याभारती बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर आवासीय विद्यालय कारंजा में छात्रावास भवन का किया भूमिपूजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। विद्याभारती बाल भाऊ देवरस सरस्वती शिशु मंदिर आवासीय विद्यालय कारंजा में छात्र-छात्राओं की सुविधा एवं शैक्षणिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रस्तावित छात्रावास भवन का विधिवत भूमिपूजन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत कारंजा की सरपंच श्रीमती स्नेहा बागड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह की अध्यक्षता लालाराम नंदनवार ने की जबकि बालाघाट से पधारे राजेश श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहे। इसके अतिरिक्त परिषद के मनोनीत सदस्य श्यामराव राखड़े एवं रामेश्वर मटाले की विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस भूमिपूजन अवसर पर अतिथियों द्वारा छात्रावास भवन के निर्माण को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि छात्रावास की सुविधा उपलब्ध होने से दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को सुरक्षित, अनुशासित एवं संस्कारयुक्त वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर परिषद द्वारा मनोनीत सदस्य रामेश्वर मटाले के सौजन्य से छात्रावास भवन हेतु 40 सीएफएल चार्जिंग बल्ब विद्यालय को प्रदान किए गए, जिसके लिए विद्यालय परिवार द्वारा उनका आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में प्रदीप नंदनवार, धनीराम साऊकर,

ठेकेदार राजेश्वर आगासे सहित विद्यालय के आचार्य परिवार एवं बड़ी संख्या में भैया-बहनें उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से इस नव निर्माण कार्य की सफलता एवं शीघ्र पूर्णता की कामना की। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने मंचासीन अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। शांति मंत्र के पाठ के साथ कार्यक्रम का विधिवत समापन किया गया।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस आज

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास और लोकतांत्रिक परंपराओं को समर्पित कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस आज 28 दिसंबर 2025 को लांजी में उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी, बहेला एवं किरनापुर के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन सिद्धेश्वर मंगल भवन भिलाई रोड़ लांजी में दोपहर 2ः00 बजे से किया गया है। स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में कांग्रेस पार्टी के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम में पार्टी के योगदान तथा देश के विकास में उसकी भूमिका पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं द्वारा संबोधन दिया जाएगा, वहीं कांग्रेस की विचारधारा, संगठनात्मक मजबूती और आगामी रणनीतियों पर भी चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करने के उद्देश्य से संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी, बहेला एवं किरनापुर द्वारा समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कांग्रेस समर्थकों से इस ऐतिहासिक अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

भागवत फुण्डे का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम अवारीटोला कारंजा निवासी पूर्व

जनपद सदस्य भागवत पिता बलीराम फुण्डे का 65 वर्ष की आयु में 27 दिसम्बर को शाम लगभग 4 बजे बिमारी के चलते निधन हो गया। आप अपने पीछे 1 पुत्र व 3 पुत्री का भरा पुरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो गए। इनका अंतिम संस्कार आज 28 दिसंबर को स्थानीय मोक्षधाम अवारीटोला कारंजा में सुबह 11 बजे सामाजिक रिती रिवाज से किया जाएगा। इनके निधन पर समाज के पदाधिकारियों, परिजनों, नाते रिश्तेदारों इष्ट मित्रों ने शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिवार को दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

वार्ड 3 में वर्षों पुरानी जल समस्या के समाधान के लिए पार्षद पूनम आसटकर ने दिखाई संवेदनशीलता

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड क्रमांक 3 में बीते कई वर्षों से गंभीर जल संकट बना हुआ था। वर्षों पूर्व पंचायत कार्यकाल में नल-जल योजना के अंतर्गत बिछाई गई पाइपलाइन ज़मीनी स्तर से काफी नीचे होने के कारण नलों तक पानी नहीं पहुँच पा रहा था, जिससे वार्डवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पानी की इस समस्या को दूर करने के लिए प्रशासन एवं स्थानीय स्तर पर कई उपाय और अस्थायी समाधान अपनाए गए, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हो सका। आखिरकार वार्ड की जनसमस्या को समझते हुए वार्ड पार्षद पुनम शरद आसटकर ने एक सराहनीय और संवेदनशील पहल की। उन्होंने अपने निजी निवास में लगे पानी के बोर से पाइपलाइन कनेक्शन करवाकर वार्डवासियों को पानी उपलब्ध कराना शुरू किया। इस प्रयास से लंबे समय से परेशान नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। वार्डवासियों ने पार्षद के इस मानवीय कदम की प्रशंसा करते हुए कहा कि जब सभी प्रयास विफल हो गए, तब एक जनप्रतिनिधि द्वारा निजी संसाधनों से समस्या का समाधान करना जनसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल न केवल जल संकट से राहत दे रही है, बल्कि जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही और संवेदनशीलता को भी दर्शाती है।

चिचटोला में 29 से तीन दिवसीय ओपन कबड्डी प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम चिचटोला में रूद्दी मामा चौक मंड़ई मेला समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी तीन दिवसीय ओपन कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता पुरुष एवं महिला दोनों वर्गों में होगी और 29 दिसंबर से 31 दिसंबर 2025 तक मरार माली समाज भवन प्रांगण (बालाघाट रोड, चिचटोला) में संपन्न होगी। प्रतियोगिता में क्षेत्रीय टीमों के साथ-साथ आसपास के जिलों की टीमें भी भाग लेंगी। आयोजन प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शुरू होगा। समिति द्वारा दर्शकों, खेल प्रेमियों एवं खिलाड़ियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। समिति द्वारा प्रतियोगिता में आकर्षक इनाम भी रखा गया है जिसमें -पुरुष वर्ग- प्रथम पुरस्कार 11,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 7,000 रुपये। महिला वर्ग-प्रथम पुरस्कार 11,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 7,000 रुपये प्रदान किया जाएगा।

मुख्य एवं विशेष अतिथियों की उपस्थिति

प्रतियोगिता के उद्घाटन एवं समापन में मुख्य अतिथि के रूप में लांजी-किरनापुर विधायक राजकुमार कर्राहे, विजय वारे एवं अशोक शुक्ला (राष्ट्रीय संरक्षक) उपस्थित रहेंगे। वहीं विशेष अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी धनश्याम वानखेड़े (लांजी) शिरकत करेंगे।

आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य समिति के अध्यक्ष पवन कश्यप, उपाध्यक्ष हरिराम कलपुरे, कोषाध्यक्ष बेनीराम ढोक तथा कोच अरुणेन्द्र दुरूगकर के नेतृत्व में सन्नी कश्यप, सुभाष चन्ने, योगेश सिल्हारे, निखिल सिल्हारे, गौरव मानकर, सुनील दहीकर, अश्विनी कश्यप, घनश्याम नारनौरे, राजा नागेश्वर, रामकिशोर नागेश्वर, विजय वराड़े, लक्ष्मण रणदिवे, अन्तु नारनौरे, शंकर कलपुरे, गौलू नागेश्वर, अनेक नागेश्वर, आरव सोलंकी, दिनेश बावनकर, राहुल दौने, राहुल बिसेन, सुमित गोयल सहित सभी सदस्य आयोजन को सफल बनाने में जी-जान से जुटे हैं।

31 दिसंबर को मंडई मेला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रतियोगिता के अंतिम दिन 31 दिसंबर 2025 को दिन-रात मंडाई मेला आयोजित होगा। साथ ही रात्रि 10 बजे से छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। मंडाई मेला समिति ने क्षेत्र के सभी खेल प्रेमियों, ग्रामीणों एवं दर्शकों से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और आयोजन को यादगार बनाएं।

सांदीपनि विद्यालय बोलगांव में धूमधाम से मनाया गया सृजन कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम बोलगांव स्थित सांदीपनि शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में 24 दिसम्बर 2025 को वार्षिक सृजन कार्यक्रम का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय की परंपरा के अनुसार हर वर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें छात्र-छात्राओं की रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहन दिया जाता है। कार्यक्रम में कक्षा पहली से आठवीं तक के छात्र-छात्राओं ने अपनी कल्पनाशक्ति के अनुसार विभिन्न आकर्षक मॉडल, चित्रकला, मूर्तिकला तथा नवीन बाल वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किए गए मॉडल प्रस्तुत किए। इन रचनाओं ने दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों की इन प्रतिभाओं को देखने के लिए बड़ी संख्या में अभिभावक

उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य बी.आर. गुरदे तथा समस्त शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहे। साथ ही ग्राम की उपसरपंच श्रीमती चित्रलेखा कालबेले एवं ग्राम के अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता एवं नवाचार को बढ़ावा देना था, जो पूर्णतः सफल रहा। विद्यालय प्रशासन ने सभी प्रतिभागी छात्रों एवं सहयोग करने वाले अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान द्वितीय चरण अंतर्गत उप संचालक डॉ पुरी ने कार्यों का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत 27 दिसंबर 2025 को उपसंचालक पशुपालन विभाग डॉ. एन. डी. पुरी द्वारा विकासखंड लांजी एवं किरनापुर के ग्राम लाडसा, सावरी, हिर्री एवं वारा में किए गए कार्यों का स्थल निरीक्षण एवं सत्यापन किया गया। निरीक्षण के दौरान उपसंचालक द्वारा अभियान अंतर्गत पशुपालकों को दी जा रही सेवाओं, पशु स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण, दुग्ध उत्पादन वृद्धि से संबंधित गतिविधियों तथा विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित

अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देश दिए कि अभियान का लाभ प्रत्येक पात्र पशुपालक तक पहुंचे तथा कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। डॉ. पुरी ने कहा कि दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों की आय में वृद्धि करना एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना है। इसके लिए क्षेत्र में सतत निगरानी, नियमित भ्रमण एवं जागरूकता गतिविधियों का संचालन आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय पशुपालक उपस्थित रहे।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

जनवरी के दूसरे पखवाड़े होगा मंत्रिमंडल विस्तार

- मोहन कैबिनेट से कुछ मंत्रियों की होगी छुट्टी, 2 साल के कार्यकाल की परफॉर्मेंस रिपोर्ट बनेगी आधार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की कैबिनेट का खरमास बाद यानी जनवरी के दूसरे पखवाड़े में विस्तार होगा। मंत्रिमंडल से तीन से चार मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है। बताया जा रहा है कि दो साल के कार्यकाल की परफॉर्मेंस रिपोर्ट, आधार बनेगी। खराब परफॉर्मेंस वाले मंत्रियों को हटाकर नए चेहरों को मौका दिया जाएगा। वरिष्ठ विधायकों की भी मंत्रिमंडल में एंट्री हो सकती हैं। माना जा रहा है कि मंत्रिमंडल में 8 विधायक मंत्री पर की शपथ ले सकते हैं। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की समीक्षा बैठक में परफॉर्मेंस रिपोर्ट सामने आई है। सूत्रों के हवाले से मंत्रियों के कामकाज का लेखा-जोखा सामने आया है। कुछ को अच्छे नंबर मिले है तो कुछ कमजोर निकले है। कमजोर परफॉर्मेंस वाले मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन फिर से कामकाज की समीक्षा होगी। आपको बता दें कि अगले साल यानी 2026 में मोहन कैबिनेट का विस्तार होना है।

गौरतलब है कि मौजूदा समय में मुख्यमंत्री सहित 31 सदस्य डॉ. मोहन यादव मंत्रिमण्डल का हिस्सा है, विधानसभा में सदस्यों की संख्या के अनुपात में राज्य में सीएम सहित 35 मंत्री हो सकते है। ऐसे में 4 पद पहले से ही खाली है, जबकि 4 मौजूदा मंत्रियों से इस्तीफे लिए जा सकते है। इनमें से दो राज्यमंत्री तो इतने ही कैबिनेट या स्वतंत्र प्रभार के मंत्री हो सकते है। सूत्रों का यह भी कहना है कि मुख्यमंत्री अपने पास से कुछ विभागों को दूसरे मंत्रियों को देने के साथ ही विभागों में भी परिवर्तन कर सकते है। दरअसल सीएम अगले तीन साल तक पूरी तरह से मध्यप्रदेश को विकसित बनाने के मिशन पर और तेजी से काम करेंगे। इसके लिए वे मंत्रियों से भी उम्मीद करेंगे कि जिस मेहनत के साथ सीएम अपने संकल्पों को पूरा करने और मध्यप्रदेश के विकास को गति देने का काम कर रहे है, उसी तरह मंत्रियों को भी काम करना होगा।

15 जनवरी के पहले तैयार हो जाएगा अंतिम निर्णय

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले दिनों भोपाल और खजुराहो में मंत्रियों के विभागों की समीक्षा की है। इसके आधार पर मंत्रियों की रैटिंग तय की गई है। जिसे केन्द्रीय नेतृत्व के पास भेजा गया है। सूत्रों की मानें तो इस पर कई चक्रों में मंथन किया जाएगा और उस पर 15 जनवरी के पहले अंतिम निर्णय भी हो जाएगा। कहा जा रहा है कि केंद्रीय नेतृत्व ने भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर नितिन नवीन की नियुक्ति करने के बाद कुछ राज्यों में संगठन और सरकार स्तर पर बड़े फैसले होने का संकेत दिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि भाजपा संगठन की राष्ट्रीय स्तर की टीम में मध्यप्रदेश के कई वरिष्ठ नेताओं को प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है। इनमें कुछ नेता ऐसे भी हो सकते हैं, जो वर्तमान समय में प्रदेश सरकार में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इन नेताओं से मंत्री पद लेकर उन्हें संगठन में राष्ट्रीय महासचिव जैसी बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। जानकारों का कहना है कि परफार्मेंस के आधार पर यदि विधायकों से मंत्री पद लिया जाएगा, तो मंत्री भी ऐसे विधायकों को बनाया जाएगा, जिनका दो साल का परफार्मेंस अपने क्षेत्र में बेहतर रहा है और जिनके द्वारा केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का अपने क्षेत्र में बेहतर ढंग से क्रियान्वयन कराया है।

सीएम के पास विधायकों की परफार्मेंस से जुड़ी सूची

सूत्रों की माने तो सीएम डॉ. मोहन यादव के पास भाजपा विधायकों की परफार्मेंस से जुड़ी सूची भी है, जिसके आधार पर ही डॉ. यादव अपने मंत्रिपरिषद के नए सदस्यों के बारे में फैसला ले सकते है। चर्चा है कि जब भी फेरबदल होगा, तब 6 से 8 विधायकों को सीएम मंत्री पद की शपथ दिलवा सकते हैं। इनमें कुछ वरिष्ठ विधायक भी हो सकते है। साथ ही निर्णय लेते वक्त जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर भी गौर किया जाएगा। इधर मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद के संभावित फेरबदल के बाद नए सिरे से मंत्रियों को जिलों के प्रभार सौंपेगे। इसमें इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कुछ वरिष्ठ मंत्रियों को छोडक़र किसी भी मंत्री को दो जिलों का प्रभार नहीं दिया जाए। साथ ही जिन मंत्रियों को दो जिलों का प्रभार सौंपा जाएगा, उनकी दूरी मंत्रियों के गृह क्षेत्र से ज्यादा नहीं रहेगी। भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति से जुड़े सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सलाह पर ही केन्द्रीय नेतृत्व मंत्रिपरिषद में बदलाव करेगी। इसमें सबसे बड़ा मापदंड मंत्रियों की परफार्मेंस रहेगा। जिन्होंने दो साल में औसत से भी कम काम किया है या जिनकी वजह से सरकार और संगठन की किरकिरी हुई है, उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाना लगभग तय है, क्योंकि पार्टी अगले तीन साल तक ऐसे लोगों से बिल्कुल दूर रहना चाहती है, जिनकी कार्यशैली, गतिविधियां या दूसरे कारणों से पार्टी की छवि धूमिल हो रही है।

व्यापमं महाघोटाला

- पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के आरोपी का 5 साल की जेल

- अपनी जगह दूसरे को भेजा था परीक्षा देने, सॉल्वर अभी तक फरार

भोपाल। व्यापमं महाघोटाले में साल 2016 की पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में अपनी जगह दूसरे आरोपी परीक्षा दिलाने वाले आरोपी आरोपी सुनील कुमार को विशेष न्यायाधीश (व्यापमं प्रकरण) प्रवीण पटेल की कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद 5 साल की जेल की सजा सहित 4 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। आरोपी सुनील ने अपनी जगह पर सह आरोपी अर्जुन को पुलिस परीक्षा में भेजा था। सुनील ने फर्जी आधार कार्ड तैयार किया था, प्रकरण में सॉल्वर अर्जुन फरार चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना 6 अगस्त 2016 की निशातपुरा थाना इलाके की है।

आरपीएफ में रिटायर्ड असिस्टेंट कमांडर ने थाने में शिकायत करते हुए बताया था, कि वो ट्रूबा कॉलेज करोंद में सेंटर इंचार्ज का काम देख रहे थे। यहां व्यापमं की ओर से आयोजित पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 2016 चल रही थी। आगरा उत्तर प्रदेश का रहने वाला सुनील भी परीक्षा देने पहुंचा था। उसने अपना रजिस्ट्रेशन खुद करवाया। इसके बाद उसे लैब नंबर 3 में सीट नंबर 116 दी गई। इसके बाद आरोपी सुनील बहाना करके गेट के बाहर चला गया और अपनी जगह अर्जुन को परीक्षा देने अंदर भेजा। जब अर्जुन अंदर जाने लगा तो गार्ड ने उसे रोक लिया। एडमिट कार्ड और आधार कार्ड की फोटो अलग अलग होने से अर्जुन को परीक्षा केंद्र के अधीक्षक के पास लेकर जाया गया। जहॉं उसके फर्जी तरीके से परीक्षा में शामिल होने का खुलासा हुआ। अर्जुन ने पुलिस पूछताछ में बताया था कि सुनील ने परीक्षा केंद्र में जाकर अपना एडमिट कार्ड चेक कराकर रजिस्ट्रेशन कराया। बाद में बाहर आया और उसे अपनी जगह परीक्षा देने एडमिट कार्ड देकर अंदर भेजा। सुनील ने अपने आधार कार्ड पर उसकी फोटो स्कैन कर फर्जी आधार कार्ड तैयार कर पहचान के लिए दिया था।

हाई कोर्ट में अगले साल सेवानिवृत्त होंगे पांच जज

भोपाल। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर और खंडपीठ इंदौर व ग्वालियर में वर्तमान में कुल 42 जज पदस्थ हैं। चूंकि न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत पद 53 हैं, अत: न्यायाधीशों के रिक्त पदों की संख्या 11 हो गई है। 2025 में एक साथ 11 जजों की नियुक्ति और दूसरे हाई कोर्ट से स्थानांतरित होकर आए जजों की वजह से जजों की कुल संख्या 44 हो गई थी, इस तरह महज नौ पद रिक्त रह गए थे। लिहाजा, उम्मीद जाग गई थी कि शीघ्र ही शेष रिक्त पद भी भर लिए जाने से शत-प्रतिशत न्यायाधीशों की उपलब्धता सुनिश्चित हो जाएगी। किंतु ऐसा नहीं हुआ। अब स्थिति इसलिए भी चुनौतीपूर्ण हो गई है, क्योंकि 2026 में पांच हाई कोर्ट जज सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं।

ऐसे में जजों की कुल संख्या 42 से घटकर 37 और रिक्त पद बढक़र 16 हो जाएंगे। ऐसे में यह आवश्यक हो गया है कि हाई कोर्ट कालेजियम द्वारा भेजे गए नामों पर अपेक्षाकृत शीघ्रता से स्वीकृति की मुहर लगे। साथ ही उच्च न्यायिक सेवा के पदोन्नति योग्य जजों के हाई कोर्ट जज बनने का पथ प्रशस्त किया जाए। एमपी स्टेट बार काउंसिल के चेयरमैन राधेलाल गुप्ता ने चिंता जाहिर करते हुए बताया कि वे पूर्व में कई बार हाई कोर्ट जजों के सभी रिक्त पद भरे जाने की मांग उठा चुके हैं। इसे लेकर भारत के प्रधान न्यायाधीश व विधि मंत्रालय को पत्र भी भेज चुके हैं। यही नहीं जजों के कुल स्वीकृत पद बढ़ाए जाने की आवश्यकता भी रेखांकित की जा चुकी है। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता संजय वर्मा ने बताया कि 2013 में हाई कोर्ट में जजों के कुल स्वीकृत पद बढ़ाकर 53 किए गए थे। उसके बाद से अब तक लंबा समय बीत गया, किंतु जजों के कुल स्वीकृत पद 53 से अधिक नहीं हुए। एमपी स्टेट बार के वाइस चेयरमैन आरके सिंह सेनी ने कहा कि लंबित मुकदमों के पहाड़ को देखते हुए ऐसा लगता है कि यदि हाई कोर्ट में कुल जज 70 से कम रहे तो सभी प्रकरण निराकृत करने में 50 वर्ष लग जाएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि यदि एक जज एक माह में 275 प्रकरण भी निराकृत करेगा, तब भी वह पांच वर्ष में महज 470 ही प्रकरण अधिक से अधिक निराकृत कर पाएगा।

पूर्व सीजे के प्रस्ताव पर भी गंभीरता से हो विचार

हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत ने हाई कोर्ट बार की ओर से न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत पद 53 से बढ़ाकर 85 किए जाने की मांग के जवाब में अवगत कराया था कि वह स्वयं केंद्र व राज्य शासन को 32 पदों की अभिवृद्धि का प्रस्ताव भेज चुके हैं। इस तरह साफ है कि यदि 53 वर्तमान स्वीकृत पदों में 32 का और इजाफा परिलक्षित हो जाए और सभी पद भर लिए जाएं, तो लंबित मुकदमों को कम करने में सुविधा होगी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में चार लाख 82 हजार 627 केस लंबित हैं। इसमें 2,86,172 मामले सिविल और 1,96,455 क्रिमिनल के हैं। कुल क्रिमिनल मामलों में शून्य से 10 साल पुराने 1,34,524 केस, 11 से 25 साल पुराने 59,424 केस और 25 साल से भी ज्यादा पुराने केसों की संख्या 2,507 हैं।

प्रशिक्षण केंद्र अलॉट...ट्रेनिंग में नहीं पहुंचे चयनित आरक्षक

- 500 चयनित आरक्षकों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी

भोपाल। एक तरफ प्रदेश में सरकारी नौकरियों के लिए युवा रात-दिन एक किए हुए हैं, वहीं दूसरी तरफ पुलिस आरक्षक भर्ती में चयनित करीब 500 आरक्षक प्रशिक्षण केंद्र अलॉट होने के बाद भी ट्रेनिंग के लिए नहीं पहुंचे हैं। पुलिस महकमा इन गायब हुए नव आरक्षकों की जानकारी जुटा रहा है और इन्हें रिमाइंडर भी भेज चुका है। इसके बाद भी इन चयनित आरक्षकों में से किसी ने भी न तो कोई जवाब दिया है और न ही ट्रेनिंग से नदारद होने की कोई वजह बताई है। यह घटना एक गंभीर अनुशासनात्मक मुद्दा है। सूत्रों का कहना है कि अब ऐसे आरक्षकों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

गौरतलब है कि पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 2023 में सिलेक्शन के बाद प्रदेश की अलग-अलग यूनिट में 4000 से अधिक आरक्षकों ने अपनी आमद दी थी। नियम के अनुसार इन सभी चयनित अभ्यर्थियों को नौ माह के प्रशिक्षण के लिए पुलिस ट्रेनिंग स्कूल में भेजा जाना था। इन सभी को प्रशिक्षण केंद्र भी अलॉट कर दिए गए थे, लेकिन इसके बाद भी लगभग 500 अभ्यर्थी ट्रेनिंग से नदारद हैं। फिलहाल प्रदेश के 8 पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में आरक्षक भर्ती परीक्षा 2023 के जरिए चयनित केवल 3498 कैंडिडेट ही ट्रेनिंग ले रहे हैं। चयन के बाद पीटीसी इंदौर में 996, पीटीएस सागर में 305, पीटीएस तिगरा में 554, पीटीएस उमरिया में 232, पीटीएस रीवा में 472, पीटीएस पचमढ़ी में 207, पीटीएस उज्जैन में 206 और पीटीएस भौंरी में 526 यानी कुल 3498 आरक्षक ट्रेनिंग ले रहे हैं।

शुरू में एक हजार ने नहीं दी ज्वाइनिंग

प्रदेश की पुलिस ने आरक्षकों के 7500 पदों की भर्ती के लिए 2023 में विज्ञापन जारी किया था। इसके बाद लिखित परीक्षा और चयन प्रक्रिया पूरा होने पर मार्च 2025 में इनके सिलेक्शन की लिस्ट जारी की गई। आरक्षण के नियमों के अनुसार व्यापमं द्वारा ली गई परीक्षा के बाद 7411 सफल आवेदकों की लिस्ट जारी की गई। इनमें से 87 फीसदी लगभग 6000 के नाम सूची में रखे गए जबकि 13 फीसदी पद ओबीसी आरक्षण को लेकर कोर्ट में लंबित मामले के कारण रिजर्व रखे गए। इसके बाद लगभग 5000 आवेदकों को नियुक्ति पत्र जारी कर दिए गए थे। इस दौरान एक हजार ऐसे आवेदक थे जिन्होंने ज्वाइनिंग ही नहीं दी, जबकि 4000 ने सफल उम्मीदवारों ने आवंटित की गई यूनिटों में आमद दे दी। इन चयनित अभ्यर्थियों को आमद के बाद फिटनेस और मेडिकल की औपचारिकताओं को पूरा कर 9 माह के प्रशिक्षण के लिए पुलिस के ट्रेनिंग स्कूलों में जाना था। इसके लिए 4000 कैंडिडेट को छह माह पहले ही ट्रेनिंग सेंटर आवंटित करने के आदेश हो गए थे। इसके बाद भी प्रशिक्षण केंद्रों में लगभग 500 चयनित अभ्यर्थी पहुंचे ही नहीं। पीएचक्यू की प्रशिक्षण शाखा से मिली जानकारी के मुताबिक इस समय केवल 3498 नव-आरक्षकों की ट्रेनिंग चल रही है। इस मामले को लेकर जहां प्रशिक्षण शाखा के अनुसार जो भी सफल उम्मीदवार ट्रेनिंग के लिए आए उनका प्रशिक्षण जारी है और ट्रेनिंग में नहीं आने वाले कैंडिडेट के संबंध में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। इधर, चयन एवं भर्ती शाखा के अफसरों ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है।

पकड़ाया था फर्जीवाड़ा

गौरतलब है कि इसी साल पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा 2023 में फिंगरप्रिंट क्लोनिंग और बायोमेट्रिक क्लोन के जरिए फर्जीवाड़ा भी पकड़ में आया था। पुलिस ने इस संबंध में 20 से अधिक एफआईआर दर्ज कर लगभग 32 से अधिक आरोपियों को हिरासत में लिया था। जालसाजों ने असली उम्मीदवार की जगह डमी कैंडिडेट (सॉल्वर) बैठाने के लिए उनके फिंगरप्रिंट का सिलिकॉन क्लोन तैयार किया था। इसके अलावा इस फर्जीवाड़े से जुड़े गिरोहों में आधार कार्ड की डेमोग्राफिक अपडेट सुविधा का दुरुपयोग कर असली उम्मीदवार के आधार कार्ड में सॉल्वर की फोटो अपडेट करवाई थी। बाद में ऐसे संदिग्ध उम्मीदवारों की सूची बनाई गई और उनके फिजिकल टेस्ट के दौरान गहराई से जांच शुरू की गई। बाद में उजागर हुआ कि ग्वालियर, भिंड और मुरैना में ऐसे गिरोहों को दबोचा जो 5 से 10 लाख रुपये लेकर आधार कार्डच और बायोमेट्रिक में हेरफेर कर सॉल्वर बैठाने का काम कर रहे थे। इसे इस खुलासे का भी असर माना जा सकता है कि सिलेक्ट हुए 6000 कैंडिडेट्स में से एक हजार तो यूनिटों में आमद देने ही नहीं पहुंचे थे।

24 लाख बच्चे देंगे इस बार 5वीं और 8वीं बोर्ड परीक्षा

- 20 फरवरी से शुरू होगी, तो कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 7 फरवरी से, माध्यमिक शिक्षा मंडल ने शुरू की परीक्षाओं की तैयारी

भोपाल। परीक्षाओं का सीजन आ गया है। फरवरी-मार्च में अधिकांश परीक्षाएं संचालित की जाएंगी। इस बार माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कक्षा 5वीं और 8वीं बोर्ड की परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू की जा रही हैं, जिनमें लगभग 24 लाख बच्चे शामिल होंगे। परीक्षा दोपहर की शिफ्ट में 2 बजे से शुरू होगी। पहला पेपर हिंदी का रहेगा। 60 अंकों के प्रश्न-पत्र रहेंगे। वहीं दूसरी तरफ कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं भी 3856 केंद्रों पर 7 फरवरी से शुरू हो रही हैं, जिसमें 488 केंद्र संवेदनशील और अतिसंवेदनशील घोषित किए गए हैं। यानी विगत वर्षों में इन केंद्रों पर नकलपट्टी पाई गई, जिसके चलते इन्हें संवेदनशील माना गया है।

इन केंद्रों पर जैमर के साथ सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। परीक्षा केंद्र स्कूल से 3 किलोमीटर के दायरे में रखे गए हैं और एक केंद्र पर 250 विद्यार्थी रहेंगे। 60 अंकों की परीक्षा में 33 अंक, यानी 20 अंक पास होने के लिए लाना होंगे और साहित्यिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, खेलकूद पर भी ग्रेडिंग की जाएगी। स्कूलों को ग्रेड व अंक 15 फरवरी तक ऑनलाइन राज्य शिक्षा केंद्र को भेजना होंगे। कक्षा 5वीं की परीक्षा के लिए अतिरिक्त भाषा वैकल्पिक रखी गई है और इसके अंकों को वार्षिक परिणामों में नहीं जोड़ा जाएगा। सभी परीक्षाओं में इस बार नकल रोकने की व्यवस्था की गई है और नकल करते पाए जाने पर परीक्षा निरस्त की जाएगी। परीक्षा के दिन ही जनशिक्षा केंद्र से 45 मिनट पहले केंद्राध्यक्ष की उपस्थिति में सभी केंद्रों पर प्रश्न-पत्र वितरित किए जाएंगे और परीक्षा समाप्त होने के बाद सभी केंद्रों से कॉपियों को जनशिक्षा केंद्र पर जमा कराना पड़ेगा। निजी स्कूलों के साथ कुछ मदरसों को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है। राज्य शिक्षा केंद्र ने इन परीक्षाओं के मद्देनजर दिशा-निर्देशों के तहत समय-सारिणी भी जारी कर दी है। दोनों परीक्षाओं में सरकारी और निजी स्कूलों के लगभग 24 लाख बच्चे शामिल होंगे। विशेष परिस्थितियों में जिला पंचायत सीईओ की अनुमति से परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाई जा सकेगी और इसके लिए राज्य शिक्षा केंद्र को सूचित करना पड़ेगा। राज्य और जिला स्तर पर भी कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे, जहां पर परीक्षाओं से संबंधित शिकायत दर्ज करने से लेकर सभी प्रक्रिया पूरी होगी। अनुत्तीर्ण छात्रों को उसी कक्षा में रोके जाने की डिटेंशन पॉलिसी भी लागू रहेगी। वहीं दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के तहत निःशक्त छात्रों को अतिरिक्त समय के साथ-साथ उत्तर पुस्तिकाओं को लिखने के लिए लेखक की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। 8वीं की परीक्षा 20 फरवरी से शुरू होकर 28 फरवरी तक रहेगी और दोपहर 2 से साढ़े 4 बजे तक समय रहेगा। 20 फरवरी को हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी का पेपर होगा और 21 फरवरी को गणित अथवा दृष्टिबाधितों के लिए संगीत की परीक्षा होगी, तो 23 फरवरी को द्वितीय भाषा अंग्रेजी और हिंदी तथा 25 फरवरी को विज्ञान, 26 फरवरी को तृतीय भाषा संस्कृत, हिंदी, उर्दू, मराठी और 28 फरवरी को सामाजिक विज्ञान का प्रश्न-पत्र रहेगा। इसी तरह कक्षा 5वीं की परीक्षा 20 फरवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगी और इस परीक्षा का समय भी दोपहर 2 से 4 बजे तक रहेगा। 20 फरवरी को पहले दिन प्रथम भाषा हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और मराठी के प्रश्न-पत्र होंगे और 21 फरवरी को गणित अथवा संगीत और फिर 23 फरवरी को द्वितीय भाषा अंग्रेजी अथवा हिंदी और 25 फरवरी को पर्यावरण अध्ययन और 26 फरवरी को अतिरिक्त हिंदी, उर्दू का प्रश्न-पत्र रहेगा।

दिग्विजय ने एक्स पर मोदी की फोटो पोस्ट कर लिखा-

नेताओं के चरणों में बैठने वाला सीएम-पीएम बना, ये संगठन शक्ति

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ट नेत पूर्व मु यमंत्री दिग्विजय सिंह जहां पीएम मोदी और आरएसएस को समय समय पर कोसने में पीछे पही रहते वही शनिवार को उन्होंने पीएम मोदी का एक फोटो अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर पोस्ट किया हे जिसमें उन्होंने लिखा है

Q¤uàæra site पर मुझे यह चित्र मिला। बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक व जनसंघ बीजेपी4इंडिया का कार्यकर्ता नेताओं की चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का मु यमंत्री व देश का प्रधानमंत्री बना। यह संगठन की शक्ति है। ..जय सिया राम।

दिग्विजय की इस पोस्ट के कई मयाने निकाले जा रहे है। शुक्रवार को` मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हुई मीटिंग में दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस में संगठन को मजबूत बनाने के लिए बीजेपी की तर्ज पर काम करने के लिए कहा है। इसके लिए नेताओं को बूथ और जमीन स्तर पर पहुंचने का संदेश दिया। क्या दिग्विजय इस फोटों के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संगठन की शक्ति का एहसास करना चाह रहे है या फिर वरिष्ट नेताओं के प्रति कार्यकर्ताओं से ऐसे ही आदर का भाव रखने की नसीहत दे रहे है।

31 दिसम्बर को प्रदेश की प्रशासनिक सीमाएं होंगी फ्रीज

भोपाल । देश में आगामी वर्ष में होन वाली जनगणन एवं प्रदेश की प्रशासनिक सीमाओं को 31 दिसम्बर बुधवार को फ्रीज करने के पहले राज्य सरकार ने जनगणना के लिए अधिकारियों की तैनाती कर दी है। अगले साल होने वाली जनगणना के लिए गृह विभाग ने जनगणना अधिकारियों की नियुक्ति कर उन्हें जनगणना के अधिकार दिए हैं। संभागायुक्त को संभागीय जनगणना अधिकारी और कलेक्टर को जिले का प्रमुख जनगणना अधिकारी घोषित किया गया है। इसके अलावा कलेक्टर द्वारा तय किया गया अपर कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर या डिप्टी कलेक्टर स्तर का अधिकारी जिला जनगणना अधिकारी होगा।

गृह विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 11 के अनुसार कोई भी जनगणना अधिकारी या ऐसा व्यक्ति जो जनगणना के कार्य में सहायता के लिए अधिकृत किया गया है और उसके द्वारा यह काम करने से मना किया जाता है या उसके द्वारा कोई बाधा पैदा की जाती है या जनगणना के काम में रुकावट की स्थिति लाई जाती है तो ऐसे व्यक्ति पर एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया जा सकेगा। साथ ही दोष सिद्ध होने पर ऐसे व्यक्ति को तीन साल की सजा से दंडित भी किया जा सकेगा। गृह विभाग ने जनगणना के लिए तैनात किए जाने वाले प्रगणकों के अलावा अलग-अलग क्षेत्रों के लिए 13 अधिकारियों को जनगणना संबंधी दायित्व सौंपे हैं और उसका पालन करने के लिए निर्देशित किया गया है।

ज्वाइंट वेंचर के नाम पर जमीन मालिक से बिल्डरो ने की 21 करोड़ की धोखाधड़ी

भोपाल। मिसरोद पुलिस ने ज्वाइंट वेंचर के नाम पर जमीन मालिक से 21 करोड़ 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में दो बिल्डरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोप है, कि बिल्डरों ने कॉलोनी विकसित कर बनाए गए 98 फ्लैट बेच दिए, लेकिन तय समझौते के अनुसार जमीन मालिक को उसका 40 प्रतिशत हिस्सा नहीं दिया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार फरियादी संजेश रघुवंशी पुत्र उत्तम सिंह (52) ने लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया की वह चूनाभट्टी क्षेत्र में रहते हैं। उनकी मिसरोद क्षेत्र में सलैया इलाके में करीब दो एकड़ जमीन है। साल 2013 में उन्होंने इस जमीन पर कॉलोनी विकसित करने के लिए बिल्डर मनीन्द्र कुमार सिंहा और जयशंकर श्रीवास्तव के साथ ज्वाइंट वेंचर किया था। उनके बीच हुए अनुबंध के तहत जमीन पर गोल्डन हाईट्स नाम से कॉलोनी विकसित कर करीब 180 फ्लैट बनाए जाने थे। ज्वाइंट वेंचर एग्रीमेंट में यह शर्त तय हुई थी कि कॉलोनी में जो भी फ्लैट बिकेगा, उसकी रजिस्ट्री के बाद मिलने वाली रकम में से 40 प्रतिशत हिस्सा जमीन मालिक को और 60 प्रतिशत बिल्डरों को मिलेगा। शुरुआती दौर में जब लगभग 20 फ्लैटों की रजिस्ट्री हुई तो जमीन मालिक को उसका हिस्सा मिला। इस दौरान संजेश रघुवंशी को किसी तरह का संदेह नहीं हुआ। इसके बाद साल 2023 में बिल्डरों ने जमीन मालिक से पावर ऑफ अटॉर्नी ले ली। बिल्डरों ने भरोसा दिलाया कि आगे भी जैसे-जैसे फ्लैट बिकेंगे, उनका तय मुनाफा उन्हें मिलता रहेगा। जमीन मालिक ने भरोसे में आकर पावर ऑफ अटॉर्नी दे दी, लेकिन इसके बाद बिल्डरों की नीयत बदल गई। आरोप है कि पावर ऑफ अटॉर्नी मिलने के बाद बिल्डरों ने कॉलोनी में बने 98 फ्लैटों का सौदा कर उनकी रजिस्ट्री करा दी। इन फ्लैटों की मिली रकम में से जमीन मालिक को उसका तय हिस्सा नहीं दिया गया। इस तरह करीब 21 करोड़ 10 लाख रुपए की राशि जमीन मालिक को नहीं मिली। जब संजेश रघुवंशी को इस पूरे लेन-देन की जानकारी लगी तो उन्होंने बिल्डरों से संपर्क किया, लेकिन संतोषजनक तब वह गोलमोल जवाब देते हुए टाल मटोल करते रहें। आखिरकार परेशान होकर उन्होंने बीते मार्च महीने में मिसरोद थाने में शिकायत की। आवेदन की जॉच के दौरान दस्तावेजों की जांच की, रजिस्ट्रियों और एग्रीमेंट का सत्यापन किया। जांच में धोखाधड़ी के आरोप सही पाए जाने पर पुलिस ने आरोपी बिल्डर मनीन्द कुमार सिंहा और जयशंकर श्रीवास्तव के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

मप्र में होगा बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

2026 में रिटायर हो जाएंगे 6 स्पेशल डीजी-एडीजी, एक को मिलेगी पदोन्नति

भोपाल। प्रदेश में आइपीएस अधिकारियों का कभी बड़ा तो कभी छोटा बैच होने के कारण अब कामकाज पर भी असर पड़ेगा। इस वर्ष के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर को स्पेशल डीजी पवन श्रीवास्तव सेवानिवृत होंगे। वर्ष 2026 में तीन स्पेशल डीजी और तीन एडीजी सेवानिवृत होने जा रहे हैं। उधर, 2026 में एडीजी के पद पर अकेले जबलपुर के आइजी प्रमोद वर्मा पदोन्नत होंगे। कारण, 2001 बैच में वह अकेले अधिकारी हैं। इस तरह वर्ष के अंत तक स्पेशल डीजी और एडीजी मिलाकर 32 अधिकारी ही बचेंगे। अभी इनकी संख्या डीजीपी को मिलाकर 39 है। वर्तमान स्थिति में स्पेशल डीजी और एडीजी स्तर के नौ अधिकारी केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर हैं।

अगले वर्ष भी यही स्थिति रही तो कामकाज पर असर पडऩा तय है। इसकी वजह यह कि स्पेशल डीजी या एडीजी के पास दो से तीन शाखाओं का प्रभार रहेगा। अभी से ऐसी स्थिति बनने लगी है। उदाहरण के तौर पर एडीजी चयन शाहिद अबसार के पास पुलिस प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (पीटीआरआइ) का भी अतिरिक्त प्रभार है।

2027 में स्थिति और बिगड़ेगी

पंकज श्रीवास्तव के पास एसटीएफ और नक्सल आपरेशन, योगेश चौधरी के पास प्रबंध और योजना, अनिल कुमार के पास महिला सुरक्षा, कल्याण और लेखा शाखा की जिम्मेदारी है। 2027 में स्थिति और बिगड़ेगी, क्योंकि तीन स्पेशल डीजी रिटायर होंगे, जबकि पदोन्नत मात्र भोपाल के आइजी ग्रामीण अभय सिंह पदोन्नत हो पाएंगे, क्योंकि वह भी 2002 के बैच में अकेले हैं।

इंग्लैंड ने दूसरे ही दिन चार विकेट से जीता बॉक्सिंग डे टेस्ट

ऑस्ट्रेलिया में 18 मैचों के बाद मिली पहली जीत

मेलबर्न । इंग्लैंड ने यहां एमसीजी में खेले गये चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम को चार विकेट से हराकर इस दौरे में अपनी पहली जीत दर्ज की है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज को पहले ही शुरुआती तीन टेस्ट जीतकर अपने नाम कर लिया है। ऐसे में इस हार से सीरीज के परिणाम पर कोई खास प्रभाव नहीं हैं। इस जीत से अब ये सीरीज 3-1 पर पहुंच गयी है। इस मैच में मेजबान टीम ने इंग्लैंड को जीत के लिए 175 रनों को लक्ष्य दिया था जो उसने दूसरे ही दिन 6 विकेट पर 178 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की। पारी शुरु करते हुए बेन डकेट ने 34 रन बनाए, जबकि जैकब बेटहेल ने 40 रन बनाये। हैरी ब्रूक ने 18 रन और जैक क्राउली ने 37 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

यह साल 2011 के बाद ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली टेस्ट जीत है। वहीं कुल मिलकार 18 टेस्ट के बाद इंग्लैड टीम यहां जीती है।

इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज दोनो पारियों में असफल रहे जिसका नुकसान मैच में मिली हार से उसे हुआ। वहीं दूसरी ओर पहली पारी के आधार पर 42 रनों से पिछड़ने के बाद भी इंग्लैंड ने मैच जीत लिया। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दूसरी पारी में मेजबान टीम के बल्लेबाजों को बड़ स्कोर बनाने का कोई अवसर न देते हुए ऑस्ट्रेलियाई टी को 132 रनों पर ही समेट दिया था। ट्रेविस हेड 46 रन के अलावा स्टीव स्मिथ ने 24 और ग्रीन ने 16 रन बनाये बाकि बल्लेबाज असफल रहे। इंग्लैंड की ओर से रायडन कार्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए कुल चार विकेट लिए।

जिस प्रकार से पहले तीन मैच जीतने वाली मेजबान टीम इस मैच में असफल रही है। उससे प्रशंसकों में निराशा है। पिछले 9 सालों में यह पहला अवसर है जब ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घरेलू मैदान पर किसी टेस्ट की दोनों ही पारियों में 200 रन के अंदर सिमटी। इससे पहले साल 2016 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होबार्ट टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार से आउट हुई थी।

इस मुकाबले की बात करें तो ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी अपनी पहली पारी में केवल 152 रन बनाए थे। वहीं इसके बाद इंग्लैंड 110 रनों पर आउट हुई थी। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर मेजगान टीम के पास 46 रनों की बढ़त थी। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 132 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की गेंदबाजी के सामने मेजबान टीम के बल्लेबाजों की एक न चली। ऑस्ट्रेलिया के साथ ऐसा बहुत कम ही हुआ है कि वह अपने घर में दोनों पारियों में 200 से कम पर आउट हो जाये।

इससे पहले आज सुबह ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी वारी में बिना किसी नुकसान के 4 रनों से आगे खेलना शुरु किया पर इंग्लैड के गेंदबाजों गस एटकिन्सन और बेन स्टोक्स के के सामने वह टिक नहीं पायी। टीम ने 100 रनों के अंदर ही 6 विकेट खो दिये। इसी दौरान जोश टोंग और ब्रायडन कार्स ने बल्लेबाज मार्नस लैबुशेन को 8 रन पर और ख्वाजा को शून्य पर ही पेवेलियन भेज दिया। ट्रेविस हेड ने 46 और स्टीव स्मिथ ने 24 रन बनाए। इस प्रकार पूरी टीम दूसरी पारी में 132 रनों पर सिमट गयी। पहली पारी के आधार पर मेजगान टीम के पास 46 रनों की बढ़त थी। इस प्रकार इंग्लैड को जीत के लिए 175 रनों का लक्ष्य मिला।

इस लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की। पारी शुरु करते हुए बेन डकेट ने 34 रन बनाए, जबकि जैकब बेटहेल ने 40 रन बनाये। हैरी ब्रूक ने 18 रन और जैक क्राउली ने 37 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।

यह साल 2011 के बाद ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की पहली टेस्ट जीत मिली है। वहीं कुल मिलकार 18 टेस्ट के बाद इंग्लैड टीम जीती है।

मैच के दो दिन के भीतर खत्म हो जाने के बाद पिच को लेकर जोरदार बहस छिड़ गई। पहले दिन ही 20 विकेट गिरे थे, जो ऑस्ट्रेलिया में 1951 के एडिलेड ओवल के बाद

अनुभवी खिलाड़ियों को एचआईएल में निभानी होगी बड़ी भूमिका - श्रीजेश

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश आजकल हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) एसजी पाइपर्स हॉकी टीम के डायरेक्टर हैं। श्रीजेश का कहना है कि अगर एसजी पाइपर्स को हॉकी इंडिया एचआईएल में अच्छा प्रदर्शन करना है तो अनुभवी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन कर युवाओं को प्रेरित करना होगा। इन खिलाड़ियों की जिम्मेदारी दबाव के क्षणों में और बढ़ जाती है।

श्रीजेश ने कहा, पिछले सत्र में हमने जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद टीम पिछड़ गयी थी। इसका कारण है कि टीम को संभालने का प्रयास किसी ने नहीं किया। टीम के पास अच्छे नेतृत्व की कमी नजर आयी। उस सत्र में अनुभवी खिलाड़ियों ने आगे आकर कमान नहीं संभाली थी। वहीं इस बार ऐसा नहीं होना चाहिए। एसजी पाइपर्स 2024-25 सीजन में पुरुष और महिला दोनों ही वर्ग में पीछे रही है। श्रीजेशने बताया कि पूर्व अंतरराष्ट्रीय अनुभवी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह को टीम में मेंटरशिप और बीच में नेतृत्व संभालने के लिए शामिल किया गया है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि रूपिंदर को रखने का कारण टीम को एक मेंटर उपलब्ध कराना है। साथ ही कहा कि हमें ऐसे किसी व्यक्ति की जरूरत है जो टीम को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करे। साथ ही कहा कि वह टीम की तैयरियों से खुश हैं। साथ ही कहा कि आने वाले दिनों में टीम के प्रदर्शन का बारीकी से आंकलन होगा।

साथ ही कहा कि इसलिए एचआईएल के बाद हम सबसे पहले उन्हें उनके सभी मैच दिखाएंगे। मैं चाहता हूं कि वे जानें कि 2027 में उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। उनका मानना है कि जर्मनी के खिलाफ सेमीफाइनल में, जिसमें भारत हार गया था, वह बेहतर फैसले ले सकते थे। हालांकि मेरे ज़्यादातर फैसले सही थे, यहां तक कि अर्जेंटीना के खिलाफ हमने जो बदलाव किये थे। वे सफल रहे। ।

श्रीजेश ने कहा कि एक खिलाड़ी और एक कोच में काफी अंतर होता है।उन्होंने कहा, मैं अपने कोचिंग रोल का आनंद ले रहा हूं, जूनियर टीम के साथ लगभग एक साल हो गया है, और मैं नए खिलाड़ियों के एक नए ग्रुप का इंतजार कर रहा हूं, और कोच के तौर पर मुझे नए ग्रुप के साथ शुरुआत करनी होगी, इसलिए यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है।

मप्र के सूरज ने 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप दो स्वर्ण जीते

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के निशानेबाज सूरज शर्मा ने यहां डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में जीत दर्ज की है। सूरज ने पुरुष वर्ग में जूनियर और सीनियर दोनों ही वर्ग में राष्ट्रीय खिताब जीते हैं। सूरज ने पहले जूनियर फाइनल में 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पर निशाना लगाया। इसे बाद सीनियर वर्ग के भी फाइनल में 31 हिट्स के साथ दूसरा स्वर्ण अपने नाम किया।

सीनियर फाइनल में सूरज ने अच्छी शुरुआत करते हुए अपने पहले 20 में से 19 निशाने सही लगाये और कुल 31 हिट्स के साथ जीत दर्ज की। वही पंजाब के विजयवीर सिद्धू से तीन हिट्स 28 हिट्स के साथ दसरे स्थान पर रहे जबकि राजस्थान के भावेश शेखावत ने 24 हिट्स के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। अंकुर गोयल 14 हिट्स के साथ चौथे स्थान पर रहे। अंकुर आंध्र प्रदेश के मुकेश नेलावल्ली के खिलाफ लगातार तीन शूट-ऑफ के बाद 12 हिट्स के साथ ही पांचवें स्थान पर रहे।

वहीं हरियाणा के आदर्श सिंह पांच हिट्स के साथ छठे स्थान पर रहे। दूसीर ओर क्वालिफिकेशन राउंड में अंकुर ने 582-203 के स्कोर के साथ नंबर एक पर रहे जबकि विजयवीर सिद्धू 580-183 के साथ दूसरे स्थान पर रहे और आदर्श सिंह ने 579-223 के साथ तीसरे स्थान पर रहे। मुकेश नेलावल्ली 579-173 के साथ चौथे स्थान पर रहे।जूनियर पुरुष आरएफपी फाइनल में भी सूरज शर्मा ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 30 हिट्स के साथ पहला स्थान हासिल किया। वहीं मुकेश नेलावल्ली को 25 हिट्स के साथ दूसरा स्थान मिला।

टी20 विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाना है लक्ष्य - कमिंस

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिाई टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनका लक्ष्य नये साल में भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्कप मे बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलाना है। कमिंस ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य तेज गेंदबाज हैं और कार्यभार प्रबंधन के तहत ही उन्हें एशेज सीरीज के बचे हुए दो टेस्ट मैचों से बाहर रखा गया है। कमिंस चोटिल होने के कारण पहले दो टेस्ट में शामिल नहीं थे। मेजबान टीम ने पहले ही सीरीज 3-0 से जीत ली है जिससे देखते हुए कमिंस को उतारकर टीम जोखिम नहीं लेना चाहती है। कमिंस को जून जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे पर कमर में चोट

लगी थी। जिससे देखते हुए टीम प्रबंधन उनपर अधिक बोझ नहीं डालना चाहता।

वहीं कमिंस ने कहा कि अब आराम करने के बाद उन्हें पहले से बेहतर लग रहा है। साथ ही कहा कि कुछ सप्ताह पहले ही कमर की चोट से उबरा हूं तो लगातार दो टेस्ट खेलना जोखिमभरा रहता। अब टी20 विश्व कप से पहले कुछ आराम करूंगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्व कप में पहला मैच 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड से खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने हाल में अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। जिसके कारण कमिंस टीम के प्रदर्शन को लेकर आश्वस्त हैं।

हॉकी के लिए मिला-जुला रहा साल 2025 शताब्दी वर्ष

नई दिल्ली । भारतीय हॉकी के लिए साल 2025 शताब्दी वर्ष मिला-जुला रहा । पुरूष टीम ने एशिया कप जीता पर महिला टीम कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीत पायी।

एशिया कप

इस साल भारतीय हॉकी की सबसे बड़ी उपलब्धि एक दशक बाद एशिया कप हासिल करना है। इससे टीम को नये साल में 14 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले एफआईएच विश्व कप के लिए प्रवेश मिला है। भारतीय टीम ने उप-महाद्वीप में इस बार 15 गोल किये। इससे पहले एफआईएच प्रो लीग में भारतीय टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। घरेलू चरण में भुवनेश्वर में पांच मैच जीतने के बाद यूरोपीय चरण में वह 7 मैच हारी।

अजलन शाह

वहीं अजलन शाह कप में नए कप्तान डिफेंडर संजय की अगुवाई में भारत की युवा टीम ने रजत पदक जीता। छह साल बाद टूर्नामेंट खेल रही भारतीय टीम फाइनल में दुनिया की तीसरे नंबर की टीम बेल्जियम से एक गोल से हारी पर उसका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। इस टीम में हरमनप्रीत और मनप्रीत जैसे सीनियर नहीं थे। वहीं पुरूष जूनियर टीम ने इस महीने चेन्नई में जूनियर हॉकी विश्व कप में 9 साल बाद कांस्य पदक जीता। कांस्य के मुकाबले में अर्जेंटीना से दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए भारत ने 4-2 से जीत दर्ज की।

नये साल में लक्ष्य

अब भारतीय टीम का लक्ष्य नये साल में विश्व कप के अलावा जापान में एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए जगह बनाना रहेगा।

वहीं दूसरी ओर महिला टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। टोक्यों ओलंपिक 2021 में चौथे स्थान पर रहने के बाद महिला टीम का प्रदर्शन लगातार नीचे आया है। टीम पिछले साल टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी। इस साल भी प्रो लीग में टीम दो जीत और 11 हार के बाद अंतिम स्थान पर रही । वहीं सितंबर में एशिया कप फाइनल में चीन से 1-4 से हारकर विश्व कप के लिए भी प्रवेश हासिल नहीं कर पायी। वहीं जूनियर महिला टीम सैंटियागो में विश्व कप में दसवें स्थान पर रही।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड होबार्ट के हरिकेन्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच हुए बिग बैश लीग (बीबीएल) के एक मुकाबले के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण अगले मैच से बाहर हो गये है। इसके अलावा अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप तक उनके फिट होने की भी संभावना कम ही है।

चोट लगने के बावजूद टिम ने अपनी टीम को जीत दिलायी। उन्होंने 28 गेंदों में 42 रन बनाये। इस पारी से होबार्ट हरिकेन्स ने 151 रनों का लक्ष्य हासिल कर तीसरी जीत दर्ज की। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) आने वाले दिनों में भारत व श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम घोषित करेगा। ऐसे में टिम की फिटनेस को लेकर उसकी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। टी20 विश्वकप 7 फरवरी से होने वाला है। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि फिटनेस को लेकर संश्य के बाद भी इस खिलाड़ी को टीम में लगह

मिलेगी। बावजूद टिम डेविड के चयन की संभावना जताई जा रही है।

गौरतलब है कि टिम ने इससे पहले 2022 और 2024 के टी-20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेला था। पिछले इस क्रिकेटर ने होबार्ट में भारत के खिलाफ 74 रन की पारी खेली थी।

ऐसे में अगर उनकी चोट गंभीर होती है और वह टूर्नामेंट से बाहर होते हैं, तो यह ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए बड़ा झटका होगा। टिम ने अब तक 56 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,231 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 39.70 और स्ट्राइक रेट 172.89 रहा है। उन्होंने एक शतक और सात अर्धशतक लगायेहैं।

टिम का प्रदर्शन आईपीएल में भी अच्छा रहा है। वह फिनिशर के तौर पर उतरते रहे हैं। वह सीमित ओवरों में तेजी से रन बटोरने के कारण इस प्रारुप के उपयोगी खिलाड़ी हैं। इस साल ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें बल्लेबाजी के लिए नंबर चार और पांच पर भेजा। जहां उन्होंने 10 पारियों में 395 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 49 से ज्यादा और स्ट्राइक रेट करीब 197 रहा।

एशेज सीरीज : ऑस्ट्रेलिया दूसरी पारी में 132 पर सिमटी, इंग्लैंड को जीत के लिए मिला 175 का लक्ष्य

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट में अपनी दूसरी पारी में भी टिक नहीं पायी और 132 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं पहली पारी में वह 152 रनों पर आउट हुई थी। इस प्रकार इंग्लैंड को जीत के लिए 175 रनों का आसान सा लक्ष्य मिला है। आज खेल का दूसरा ही दिन है। ऐसे में मेहमान टीम इंग्लैंड के पास जीत के लिए अच्छा अवसर है।

जिस प्रकार से पहले तीन मैच जीतने वाली मेजबान टीम इस मैच में असफल रही है। उससे प्रशंसकों में निराशा है। पिछले 9 सालों में यह पहला अवसर है जब ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने घरेलू मैदान पर किसी टेस्ट की दोनों ही पारियों में 200 रन के अंदर सिमटी है। इससे पहले साल 2016 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होबार्ट टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार से आउट हुई थी।

इस मुकाबले की बात करें तो ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी अपनी पहली पारी में केवल 152 रन बनाए थे। वहीं इसके बाद इंग्लैंड 110 रनों पर आउट हुई थी। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर मेजगान टीम के पास 46 रनों की बढ़त थी। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 132 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की गेंदबाजी के सामने मेजबान टीम के बल्लेबाजों की एक न चली। ऑस्ट्रेलिया के साथ ऐसा बहुत कम ही हुआ है कि वह अपने घर में दोनों पारियों में 200 से कम पर आउट हो जाये।

कुंबले और बांगड़ बोले, वेंकटेश को आईपीएल के शुरुआती चरण में शायद ही अवसर मिले

नई दिल्ली। दिग्गज पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले और पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ का कहना है कि आईपीएल 2026 के शुरुआती सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शायद ही वेंकटेश अय्यर को अंतिम ग्यारह में शामिल करे। कुंबले के अनुसार इसका कारण है कि टीम के पास काफी अच्छे खिलाड़ी हैं और वह पहले उन्हें अवसर देना चाहेगी। वेंकटेश को इस बार आरबीबी ने मिनी नीलामी में 7 करोड़ रुपए में खरीदा था जबकि पिछली नीलामी में इसे केकेआर ने 23 करोड़ से अधिक की राशि में खरीदा था।

आरसीबी ने इस बार नीलामी में केकेआर को पीछे छोड़कर वेंकटेश को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने इसके अलावा जैकब डफी और मंगेश यादव समेत कई खिलाड़ियों को खरीदकर अपनी टीम को और बेहतर बनाया है।। 'कुंबले ने कहा, 'वेंकटेश

अय्यर के लिए शुरुआती एकादश में जगह बनाना कठिन होगा। इसका कारण है कि आप जीतने वाली टीम में संदेह पैदा नहीं करना चाहते। इसी सोच के चलते फ्रेंचाइजी ने रवि बिश्नोई पर बोली नहीं लगाई जिससे सुयश शर्मा को अपनी जगह को लेकर संशय न रहे।

भारत के पूर्व बल्लेबाज संजय बांगड़ ने भी कहा कि इस बात पर सवाल उठ सकता है कि अय्यर को शुरुआती एकादश में जगह मिलेगी या नहीं लेकिन टीम के पास एक शानदार विकल्प है। उन्होंने कहा, 'अय्यर पर पिछले सत्र से ही सबकी नजरें टिकी हुई थीं। वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका आत्मविश्वास साफ दिखता है।।

हरमनप्रीत सबसे अधिक जीत दर्ज करने वाली कप्तान बनी

थिरुवनंतपुरम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में जीत के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब हरमनप्रीत महिला टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक जीत करने वाली कप्तान बन गई हैं। हरमनप्रीत ने इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग को पीछे छोड़ा है। श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 में जीत के साथ ही हरमनप्रीत ने टी20 में कप्तानी करते हुए 130 मैचों में 77 जीत हासिल की हैं। इस प्रकार उनका जीत प्रतिशत 58.46 है।

डकेट के 3000 हजार रन पूरे

मेलबर्न । इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट ने एशेज सीरीज के चौथे टेस्ट की दूसरी पारी में 34 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही अपने 3,000 रन भी पूरे किए। इतने रन बनाने वाले वह इंग्लैंड के 49वें खिलाड़ी बन गए हैं।बाएं हाथ के बल्लेबाज डकेट ने इस मैच में जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए 26 गेंदों में 34 रन बनाए। डकेट ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। इस मैच के साथ ही डकेट के नाम अब 42 टेस्ट मैचों में 3,005 रन हो यगे हैं। उनका औसत 40.06 और स्ट्राइक रेट 86.44 का रहा है। उनके नाम 6 शतक और 16 अर्धशतक है। वहीं उनका सबसे अधिक स्कोर 182 रन रहा है। है।

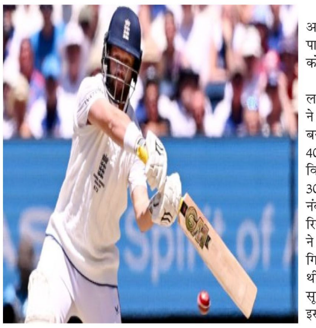

इस सीरीज में हालांकि डकेट अब तक असफल रहे हैं और केवल 133 रन ही बना पाये हैं। इस मैच में जीत के लिए इंग्लैंड को 175 रनों का लक्ष्य मिला था।

इंग्लैंड को जीत के लिए 175 रन का लक्ष्य मिला। जिसका पीछा करते हुए डकेट ने पारी की शुरुआत करते हुए 34 रन बनाए, जबकि जैकब बेटहेल ने 46 गेंद में 40 रन बनाये। इंग्लैंड ने इस मैच को चार विकेट से जीता। डकेट सबसे कम गेंदों में 3000 टेस्ट रन पूरे करने के मामले में पहले नंबर पर पहुंच गये है। इससे पहले ये रिकार्ड एडम गिलक्रिस्ट के नाम था। डकेट ने 3474 गेंदों में ये रन बनाये जबकि गिलक्रिस्ट ने इसके लिए 3610 गेंद खेली थी। वहीं 3468 गेंद खेलकर हैरी ब्रूक इस सूची में पहले नंबर पर हैं और उन्होंने इस मैच में ही यह रिकॉर्ड बनाया था।

पैक्स कम्प्यूटरीकरण में प्रदेश में अव्वल रहा जिला सह.केन्द्रीय बैंक

जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में कार्यप्रगति की समीक्षा, अधिकारियों को दिए गए आवश्यक निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक बालाघाट द्वारा 27 दिसंबर को जिला मुख्यालय के सभा कक्ष में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक मृणाल मीना के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में संभागीय क्षेत्राधिकारी जबलपुर संभाग एवं मेंटर ऑफिसर शीर्ष बैंक मुख्यालय भोपाल आर.सी. पटले, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जेएसके बैंक बालाघाट अभिनव सिंह बघेल, प्रभारी प्रबंधक लेखा पी. जोशी सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

बैठक में बताया गया कि जिले की 126 पैक्स समितियों द्वारा कम्प्यूटरीकरण का कार्य पूर्ण कर ऑनलाइन माध्यम से कार्य किया जा रहा है, जिससे किसानों को लेन-देन के पश्चात कम्प्यूटरीकृत पर्ची उपलब्ध कराई जा रही है। इससे कार्यों में पारदर्शिता बढ़ी है। समीक्षा में यह भी बताया गया कि

पैक्स कम्प्यूटरीकरण के क्षेत्र में बालाघाट जिला प्रदेश में प्रथम स्थान पर है, जिस पर मंचासीन अधिकारियों द्वारा सभी शाखा प्रबंधकों एवं कर्मचारियों की सराहना की गई।

रबी ऋण वितरण में लापरवाही पर नोटिस

समीक्षा के दौरान रबी ऋण वितरण में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति न होने पर शाखा प्रबंधक बैहर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिन शाखाओं द्वारा अमानत संग्रहण में लक्ष्य की पूर्ति नहीं की गई, उन्हें एक माह की समय-सीमा प्रदान की गई।

बैठक में निर्देशित किया गया कि सभी शाखाएं डिपॉजिट बढ़ाने, खातों को आधार से लिंक करने, डिमांड नोटिस की शत-प्रतिशत तामिली, समिति स्तर पर ऋणी सदस्यों के व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर नियमित सूचना प्रसारित करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। एनपीए खातों पर विशेष ध्यान देने, डेबिट कार्ड, रूपे केसीसी कार्ड एवं माइक्रो एटीएम के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना में अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने पर बल दिया गया। बालाघाट जिले द्वारा इन योजनाओं में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना भी की गई।

बैठक में कृषि ऋण, फसल बीमा, जीएसटी, रिटर्न फाइलिंग, उर्वरक भंडारण एवं वितरण, मध्यमकालीन ऋण वितरण एवं वसूली की शाखावार समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ऋण लेने वाले कृषकों से समय पर वसूली सुनिश्चित करें, अन्यथा उत्तरदायित्व तय किया जाएगा। इन सभी विषयों की साप्ताहिक समीक्षा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की जाएगी। बैठक में एम.एल. यादव, श्रीमती सीमा दुबे, आशीष मिश्रा, प्रकाश साहू, श्रीमती लता गौतम, सारंग बिसेन, रौनक चैकसे, अमरेश सिंह परिहार, ऋषि बिसेन, सुनील राहंगडाले, ऋषि हरिनखेड़े, मोरेश्वर फुंडे, ज्ञानचंद नेवारे, जयकुमार नंदनवार, आई.आर. भगत, मुकेश ठाकरे, रत्नघोष भूरे, अनिरुद्ध वागदे, दीपक देशमुख, राजेश दुबे, दिनदयाल ठाकरे, दिलीप रामटेके, श्रीमती भूमेश्वरी नागेश्वर सहित बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वालीबॉल टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर बैठक सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। सूर्योदय स्पोर्टिंग वालीबॉल क्लब किरनापुर टूर्नामेंट समिति की आवश्यक बैठक शनिवार को शाम 7 बजे वालीबॉल मैदान मे आयोजित की गई। बैठक के दौरान तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर मे वालीबॉल टूर्नामेंट का अनिवार्य रूप से आयोजन किए जाने को लेकर बैठक आयोजित करते हुए संबंधित सभी बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। वही इस दौरान टूर्नामेंट मे देश की प्रसिद्ध टीमों की उपलब्धता एवं अन्य स्थानों पर होने वाले टूर्नामेंट पर भी चर्चा की गई। वही आगामी बैठक में टूर्नामेंट की तिथि सुनिश्चित किए 16,17 एवं 18 जनवरी 2026 पर मुहर लग जाने की बात कही गई। इस अवसर पर टूर्नामेंट समिति अध्यक्ष डॉ नन्हें बहेकार, सचिव शिव तारन, कोषाध्यक्ष संजय चौधरी,आर पी श्रीवास्तव, मंगल प्रसाद रैकवार,अजय मर्सकोले, अनिल चापेकर, अंकुश पचभैया, राकेश बोरकर, अहद ताजर, शुभम शेंडे,दीपक भालाधरे, पीयूष शर्मा, सहित अनेक सदस्यगण एवं वालीबॉल खिलाड़ीयो की मौजूदगी रही।

29 एवं 30 दिसंबर को आईटीआई बालाघाट में जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) बालाघाट में जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता 2025 का आयोजन 29 एवं 30 दिसंबर 2025 को किया जाएगा। यह प्रतियोगिता राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता 2025 के अंतर्गत आयोजित की जा रही है, जिसमें जिले के विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षणार्थी भाग लेंगे।

प्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था बालाघाट सपना रहांगडाले ने बताया कि जिला स्तरीय कौशल प्रतियोगिता दो पालियों में आयोजित होगी। 29 दिसंबर 2025 को प्रथम पाली प्रातः 10 से 12 बजे तथा द्वितीय पाली दोपहर 2 से 4 बजे तक आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार 30 दिसंबर 2025 को भी प्रथम एवं द्वितीय पाली में विभिन्न ट्रेडों की प्रतियोगिताएं संपन्न होंगी।

प्रतियोगिता में इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशन, कंक्रीट कंस्ट्रक्शन वर्क, ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी, वेल्डिंग, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन टेक्नोलॉजी, ग्राफिक डिजाइन, कंप्यूटर नेटवर्किंग, इंडस्ट्रियल मैकेनिक्स, मोबाइल रिपेयरिंग, प्लंबिंग, वेब टेक्नोलॉजी, सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन डेवलपमेंट, डिजिटल कंस्ट्रक्शन सहित अनेक ट्रेड शामिल रहेंगे।

प्रतिभागियों को निर्देशित किया गया है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक पहचान पत्र के साथ उपस्थित रहें। प्रतियोगिता से संबंधित विस्तृत जानकारी एमपी स्किल्स पोर्टल www.mpskills.gov.in एवं www.dsd.mp.gov.in पर उपलब्ध है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं की तकनीकी दक्षता को बढ़ावा देना तथा उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है।

दिल्ली, यूपी, हरियाणा और पंजाब में कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली। नए साल से पहले हाड़ कंपा देने वाली सर्दी और कोहरे से फिलहाल राहत मिलने वाली नहीं है। पहाड़ से लेकर मैदान तक इन दिनों जमकर सर्दी पड़ रही है। वहीं कोहरे की मार भी लोगों को झेलनी पड़ रही है। देशभर में सर्दी और कोहरे का प्रकोप लगातार जारी है। दिल्ली, यूपी, हरियाणा और पंजाब वालों को अभी सर्दी और कोहरे से राहत मिलने वाली नहीं है। भारत मौसम विभाग ने उत्तर भारत समेत कई राज्यों के लिए बहुत घने कोहरे और शीतलहर की चेतावनी जारी की है।

वहीं कोहरा अभी और सताएगा। 28 दिसंबर, रविवार के लिए मौसम विभाग ने घने कोहरे की चेतावनी जाहिर की है। मौसम विभाग के मुताबिक, 28 दिसंबर की सुबह तक असम और मेघालय, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। वहीं उत्तराखंड, बिहार, पूर्वी मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू क्षेत्र, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कुछ जगहों पर भी घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

भारत मौसम विभाग के मुताबिक, यूपी, बिहार और उत्तराखंड में 30 दिसंबर तक ठंड जारी रह सकती है। वहीं, झारखंड और झारखंड के कुछ हिस्सों में 27 और 28 दिसंबर को शीतलहर चल सकती है।

कॉलेज चलो अभियान अंतर्गत नई शिक्षा नीति पर सांदीपनि विद्यालय परसवाड़ा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय, परसवाड़ा द्वारा विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक करने एवं नई शिक्षा नीति 2020 की जानकारी देने हेतु एक विस्तृत मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दिनांक 27 दिसंबर 2025 को शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय, परसवाड़ा में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का आयोजन शासकीय महाविद्यालय परसवाड़ा के प्राचार्य डॉ. एल. एल. घोरमारे के कुशल नेतृत्व एवं आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. ए. के. वैद्य के अकादमिक मार्गदर्शन में किया गया। दोनों अधिकारियों ने कॉलेज चलो अभियान को विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

कार्यक्रम में भौतिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक सोनू भीमटे एवं अतिथि विद्वान (अंग्रेजी) डॉ. शोभा शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में विद्यार्थियों को संबोधित किया। वक्ताओं ने नई शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह नीति केवल डिग्री प्राप्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल, रोजगार एवं आत्मनिर्भरता से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत बहुविषयक शिक्षा प्रणाली के माध्यम से विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार विषयों का चयन कर सकते हैं। मल्टीपल एंट्री-एग्जिट प्रणाली से पढ़ाई बीच में छूटने पर भी प्रमाणपत्र, डिप्लोमा अथवा डिग्री का लाभ मिलता है।अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के माध्यम से अर्जित क्रेडिट सुरक्षित रहते हैं। कौशल विकास, तकनीकी ज्ञान एवं रोजगारोन्मुख शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है।

डॉ. शोभा शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में उच्च शिक्षा आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम है। वहीं सोनू भीमटे ने विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि कॉलेज स्तर की शिक्षा विद्यार्थियों को शोध, नवाचार एवं करियर निर्माण के नए अवसर प्रदान करती है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नई शिक्षा नीति एवं कॉलेज प्रवेश से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका समाधान वक्ताओं द्वारा सरल एवं प्रेरणादायक ढंग से किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मानेश्वर सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पृष्ठ 01 का शेष....

मात्र 127 किलोमीटर दूर है न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट चुटका इन 54 गांवों में क्यों पसरा है आतंक का साया?

चालीस साल पहले मध्य प्रदेश के चुटका सहित 54 गांव बरगी बांध के कारण विस्थापित हुए थे। अब इन गांवों पर चुटका परमाणु विद्युत परियोजना से विस्थापित होने की तलवार लटक रही है.

चालीस साल पहले मध्य प्रदेश के चुटका सहित 54 गांव बरगी बांध के कारण विस्थापित हुए थे। अब इन गांवों पर चुटका परमाणु विद्युत परियोजना से विस्थापित होने की तलवार लटक रही है। आखिर कितनी बार कोई आदिवासी अपने घर-द्वार-जल-जंगल और जमीन छोड़ेगा? अनिल अश्विनी शर्मा ने चुटका सहित कुल 11 गांवों में जाकर आदिवासियों के उजड़ने और फिर बसने की पीड़ा जानने की कोशिश की। उनके चेहरों पर उजड़ने का डर नहीं अब गुस्सा है। यह गुस्सा चिंगारी बनकर कभी भी भड़क सकता है। पढ़ें, इस रिपोर्ट की पहली कड़ी-

'हम किसी भी सूरत में अपने गांव में परमाणु बिजली घर नहीं बनने देंगे, 40 साल पहले सरकार ने सिंचाई के नाम पर बांध बनाकर हमारे पुश्तैनी घरद्वार-जंगल, मवेशी सब डुबा कर हमारा सर्वनाश ही कर दिया था। लेकिन तब से अब तक जैसे-तैसे हमने एक-दूसरे का हाथ पकड़ इस बियाबान जंगल में आकर जीने की राह बनाई। अब बिजली के नाम पर हमें खदेड़ने की तैयारी है।' यह आक्रोश भरा स्वर चुटका गांव के दादु लाल कुंडापे का उस समय फूट पड़ा जब डाउन टू अर्थ ने उनसे गांव में लगने वाले परमाणु बिजली घर की स्थिति के बारे में जानना चाहा।

मध्य प्रदेश के मंडला जिले के चुटका सहित 54 गांवों को इस परमाणु बिजली घर के बारे में लगभग 25 साल बाद पता चला। चुटका गांव मे अक्टूबर, 1984 में परमाणु ऊर्जा आयोग का विशेष दल स्थल निरीक्षण के लिए आया था। इस संबंध में चुटका गांव निवासी नवरतन दुबे बताते हैं कि इसके बाद फिर एक दल आया 1985-86 में और उसने 4 से 500 फीट ड्रिलिंग की। इसके बाद मिट्टी निकाल कर उसे लैब भेजा। उस समय हमसे कहा गया कि चूंकि हम बरगी बांध से विस्थापित हैं इसलिए सरकार यहां एक फैक्ट्री स्थापित करने जा रही है। लेकिन हमें इस परमाणु बिजली घर की जानकारी 14 अक्टूबर, 2009 को तब हुई जब जबलपुर के स्थानीय अखबारों में इस आशय की खबर छपी कि चुटका में परमाणु बिजली घर बनेगा और इससे 54 गांव विस्थापित होंगे।

तब इसके विरोध में आदिवासी ग्रामीणों ने पहली बार 20 अक्टूबर, 2009 को एक बैठक कर चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति का गठन किया। समिति ने 22 अक्टूबर, 2009 को मंडला जिले के तत्कालीन कलेक्टर एके खरे को एक ज्ञापन सौंप कर विरोध जताया।

पिछले एक दशक से आदिवासियों ने लगातार संघर्ष कर चुटका गांव मे प्रस्तावित परमाणु बिजली संयंत्र का निर्माण नहीं होने दिया है। ग्रामीणों ने कहा कि हम किसी भी कीमत पर अपना गांव नहीं छोड़ने वाले। ध्यान रहे कि इस परियोजना से 1.25 लाख लोग विस्थापित होंगे। इस परियोजना को केन्द्र सरकार द्वारा अक्टूबर, 2009 में मंजूरी प्रदान की गई। इसमें बताया गया कि न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआईएल) द्वारा इस परमाणु बिजली घर का निर्माण किया जाएगा। जमीन, पानी और बिजली आदि के लिए मध्य प्रदेश पावर जेनरेटींग कंपनी को नोडल एजेंसी बनाया गया है। यह भी कहा गया कि 700 मेगावाट की दो यूनिट से 1,400 मेगावाट बिजली बनाने के बाद जल्द ही इनका विस्तार कर 2,800 मेगावाट बिजली बनाने का प्रस्ताव है। इस योजना की प्रारंभिक लागत 16,500 करोड़ रुपए आंकी गई है। चुटका, टाटीघाट, कुंडा और मानेगांव की लगभग 497 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है। इसमें 288 हेक्टेयर जमीन निजी खातेदारों की और 209 हेक्टेयर जमीन राज्य सरकार के वन विभाग और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की है। जबकि संयंत्र को स्थापित करने के लिए कुल 6663.22 हेक्टेयर वन भूमि और वन क्षेत्र वाली 76699.56 हेक्टेयर सरकारी भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। ध्यान रहे कि इन गांवों में 85 फीसदी गोंड जनजाति के आदिवासी रहते हैं।

फिर विस्थापन

चुटका परमाणु बिजली घर की प्रस्तावित जमीन पर खड़े कुंडापे दूर तक फैले बरगी बांध के जल संग्रहण क्षेत्र की ओर अंगुली दिखाते हुए कहते हैं कि हर किसी के लिए पानी जीवन होता है लेकिन हमारे लिए तो यह पानी पिछले 40 साल से मरणशैय्या बना हुआ है। पहले पानी के पास होने के कारण हटाए गए और अब पानी गांव के तीन ओर है, इसलिए हटाए जा रहे हैं। वह बताते हैं कि हमारा यह गांव नर्मदा नदी के किनारे ही बसा था। हमारे गांव के सामने से नदी का बहाव क्षेत्र था। 1975 में पहली बार जब हमने अपने बुजुर्गों से सुना कि अब डूब जाएंगे तो हमारे मन में यह सवाल कौंधा कि अभी तो नर्मदा में बाढ़ भी नहीं आ रही है ऐसे में हम कैसे डूब जाएंगे। तब हमारे पिता जी ने बताया कि यहां एक बड़ा बांध बनने वाला है और उसके डूब क्षेत्र में हमारा यह गांव भी आता है। कुंडा गांव के निवासी बाबूलाल बताते हैं कि तब हमें लालच दिया गया था कि हमें मुफ्त बिजली, परिवार के एक सदस्य को नौकरी, घर और खेतों का मुआवजा मिलेगा। लेकिन कुछ नहीं मिला। हर परिवार को 1,300 रुपए मात्र दिए गए।

कुंडापे अपने पहले विस्थापन को याद करते हुए कहते हैं कि 1980 में जब बरगी बांध बनना शुरू हुआ तो हम आदिवासियों को ढोर-गंवारों की तरह सरकार ने हांक दिया और हाथ पर रख दिया था कुछ सौ के नौट। तब हम जैसे-तैसे इस ऊंचे पहाड़ी टीले पर आ बसे कि यहां तक तो पानी नहीं ही आएगा। हमें क्या मालूम था कि यहां जंगल में बसना भी हमारे लिए मुसीबत बन कर आएगा। वह बताते हैं कि अब हमारे गांव के तीन ओर लबालब भरे इस बरगी बांध के पानी पर सरकारी लार पिछली 11 सालों से टपक रही है।

(क्रमशः)

अरिहंत इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थियों से न्यायाधीश ने किया संवाद

पद्मेश न्यूज। कटंगी। आज रक्षा करें कल सुरक्षित करें इसी संकल्प को साकार करने के लिए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश जिलाध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण और सचिव सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय कटंगी तहसील विधिक सेवा समिति के द्वारा शनिवार को नगर के पाथरवाड़ा रोड़ स्थित अरिहंत इंग्लिश स्कूल में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती नेहा ठाकुर ने अखिल भारतीय पर्यावरण कानूनी साक्षरता के तहत विधिक जागरूकता और वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रजनी गुप्ता, श्रीमती गायत्री चौकसे, संचालिका श्रीमती रेखा चौरडिया और विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती नेहा ठाकुर ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आज रक्षा करे, कल सुरक्षित करें के नारे के साथ अखिल भारतीय पर्यावरण

कानूनी साक्षरता और सामुदायिक संरक्षण पहल एक महत्वपूर्ण अभियान है। जो हमें पर्यावरण कानूनों के प्रति जागरूक करते हुए, प्रदूषण से बचाव और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के लिए प्रेरित करता है ताकि हम आज की रक्षा करके आने वाली पीढियों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित कर सकें। जिसमें पेड़-पौधे, स्वच्छ हवा और जल शामिल है। पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। यह हमें सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए पानी, और भोजन प्रदान करता है। यह प्रकृति का वह उपहार है जिसे बचाना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। हमारा संविधान भी पर्यावरण संरक्षण की बात करता है, और प्राचीन भारतीय ग्रंथों में भी वृक्षों और जल को पूजनीय माना गया है। उन्होंने सभी से पर्यावरण की सुरक्षा करने का आह्वान किया। पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। इस दौरान न्यायालयीन कर्मचारी देवेन्द्र ठाकरे, कोर्ट मोहर्रिर छत्रपाल बघेल, सना खान भी मौजूद रही।

विद्यालय छोड़ने के 50 वर्ष बाद मिलेंगे सभी छात्र

उत्कृष्ट विद्यालय बैहर में होगा स्वर्ण जयंती छात्र-शिक्षक मिलन समारोह

पद्मेश न्यूज। बैहर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैहर में नव वर्ष में एक ऐतिहासिक एवं अभिनव आयोजन होने जा रहा है। विद्यालय के स्वर्ण जयंती बैच 1976 के मैट्रिक पासआउट विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय छोड़े 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर छात्र-शिक्षक मिलन समारोह का आयोजन 10जनवरी 2026 को बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया जाने वाला है। संस्था के प्राचार्य आलोक चौरे ने बताया कि इस आयोजन की तैयारियाँ 50 वर्ष पूर्व विद्यालय से पासआउट सभी पूर्व विद्यार्थी जोकि इस समय हमारी उम्र से भी ज्यादा के है के द्वारा पूरे उत्साह के साथ की जा रही है।, सभी पूर्व सम्मानीय विद्यार्थी अलग अलग स्थानों से विद्यालय से सतत संपर्क में है।तैयारियां अंतिम चरण में हैं और पूर्व छात्र समिति ने इसे एक यादगार अवसर बनाने के लिए विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि पाँच दशकों बाद पुनः एक साथ मिलने का यह अवसर सभी पूर्व छात्रों और गुरुजनों के लिए अत्यंत भावनात्मक और गौरवपूर्ण है। विद्यालय परिसर में उस दौर की स्मृतियों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से स्मृति-दीर्घा, सम्मान समारोह, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अनुभव-साझा मंच सहित कई आकर्षक कार्यक्रम रखे गए हैं।

समिति ने बताया कि समय बदलता है पर अपने स्कूल की यादें, गुरुजनों का स्नेह और सहपाठियों की दोस्ती कभी नहीं बदलती। इन्हीं भावनाओं को केंद्र में रखते हुए मिलन समारोह का उद्देश्य सभी को पुनः बाँधना, अनुभव साझा करना और स्वर्णिम यात्रा को एक साथ मनाना है।

आयोजन में मध्यप्रदेश, छत्तीस गढ़ के विभिन्न शहरों में बसे पूर्व छात्र भी शामिल होने वाले हैं। विद्यालय परिवार ने भी इस अवसर को लेकर हर्ष व्यक्त किया और सभी प्रतिभागियों के स्वागत की तैयारी शुरू कर दी है। आयोजन समिति ने सभी पूर्व छात्रों एवं सम्मानित गुरुजनों से अनुरोध किया है कि वे इस एकता और स्मृतियों के उत्सव में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं, प्राचार्य श्री चौरे ने बताया कि इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों की भी एक टीम बनाकर पूर्व छात्रों के कार्यक्रम को सफल एवं यादगार बनाने के लिए समन्वय बनाकर ससम्मान आयोजन की रूपरेखा तैयार की जा रही है, उक्त कार्यक्रम की विद्यालय के छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों में भी अत्यधिक उत्सुकता है एवं सभी कार्यक्रम के इंतजार में है।

10 वर्ष बाद बैहर की मड़ई आज

पद्मेश न्यूज। बैहर। 10 वर्ष बाद बैहर के एसडीएम कार्यालय के ठीक सामने 28 दिसंबर को मड़ई का आयोजन किया गया है। इस मड़ई में मण्डला सिवनी छत्तीसगढ़ सहित अन्य शहरों व्यवसाईयों के द्वारा दुकान भी लगाई गई है। जहा से ग्रामीण अपनी आवश्यकता की वस्तु खरीद सकेंगे। ज्ञात हो कि सन 2014 में यहां पर एक बड़ी गंभीर घटना होने के कारण मड़ई का आयोजन नहीं किया जा रहा था। किंतु इस वर्ष 28 दिसंबर को मड़ई का यह कार्यक्रम बैहर नगर वासियों के द्वारा हर्षोल्लास के साथ रखा गया है। जहां पर नगर वासी एवं ग्रामीणों के मनोरंजन के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वैसे भी ग्रामीण और नगर वासियों की मनोरंजन के लिए सर्कस चालू है और क्रिकेट मैच भी खेला जा रहा है। इस मड़ई अहीर समाज द्वारा पूजा अर्चना की जाएगी और नृत्य का प्रदर्शन भी किया जाएगा। पुलिस सुरक्षा के बीच इस मंडई में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

टिंबर मार्केट में लगी भीषण आग, 22 दमकलों ने कई घंटों में पाया काबू

भोपाल। राजधानी भोपाल के पुराने शहर में बोगदापुल रोड पर पुल पात्रा स्थित टिंबर मार्केट में शनिवार अलसुबह उस समय हड़कंप मच गया जब 3 बजे एक दुकान में अचानक आग लग गई। फर्नीचर दुकान में लगी आग ने देखते ही देखते पास की आरा मशीन तक समेत तीन जगहों अपनी चपेट में ले लिया। भोपाल डेकोरेशन नाम की यह आरा मशीन अंजुम भाई की बताई जा रही है। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग इतनी भीषण थी कि लोहे की टिन तक पिघल गई। सूचना मिलने पर नगर निगम के बैरागढ़, फतेहगढ़, कबाड़खाना, माता मंदिर, कोलार फायर स्टेशन के अलावा भेल, पुलिस के 22 दमकल वाहन आग बुझाने में जुटे रहे। करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग पर काबू पाने की कोशिशो के बीच आरा मशीन की दीवार गिर गई। जिससे 2 कर्मचारियों जावेद, जुनैद समेत समेत 4 लोग घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए पहले प्राइवेट हॉस्पिटल में ले जाया गया।

पद्मेश न्यूज़ शहरनामा
12
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

कमरे का ताला तोड़कर नगदी जेवरात सहित 60 हजार रुपये की चोरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पाथरी में अज्ञात चोर ने एक मकान के कमरे का ताला तोड़कर नगदी जेवरात सहित करीब 60हजार रुपये की चोरी हो गई। 2 दिन पहले चोरी की कि यह वारदात उस समय हुई जब इस मकान की रहवासी महिला गांव में ही अपने मायके मायके गई हुई थी और घर में उसकी बेटी एक अलग कमरे में सो रही थी। श्रीमती सोमकली पति शोभा सिंह मरावी 40 वर्ष ग्राम सोनगुड्डा निवासी फूलचंद मेरावी के विरुद्ध चोरी का शक करते हुए मलाजखंड थाने में रिपोर्ट की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पाथरी निवासी सोमकली मेरावी मजदूरी करती है। जिनका मायका ग्राम पाथरी में ही। सोमकली मेरावी के पिताजी के घर के सामने कलाबाई मरकाम का घर है। जिसका रिश्तेदार फूलचंद मेरावी ग्राम सोनगुड्डा निवासी एक-दो दिन से उसके घर में रुका हुआ था। और वह सोमकली मेरावी के घर भी आते जाते रहता था। 23 दिसंबर की शाम 6ः00 बजे सोमकली मेरावी गांव में ही अपने पिताजी बुधसिंह धुर्वे के घर गई थी। घर में उसकी बेटी नैना मेरावी अकेली थी। इसी रात में फूलचंद मेरावी ने सोमकली मेरावी से पूछा था कि घर कब आओगी तो उसने उसे कुछ नहीं बताई। सोमकली मेरावी के मकान में दो कमरे हैं। एक कमरे में ताला लगा रहता है और दूसरे कमरे में उसकी लड़की नैना मरावी खाना खाकर सो गई थी। रात में सोमकली मेरावी अपने पिता के घर खाना खाकर सो गई थी। दूसरे दिन 24 दिसंबर को सुबह 6ः00 बजे सोमकली मेरावी अपने घर आई और देखी दूसरे कमरे का ताला टूटा हुआ था।कमरे कर अंदर अलमारी का भी ताला टूटा हुआ था ।अलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरात जिनमे चांदी के जेवर सुतिया, नागमोरी, छन्नी, बाजूबंध, तीन जोड़ी पैरपट्टी, एक करधन ,सोने की गले की तीन पत्ती और नगद 20हजाररुपये नहीं थे। जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गये। दूसरे दिन कलाबाई मरकाम का रिश्तेदार फूलचंद मेरावी भी घर में नहीं था। सोमकली ने फूलचंद मेरावी ग्राम सोनगुड्डा निवासी पर ही चोरी करने का शक की है। तीन दिन तक सोमकली मेरावी फूलचंद मेरावी की तलाश करते रहे। किंतु उसका कोई पता नहीं चला। इस प्रकार सोमकली मेरावी के कमरे से चोरों ने नगदी जेवरात सहित करीब 60 हजार रुपये की चोरी कर ली । 26 दिसंबर को सोमकली मेरावी रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंची। मलाजखंड पुलिस ने सोमकली मेरावी द्वारा की गई रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध कमरे का ताला तोड़कर चोरी करने के आरोप में धारा 331(3),305(क) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की है।

तालाब में डूबने से मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मोहबट्टा में इसी ग्राम के एक व्यक्ति गोविंद पिता लखन लाल गजभिए 60 वर्ष तालाब में फिसल गया। जिसकी तालाब में डूबने से मौत हो गई। बताया गया है कि 26 दिसंबर को दोपहर में गोविंद गजभिए अपने गांव के तालाब तरफ गया था। तभी वह तालाब में फिसलकर गया था और तालाब के पानी में डूब गया था। सूचना मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और गोविंद गजभिए को तालाब से बाहर निकल कर उसे बैहर अस्पताल लाये। जिसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। गोविंद गजभिए की संभवत मौके पर ही मौत हो चुकी थी। बैहर पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पंचनामा करवाई पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जान शुरू की है।

बालाघाट से नक्सल ड्यूटी कर लौटते समय सागर हादसे में मारे गए जवान 'शहीद' नहीं!!

पुलिस मुख्यालय भोपाल ने रास्ते में दुर्घटना में जान गंवाने वाले जवानों की मृत्यु को सामान्य माना

एक्सप्रेस विशेष।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट/ भोपाल।

बालाघाट के जंगलों में पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए रोड क्लियर करने वाले बम रोधी खोजी दस्ता के वापस लौटते समय दुर्घटना में मृत्यु को सरकार ने सामान्य मौत माना है। एक खबर के मुताबिक मध्यप्रदेश के एक कांग्रेस विधायक ने मांग कर सवाल किया था कि क्या गत दिनों बालाघाट से मुरैना लौटते समय हाइवे पर दुर्घटना में मृत पुलिस कर्मी शहीद माने जायेंगे. जिसपर शासन ने यह व्यवस्था दिया है। उधर,मध्य प्रदेश के सागर में 10 दिसम्बर 2025 को बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) के जवान सड़क हादसे की चपेट में आ गए। इस हादसे में चार जवानों की मौत हो गई और 1 जवान गंभीर रूप से घायल है। सभी जवान ड्यूटी खत्म करके घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में वो सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए। यह हादसा सागर के नेशनल हाइवे 44 पर बांदरी मालथौन में हुआ।

इस मुद्दे पर कांग्रेस उठाई थी मांग

अभी हाल ही में कांग्रेस विधायक हेमंत कटारे ने मांग की थी ये सभी पुलिसकर्मी निजी कार्य से नहीं, बल्कि नक्सल विरोधी अभियान में बालाघाट से नक्सल ड्यूटी कर लौट रहे थे। ऐसे में यह मौतें लाइन ऑफ ड्यूटी में हुई हैं। इन्हें शहीद का दर्जा दिया जाता है और परिजनों को एक करोड़ रुपए की सहायता मिलती है, तो इससे सुरक्षा बलों का मनोबल बढ़ेगा।

बालाघाट में नक्सल ड्यूटी कर लौट रही बम डिडक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीएंडडीएस) की टीम के सड़क हादसे में मारे गए चार पुलिसकर्मियों को सरकार के रिकॉर्ड में फिलहाल शहीद का दर्जा नहीं हैं। विधायक हेमंत कटारे ने सरकार से चारों मृत जवानों को शहीद घोषित करने और उनके परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि देने की मांग की है। वहीं पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) ने इस मामले में स्पष्ट किया है कि मामला सड़क दुर्घटना से

जुड़ा है, न कि सीधे नक्सल ऑपरेशन या कानून-व्यवस्था की कार्रवाई से। यह हादसा 10 दिसंबर को सागर जिले में हुआ था। बालाघाट से नक्सल ड्यूटी कर वापस लौटते समय बीडीएंडडीएस स्क्वॉड का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कांस्टेबल प्रद्युम्न दीक्षित, कांस्टेबल अमन कौरव, वाहन चालक परमलाल तोमर (तीनों निवासी मुरैना) और डॉग मास्टर विनोद शर्मा (निवासी भिंड) की मौके पर मौत हो गई थी। हादसे में कांस्टेबल राजीव चौहान गंभीर रूप से घायल हुए थे।

नियम-क्या कहता है?

ज्ञात हो कि मध्यप्रदेश में विशेष पेंशन योजना-1965 के तहत शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन विशेष मुआवजे के पात्र होते हैं। इसके लिए शासन द्वारा तीन स्थितियां तय हैं। पहला,नक्सल ऑपरेशन में शहादत, दूसरा,कानून-व्यवस्था की स्थिति में शहादत और तीसरा,सरकारी कर्तव्य के निर्वहन के दौरान संघर्ष में मृत्यु। इधर पीएचक्यू पुलिस मुख्यालय भोपाल की ओर से कल्याण शाखा के अनुसार एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि देने का फैसला सरकार के स्तर पर होता है।

सूत्र बताते हैँ कि मुरैना से जुड़े इस मामले में मौत सड़क दुर्घटना से हुई है, जो न तो नक्सल ऑपरेशन, न कानून-व्यवस्था और न ही किसी संघर्ष की श्रेणी में आती है। हालांकि सरकार इस पर निर्णय ले सकती है। इधर पुलिस मुख्यालय की कल्याण शाखा ने मृतक पुलिसकर्मियों के परिजनों को विभागीय नियमों के तहत अन्य सभी लाभ दिए जाने का निर्णय लिया है।

माना यह भी जा रहा है कि राज्य शासन इस मामले में सदाशयता का परिचय देते हुए ड्यूटी स्थल से लौट रहे जवानो की दुर्घटना में मृत्यु को शहीद का दर्जा देगी. यह उन जवानो के परिवारों और उनके आश्रितों के साथ न्याय भी होगा और बलों के जवानो में मनोबल बना रहेगा।

दहेज में तीन लाख रुपये और मोटरसाइकिल की मांग का आरोप

महिला के पति के विरुद्ध दहेज प्रताड़ना का अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी क्षेत्र से महाराष्ट्र राज्य में ब्याही एक महिला ने अपने पति के विरुद्ध दहेज में तीन लाख रुपये और मोटरसाइकिल की मांग को लेकर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाई। इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने उसके पति अजय पिता लक्ष्मण बागडे ग्राम खातिया जिला गोंदिया निवासी के विरुद्ध दहेज की मांग को लेकर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताडित करने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस महिला का मायका खैरलांजी क्षेत्र का है। जिसकी शादी इसी वर्ष 24 मार्च 2025 को अजय बागडे ग्राम खातिया थाना रावनवाड़ी जिला गोंदिया महाराष्ट्र निवासी के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई थी। इस महिला का पति अजय बागडे ट्रैक्टर ड्राइवर जिसने इस महिला को शादी के बाद 20 दिन अच्छे से रखा उसके बाद वह उसे दहेज कम लाई है। कहकर दहेज में 3लाख रुपये और एक मोटरसाइकिल की मांग करने लगा। इसी दहेज की मांग को लेकर अजय बागडे अपनी पत्नी को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगा था। 17 अप्रैल 2025 को दोपहर 2ः30 बजे अजय बागडे इस महिला को उसके मायके छोड़ने आया और दहेज की बात को लेकर साथ उसके मायके के आंगन में मारपीट करने लगा। जिसका बीच बचाव इस महिला की मां और उसके भाई ने किये इसके बाद अजय बागडे घर जाने लगा और उसने अपनी पत्नी इस महिला से बोला कि दहेज में तीन लाख रुपये और एक मोटरसाइकिल लेकर आएगी तभी घर आना नहीं तो तुझे घर में नहीं रखूंगा। यह कहकर अजय बागडे चला गया। इसके बाद यह महिला अपने पति का अभी तक इंतजार करती रही किंतु वह इस महिला को लेने नहीं आया। जिसके बाद यह महिला खैरलांजी पुलिस थाना पहुंची। खैरलांजी पुलिस ने इस 26 वर्षीय महिला के द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति अजय पिता लक्ष्मण बागडे ग्राम खातिया गोंदिया निवासी के विरुद्ध इस महिला को दहेज की मांग को लेकर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और मारपीट करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

रेत का अवैध परिवहन करते तीन ट्रेक्टरों की जप्ती और ट्रेक्टर छुड़ाने के लिए रूपये वसूलने के आरोप में रेंजर निलंबित

लापरवाही बरतने पर लौगुर रेंजर पर सीसीएफ ने की कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खबर है कि दक्षिण वन मंडल बालाघाट सामान्य के लौगुर सामान्य परिक्षेत्र अधिकारी विवेक सिंह बघेल को कर्तव्य में लापरवाही पाए जाने पर सीसीएफ गौरव चौधरी ने बुधवार 24 दिसंबर को निलंबित कर दिया है। यह मामला तीन जब्त ट्रैक्टरों पर समय सीमा में कार्रवाई नहीं करने का है। उधर,वन परिक्षेत्र लौगुर सामान्य के अंतर्गत स्थित जैतपुरी सर्किल के जैतपुरी भाग-दो बीट में तीन ट्रैक्टरों को वन क्षेत्र से अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए 21 सितंबर 2024 को पकड़कर जब्त किया गया था। तीनों ट्रैक्टरों पर वन अपराध प्रकरण क्रमांक 11680/20, 11680/21, 11680/22 में दर्ज किया गया था। यह भी खबर है कि इस प्रकरण को वन परिक्षेत्र अधिकारी लौगुर को उप वनमंडलाधिकारी, बालाघाट सामान्य ने 12 जून 2025 को पत्र लिखकर पुनः जांच कर प्रकरण भेजे जाने लेख किया गया था, लेकिन इस

प्रकरण की जांच सही समय पर ना कर लेटलतीफी की गई। बताया जा रहा है कि तीनों ट्रैक्टर मालिकों ने वन परिक्षेत्र अधिकारी विवेक सिंह बघेल पर ट्रैक्टर छुड़ाने के नाम पर कुछ राशि लेने का आरोप लगाया था। यह शिकायत सीसीएफ के पास मिलते ही लौगुर वन परिक्षेत्र अधिकारी विवेक सिंह बघेल कॉ निलंबित कर उनका प्रभार वन परिक्षेत्र अधिकारी सामान्य सुरेंद्र कुमार शेंडे को सौंपा गया है। विभाग के सूत्र बताते हैँ कि कार्यवाहक वन परिक्षेत्र अधिकारी को मिला प्रभार-दक्षिण वन मंडल बालाघाट सामान्य के अनेक वरिष्ठ वन परिक्षेत्र अधिकारी पदस्थ होने के बावजूद उन्हें अतिरिक्त प्रभार ना देकर एक कनिष्ठ अधिकारी को प्रभार देने की बात समझ से परे है। यह भी जन चर्चा है कि लौगुरं वन परिक्षेत्र सामान्य के वन परिक्षेत्र अधिकारी को प्रभार ना देकर लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित हट्टा वन परिक्षेत्र में पदस्थ कार्यवाहक वन परिक्षेत्र अधिकारी को प्रभार दिए जाने पर सवाल खड़े हो रहे है। अब देखना है आगे क्या कार्रवाई होती है.

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल का ब्रेक जांघ में घुसा युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर समीप कोतवाली क्षेत्रांगत बैहर रोड देवटोला नहर के पास सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार एक युवक घायल हो गया। घायल युवक लोकेश पिता धनीराम कावरे 25 वर्ष ग्राम आमगांव थाना बैहर निवासी है। जांघ में मोटरसाइकिल का ब्रेक घुसने से घायल इस युवक को जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकेश कावरे बालाघाट में रहकर यहां के एक निजी कॉलेज में बी फार्मा की पढ़ाई कर रहा है। 27 दिसंबर को 1ः30 बजे करीब लोकेश कावरे अपने दो साथियों के साथ मोटरसाइकिल में अपने गांव आमगांव से बालाघाट आ रहे थे। लोकेश कावरे मोटरसाइकिल के पीछे बैठा हुआ था तभी नगर समीप बैहर रोड देवटोला नहर के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने लोकेश की मोटरसाइकिल को पीछे से ठोस मार दिया ।इस मोटरसाइकिल की ठोकर से मोटरसाइकिल के पीछे बैठे लोकेश ठोस मारने वाली मोटरसाइकिल के ऊपर गिर गया। जिससे इस मोटरसाइकिल का ब्रेक उसके जांघ में घुस गया। इस घायल युवक को एंबुलेंस से जिला अस्पताल लाया गया। जहां से उसे बेहतर उपचार हेतु तुरंत ही हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जिसे उसके परिवार के लोगों ने उपचार हेतु गोंदिया ले गए।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

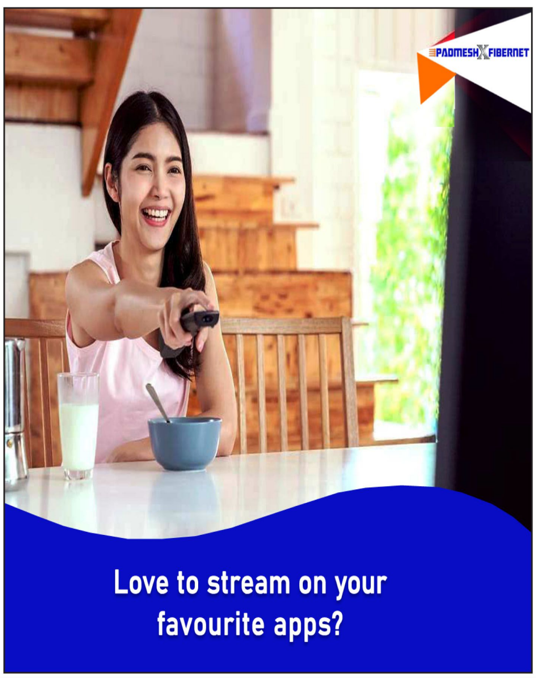

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट